खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 26 फरवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-56

वैश्विक निवेश सम्मेलन-एडवांटेज असम के उद्घाटन समारोह में पीएम मोदी बोले

अनिश्चितताओं के इस दौर में भी दुनिया को भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि पर भरोसा

गुवाहाटी/ नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि दुनिया भर में इस समय फैले अनिश्चितता के वातावरण के बावजूद भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि को लेकर जानकार आश्वस्त हैं।

श्री मोदी ने कहा कि यह भरोसा देश की सुधारवादी नीतियों, हुनरमंद एवं नवाचारी युवा वर्ग, उभरते नव-मध्यवर्ग और राजनीतिक स्थिरता तथा नीतिगत निरंतरता के प्रति देश की 140 करोड़ आबादी के समर्थन को देख कर बना है। श्री मोदी असम सरकार द्वारा गुवाहाटी में आयोजित वैश्विक निवेश सम्मेलन-एडवांटेज असम का उद्घाटन कर रहे थे। सम्मेलन में दुनिया भर से निवेशक, नीति निर्माता और राजनयिक भाग ले रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा, आज हम वैश्विक परिस्थितियों को बारीकी से देख रहे हैं। .....वैश्विक अनिश्चितताओं के वातावरण में एक बात निश्चित है कि जानकार भारत की तेज ग्रोथ (तीव्र आर्थिक वृद्ध) को लेकर भरोसा कर रहे हैं। इस भरोसे के ठोस कारण हैं।

उन्होंने कहा कि आज का भारत अगले 25 साल में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के एक सपने को लेकर एक के बाद एक नये-नये फैसले कर रहा है। संपर्क सुविधाओं का विस्तार कर रहा है। दुनिया को भारत की युवा आबादी पर भरोसा है, जो तेजी से कौशल-सम्पन्न और नवाचारी

हो रही है। भारत में एक नया मध्यम वर्ग उभर रहा है। देश की 140 करोड़ जनता है, जो राजनीतिक स्थिरता और नीतियों में निरंतरता के साथ खड़ी है। देश में सुशासन के साथ-साथ सुधार जारी हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज भारत अपनी स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत कर रहा है और दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है। पूर्वी एशिया के साथ हमारे संबंध मजबूत हो रहे हैं और भारत-मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया)-यूरोप आर्थिक गलियारा नये अवसर पैदा कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने अपने विनिर्माण क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिये मिशन मोड पर काम शुरू किया है। उन्होंने कहा, हम मेक इन इंडिया के तहत लो कॉस्ट मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत आर्थिक विकास के साथ-साथ पारिस्थितिकीय संतुलन पर भी ध्यान दे रहा है।

श्री मोदी ने कहा, पिछले 10 वर्षों में भारत ने अपनी पर्यावरणीय जिम्मेदारियों को निभाया भी नीतिगत निर्णय के लिए। दुनिया हमारे नवीकरणीय ऊर्जा मिशन को एक आदर्श परिपाटी के रूप में अपना रही है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र के बारे में उन्होंने कहा, पूर्वी भारत और नॉर्थईस्ट की भूमि आज एक नये भविष्य की शुरूआत करने जा रही है। एडवांटेज असम सम्मेलन पूरी दुनिया को असम की संभावनाओं और प्रगति से जोड़ने का एक महाअभियान है।

उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि पहले भी भारत की समृद्धि में पूर्वोत्तर भारत की बहुत बड़ी भूमिका हुआ करती थी। आज जब भारत विकसित होने की तरफ बढ़ रहा है, तो एक बार फिर हमारा ये पूर्वोत्तर अपना सामर्थ्य दिखाने जा रहा है और इसमें असम का योगदान लगातार बढ़ रहा है। श्री मोदी ने कहा कि 2018 में एडवांटेज असम का पहला संस्करण लॉन्च किया गया था। तब असम की अर्थव्यवस्था लगभग 2.75 लाख करोड़ रुपये थी, जो अब छह लाख करोड़ रुपये हो गयी है। इसका मतलब है कि भाजपा सरकार के तहत असम की अर्थव्यवस्था छह साल में दोगुनी हो गयी है। यह डबल इंजन वाली सरकार के दोहरे प्रभाव को दर्शाता है।

उन्होंने आकड़ों के सहारे अपनी बात रखते हुए कहा कि असम में 2009 से 2014 के बीच रेल बजट औसतन 2,100 करोड़ रुपये प्रति मील था। हमारी सरकार ने असम के रेलवे बजट को चार गुना बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपये पहुंचाया है।

उन्होंने कहा कि सरकार देश के बुनियादी ढांचे पर भी बहुत बड़ा निवेश कर रही है। संस्थागत सुधार, उद्योग, बुनियादी ढांचा और नवाचार भारत की प्रगति का आधार है। इसलिए निवेशक किसी भी देश की क्षमता को देखते हैं कि उनकी और देश की प्रगति की संभावनायें बदल रही हैं। इस प्रगति में असम में भी डबल इंजन की स्पीड में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है।प्रधानमंत्री ने कहा कि असम ने 2030 तक सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 143 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, मुझे इस लक्ष्य को हासिल करने का पूरा भरोसा है। मुझे लोगों की ▶10पर

दिल्ली शराब नीति में 2,002 करोड़ का घाटा, कैग रिपोर्ट में हुए चौंकाने वाले खुलासे

6 साल में 35000 करोड़ बढ़ा घाटा, 45 प्रतिशत बसें कबाड़

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को विधानसभा में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी जिसमें दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल की विवादास्पद आबकारी नीति के बारे में विभिन्न अनियमितताओं को रेखांकित करते हुये कठोर टिप्पणियां की गयी हैं।

कैग की रिपोर्ट विधानसभा के सत्र के दूसरे दिन सदन के पटल पर रखी गयी, जिसमें कहा गया है कि दोषपूर्ण 2021-22 आबकारी नीति के कारण दिल्ली सरकार को दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय नुकसान हुआ। परफार्मेंस आडिट ऑन रेगुलेशन एंड सप्लाई ऑफ लिकर इन दिल्ली शीर्षक इस रिपोर्ट को सदन में विपक्ष की नेता आतिशी सहित आम आदमी पार्टी के विधायकों के निलंबन के बाद पटल पर रखा गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में विवादास्पद आबकारी नीति के बारे में सिफारिश के लिये गठित विशेषज्ञ समूह के सुझावों को तत्कालीन उप मुख्यमंत्री एवं आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया ने नजरअंदाज कर दिया था।

रिपोर्ट में आम आदमी पार्टी

डीटीसी को भी आपा सरकार ने कर दिया बर्बाद

दिल्ली वालों के स्वास्थ्य से भी 'घोटाला'!

सरकार की 2021-22 की शराब नीति से 2,026 करोड़ से अधिक का राजस्व नुकसान होने का खुलासा हुआ। यही नहीं, इस नीति के जरिए दिल्ली की जनता के स्वास्थ्य से भी खिलवाड़ किया गया। इस रिपोर्ट ने न केवल शराब नीति में अनियमितताओं और नियमों के उल्लंघन को उजागर किया, बल्कि दिल्ली परिवहन निगम सहित अन्य क्षेत्रों में भी भारी वित्तीय अनियमितताओं की ओर इशारा किया। ▶10पर

आतिशी समेत आप के 21 विधायक तीन दिन के लिए निलंबित

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा में उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण के दौरान हंगामे और नारेबाजी के कारण नेता विपक्ष आतिशी समेत आम आदमी पार्टी (आप) के 21 विधायकों को तीन दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। श्री सक्सेना के अभिभाषण के दौरान आप विधायकों की ओर से उत्पन्न व्यवधान को लेकर कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सदन में एक प्रस्ताव लाकर अमर्यादित कार्य करने वालों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की माँग की, जिसका विधायक अभय वर्मा ने समर्थन करते हुए सभी 21 सदस्यों को तीन दिन के लिए निलंबित करने की माँग की। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आप के 21 विधायकों के आज समेत तीन कार्य दिवस के लिए निलंबन का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने ध्वनिमत से स्वीकार कर लिया।

1984 सिख विरोधी दंगों में

सज्जन कुमार को आजीवन कारावास

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। यह फैसला राउज एवेन्यू कोर्ट की न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने दिया। यह मामला सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या से जुड़ा है। उस समय सज्जन कुमार

बाहरी दिल्ली से सांसद थे। पीड़ित पक्ष ने सज्जन के लिए मृत्युदंड की मांग की थी।सज्जन कुमार को 12 फरवरी को दोषी ठहराया गया था। वे पहले से तिहाड़ जेल में एक अन्य मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं।इससे पहले, 2018 में उन्हें दिल्ली कैंट के पालम कॉलोनी में ▶10पर

साइबर हमलों जैसी गैर पारंपरिक चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहे तटरक्षक बल: राजनाथ

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तटरक्षक बल से साइबर हमलों , डेटा चोरी, सिग्नल और राडार जैमिंग जैसी गैर पारंपरिक चुनौतियों से निपटने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी अपनाने तथा इन स्थितियों से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहने को कहा है।

श्री सिंह ने मंगलवार को यहां तटरक्षक बल के अलंकरण समारोह में वीरता, विशिष्ट सेवा और उल्लेखनीय सेवा के लिए 32 कर्मियों को पदकों से सम्मानित किया। इनमें राष्ट्रपति के छह तटरक्षक पदक, 11 तटरक्षक पदक (वीरता) और 15 तटरक्षक पदक शामिल हैं। रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर वीरता के लिए तटरक्षक पद से सम्मानित कमांडेंट सौरभ (मरणोपरांत) को नमन किया तथा उन्हें श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि बदलते समय में तटरक्षक बलों की चुनौतियां भी बदल रही हैं इसलिए बल को अपने आपको इनसे निपटने में सक्षम बनाकर हमेशा तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा , हमारे सामने वर्षों से, जो पारंपरिक खतरे उभर रहे हैं, उनको दूर करने के लिए आप सभी हमेशा चौकस रहते हैं। लेकिन जैसे-जैसे समय बदल रहा है, हमारे सामने अब चुनौतियां भी अलग तरीके की आ रही हैं। उन्नत प्रौद्योगिकी के इस दौर में, हमारे सामने ऐसी चुनौतियां भी आ रही हैं, जो गैर पारंपरिक हैं।तटरक्षक बल को साइबर हमले, डेटा चोरी, सिग्नल जैमिंग, रडार में व्यवधान और जीपीएस धोखे जैसे अनेक प्रौद्योगिकी खतरे से को दो-चार होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कहने का अर्थ यह है कि तटरक्षक बल के सामने, एक ओर पारंपरिक खतरे हैं, तो दूसरी ओर नये उभरते खतरे भी हैं। यानी आपको दोनों ही तरीके से चौकस रहने की जरूरत है रक्षा मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में जिस सशक्त और समृद्ध भारत की संकल्पना की जा रही है उसकी राह सभी बलों के सशक्तीकरण से होकर जाती है। ▶10पर

सीबीआई ने की

गेनबिटकॉइन घोटाले में 60 से अधिक स्थानों पर छापेमारी

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) गेनबिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी घोटाले की जांच के सिलसिले में देश भर में 60 से अधिक स्थानों पर छापेमारी कर रही है। सीबीआई के प्रवक्ता के अनुसार यह तलाशी अभियान दिल्ली एनसीआर, पुणे, चंडीगढ़, नांदेड़, कोल्हापुर, बेंगलुरु और अन्य प्रमुख शहरों में चलाया जा रहा है। यह अभियान मामले के मुख्य आरोपियों, उनके सहयोगियों और अपराध की आय को लूटने वाली संदिग्ध संस्थाओं से जुड़े परिसरों में चलाया जा रहा है। गेनबिटकॉइन एक कथित पोंजी स्कीम थी जिसे 2015 में अमित भारद्वाज (मृतक), अजय भारद्वाज और उनके एजेंटों के नेटवर्क द्वारा शुरू किया गया था। ▶10पर

फेक न्यूज मामला : प्रीति जिंटा ने कांग्रेस को जमकर लताड़ा, कहा

'ऐसा घिनौना काम करने में शर्म आनी चाहिए'

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने कांग्रेस की केरल इकाई पर फेक न्यूज को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कांग्रेस के दावे, ..भाजपा को लाभ

पहुंचाने के चलते जिंटा का लोन माफ कर दिया गया था.. पर आपत्ति जताते हुए मंगलवार (25 फरवरी) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर पार्टी को जमकर लताड़ा। इस पोस्ट में वह 10 साल पहले लिए गए लोन का जिक्र करते हुए कहती हैं, कांग्रेस फेक न्यूज को बढ़ावा दे रही है। पार्टी को इस घिनौने कृत्य के लिए शर्म आनी चाहिए।दरअसल, केरल कांग्रेस ने एक्स पर 24 फरवरी को एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें लिखा था, उन्होंने (प्रीति जिंटा) अपने सोशल मीडिया अकाउंट भाजपा को दे दिए और 18 करोड़ रुपये माफ करवा लिए। पिछले हफ्ते बैंक को नुकसान हुआ और अब जमाकर्ता अपने पैसों के लिए सड़क पर आ गए हैं।

इस पोस्ट को देखने के बाद प्रीति जिंटा आगबबूला हो गईं और उन्होंने केरल कांग्रेस की पोस्ट को री-पोस्ट करते हुए लिखा, नहीं, मैं अपना सोशल मीडिया अकाउंट खुद ही चलाती हूं। आपको फेक न्यूज को बढ़ावा देने के लिए शर्म आनी चाहिए। किसी ने मेरे लिए कुछ भी नहीं लिखा न ही कोई लोन माफ किया। मैं हैरान हूं कि एक राजनीतिक दल और उनके प्रतिनिधि मेरे नाम और तस्वीरों का उपयोग करके फर्जी खबरों को बढ़ावा दे रहे हैं। ये घृणित गपशप है। उन्होंने सभी आरोपों का खंडन करते हुए आगे लिखा, रिकॉर्ड के लिए मैंने एक लोन लिया था, जिसे 10 साल पहले पूरी तरह से वापस कर दिया है। उम्मीद है कि इससे आपको स्पष्ट हो जाएगा, मदद मिलेगी और भविष्य में कोई ▶10पर

ब्यावर रेप-ब्लैकमेल कांड

कोर्ट ने चारों आरोपियों को भेजा जेल

अजमेर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। ब्यावर रेप-ब्लैकमेल कांड में पांच दिन के पुलिस रिमांड के बाद मंगलवार को चारों आरोपियों को अजमेर की पॉक्सो कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने सभी को जेल भेजने का आदेश दिया। आरोपी हिंदू लड़कियों से दुष्कर्म कर उन्हें ब्लैकमेल करते

थे। यह मामला अजमेर कांड जैसा था। आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग को लेकर सर्व हिंदू समाज ने मसूदा का बाजार बंद रखा। संत समाज भी लड़कियों के न्याय के लिए आगे आया है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32°
न्यूनतम : 18°

उत्तर से चलेगा दक्षिण फतह का तीर!

भाजपा अध्यक्ष की रेस में दक्षिण से तीन दिग्गज

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। ऐसा लग रहा है कि बीजेपी के संगठनात्मक चुनाव की हलचल अपने अंतिम चरण में है। इधर मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल समाप्त होने को है। अब चर्चा इस बात की हो रही है कि अगला बीजेपी अध्यक्ष कौन होगा। इस दौड़ में दक्षिण भारत से तीन प्रमुख नेताओं के नाम सबसे आगे बताए जा रहे हैं। पार्टी के लिए यह फैसला खास होगा क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद अब बीजेपी की नजर दक्षिण भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने पर है। पार्टी नेतृत्व ऐसे किसी नेता को अध्यक्ष पद सौंप सकता है जो इस चुनौती को प्रभावी तरीके से संभाल सके। देखना है कि बीजेपी अपने इस फैसले से कैसे चौंका सकती है। साथ ही उन तीनों नामों की चर्चा भी जान लेते हैं।

जी किशन रेड्डी : दरअसल बीजेपी अध्यक्ष पद की दौड़ में 3 नाम प्रमुखता से चल रहे हैं। सबसे पहला नाम जी किशन रेड्डी का है। वर्तमान में केंद्रीय कोयला मंत्री रेड्डी, तेलंगाना के प्रभावशाली नेता माने जाते हैं। वह पहले तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष भी रह चुके हैं और संगठन के कामकाज में उनकी सक्रियता रही है। रेड्डी का ओबीसी समुदाय से आना और संगठन पर उनकी गहरी पकड़ ▶10पर

कर्नाटक और महाराष्ट्र में भाषा को लेकर तनाव बढ़ा

दूसरे राज्य में बस भेजने के लिए सुरक्षा गार्ड क्यों तैनात करने जा रही सरकार?

मुंबई, 25 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक और महाराष्ट्र में भाषा को लेकर तनाव बढ़ता ही जा रहा है। कर्नाटक स्टेट ट्रान्सपोर्ट के बस कंडक्टर पर भाषा को लेकर हुए हमले के बाद दोनों ही राज्यों के सरकार ने सुरक्षा के मद्देनजर कई अहम कदम उठाए। घटना के दो दिनों बाद दोनों ही राज्यों ने स्थिति में सुधार होने तक गवर्नमेंट बस सर्विस को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया। वहीं, अब महाराष्ट्र सरकार ड्राइवरों और कंडक्टरों की सुरक्षा को लेकर अहम कदम उठाने जा रही है। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने मंगलवार कहा कि स्टेट ट्रान्सपोर्ट के कर्मचारियों पर हुए हमले के मद्देनजर पड़ोसी राज्य कर्नाटक जाने वाली सभी बसों में सुरक्षा मार्शल या पुलिस कर्मियों को तैनात करने पर विचार किया

जा रहा है। वहीं, महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि मुसाफिरों को सुरक्षा प्रदान करना कर्नाटक सरकार की भी जिम्मेदारी है और अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो (महाराष्ट्र) राज्य सरकार ऐसा करेगी।महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार रात को चित्रदुर्ग में कथित तौर पर कन्नड भाषी कार्यकर्ताओं द्वारा स्टेट ट्रान्सपोर्ट की एक बस और उसके ड्राइवर पर हुए हमले के बाद शनिवार को ▶10पर

यूक्रेन युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र में पेश किए गए प्रस्ताव पर अमेरिका और रूस एक साथ आए

जिनेवा, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

यूक्रेन युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र में पेश किए गए प्रस्ताव पर अमेरिका और रूस एक साथ खड़े नजर आए। इस प्रस्ताव के पक्ष में 93 देशों ने मतदान किया जिसमें जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस और जी7 (अमेरिका को छोड़कर) जैसे प्रमुख देश शामिल हैं।

रूस, अमेरिका, इजरायल और हंगरी सहित 18 ने इसके खिलाफ वोट डाले। भारत, चीन और ब्राजील सहित 65 देशों ने वोटिंग में हिस्सा ही नहीं लिया। बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर बीते 3 बरसों में अमेरिका हमेशा यूरोपीय देशों के साथ मतदान करता था। यह पहली बार है जब उसने अलग रास्ता चुना है। अमेरिका में आया यह बदलाव यूरोपीय पक्ष से अलग होने का संकेत देता है। यह अमेरिकी नीति में एक बड़ा बदलाव भी दर्शाता है।

तीन साल पहले रूस के यूक्रेन पर आक्रमण किए जाने के बाद यह ऐसा पहला मौका रहा, जब ने यूक्रेन की ओर से यूएन में पेश मसौदा प्रस्ताव को यूएस ने रोकने का प्रयास किया। प्रस्ताव में यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में सैन्य वापसी, शत्रुता को समाप्त करने और शांतिपूर्ण समाधान की मांग की गई है।

यूरोपीय देशों और जी7 (अमेरिका को छोड़कर) ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जिससे यह पारित हो गया। मालूम हो कि भारत और चीन ने इस मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

प्रस्ताव पास हो जाने से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने उसे अपनी मंजूरी दे दी। इसमें आक्रमण के 3 साल पूरे होने पर यूक्रेन से सभी रूसी सैनिकों की तत्काल वापसी की मांग भी की गई है।

कुल 193 सदस्यीय विश्व निकाय में 93 सदस्यों ने इसके पक्ष में मतदान किया जबकि 18 ने विरोध किया।

भारत सहित 65 सदस्य मतदान से अनुपस्थित रहे। इस निकाय के प्रस्ताव कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं हैं, लेकिन इन्हें विश्व जनमत का संकेतक माना जाता है। पिछले प्रस्तावों में 140 से अधिक देशों ने रूस की आक्रामकता की निंदा की थी। चार यूक्रेनी क्षेत्रों पर उसके कब्जे को हटाने की मांग की गई थी।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप प्रशासन कर रहा कर्मचारियों की छंटनी, अमेरिका में हो रही आलोचना

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही सरकारी कर्मचारियों के बुरे दिन शुरू हो गए। बड़ी संख्या में

सरकारी कर्मचारियों ने रिटायरमेंट ले लिया है। वहीं कई विभागों में सरकारी कर्मचारियों की छंटनी कर दी गई है। इसके अलावा एलन मस्क ने कहा है कि जो भी कर्मचारी अपनी वर्क रिपोर्ट नहीं भेजेंगे उनका भी इस्तीफा मान लिया जाएगा। ट्रंप ने मस्क को कॉस्ट कटिंग की जिम्मेदारी दी है। डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डॉज) के हेड एलन मस्क के इस कदम की अमेरिका में आलोचना हो रही है। ट्रंप और मस्क पहले नहीं हैं जो अमेरिका में इस तरह कर्मचारियों की छंटनी कर रहे हैं। 30 साल पहले बिल क्लिंटन और उनके सहयोगी उपराष्ट्रपति अल्बर्ट गोर ने भी यह रणनीति बनाई थी और उसे लागू भी किया था। उस समय की सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को हटाकर अरबों डॉलर की बचत की थी। क्लिंटन के समय में इस प्लान में भूमिका निभाने वाले लोगों का कहना है कि वह इससे बहुत अलग था। उस समय किसी तरह की परेशानी भी नहीं हुई थी और अरबों डॉलर की बचत भी की गई थी। उन्होंने कहा कि एलन मस्क की तरह अचनाक किसी से नौकरी छोड़ने का नहीं कहा गया था। सरकारी कर्मचारियों के कार्य में परिवर्तन करने की कोशिश की गई थी और इस काम में कई साल लगे थे। जानकार लोगों का कहना है कि बिल क्लिंटन ने बिना किसी संवैधानिक संकट के काम किया था। उन्होंने छंटनी नहीं की बल्कि लोगों पर ही फैसला छोड़ दिया था, लेकिन इस सरकार का लक्ष्य केवल नौकरियां खत्म करना है। हमारा लक्ष्य काम को अच्छा करना और कम कीमत में ज्यादा काम करवाना था। हमने प्राइवेट सेक्टर को भी मौका दिया था। ऐसे में नौकरियां बढ़ गई थीं। इसके अलावा तकनीक का सहारा लिया और काम को आसान बनाया था।

ऑनलाइन चैलेंज के चक्कर में किशोर की मौत

ब्राजीलिया। ब्राज़ील में एक 14 साल के किशोर की रहस्यमय तरीके से मौत हो गई। यह लड़का एक ऑनलाइन चैलेंज के चक्कर में खुद को अजीब तरह का इंजेक्शन लगा बैठा, जिसके कारण उसकी तबीयत तेजी से बिगड़ गई। अस्पताल में एक हफ्ते तक इलाज के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका। डावी न्यून्स मोराइरा नाम के इस लड़के को अचानक उल्टियां होने लगीं और वह लड़खड़ाने लगा, जिसके बाद उसके पिता उसे तुरंत अस्पताल ले गए। जांच के दौरान पता चला कि उसने अपने शरीर में एक ऐसा तरल पदार्थ इंजेक्ट किया था, जिसमें जली हुई तितली की राख मिलाई गई थी। यह सुनकर डॉक्टर भी हैरान रह गए और तत्काल उसकी हालत सुधारने की कोशिशें शुरू कर दी गईं। लड़के को ब्राजील के विटोरिया दा कोनक्विस्टा जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां विशेषज्ञ उसकी जान बचाने में जुटे रहे। लेकिन सात दिन तक चले इलाज के बाद भी उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ और अंततः उसने दम तोड़ दिया।

बांग्लादेश के वायु सेना अड्डे पर हमला कारोबारी की मौत, वायुसेना अड्डे पर सेना ने संभाला मोर्चा

ढाका। भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले में वायु सेना अड्डे पर कुछ बदमाशों मे

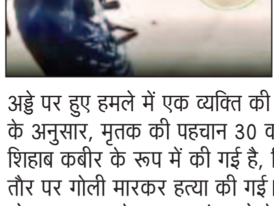

हमला किया है, इसमें एक शख्स की मौत हो गई है। बांग्लादेश की सेना ने इसकी पुष्टि कर बताया कि वायुसेना अड्डे पर हुए हमले में एक व्यक्ति की मौत हुई है। सूत्रों के अनुसार, मृतक की पहचान 30 वर्षीय व्यापारी शिहाब कबीर के रूप में की गई है, जिसकी कथित तौर पर गोली मारकर हत्या की गई। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के शासन संभालने के बाद यह पहला ऐसा हमला है। सेना ने वायुसेना अड्डे पर मोर्चा संभाल लिया है। बांग्लादेश सशस्त्र बलों के जनसंपर्क प्रभाग, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा, समिति पारा के कुछ अपराधियों ने कॉक्स बाजार स्थित वायुसेना अड्डे पर हमला बोल दिया। बांग्लादेश वायुसेना इस संबंध में आवश्यक कदम उठा रही है। बताया जा रहा हैं कि यह हमला एक भूमि विवाद के कुछ घंटों बाद हुआ, इसके कारण वायुसेना कर्मियों और निवासियों के बीच टकराव हुआ था। रिपोर्ट में बताया गया है कि कॉक्स बाजार के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद सलाहुद्दीन ने भी पुष्टि की कि स्थानीय लोगों और वायु सेना के जवानों के बीच झड़प हुई है। सलाहुद्दीन ने कहा कि इस झड़प के कारणों की जांच दोनों पक्षों से बातचीत के होगी और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

पाकिस्तान में वकीलों और पत्रकारों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला

इस्लामाबाद,25 फरवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के वकीलों और पत्रकारों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम अधिनियम (पेका) में किए गए संशोधनों को तुरंत रद्द करने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) की सोमवार को बुलाई गई सलाहकार सभा में स्वतंत्र पत्रकारिता पर प्रतिबंधों को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया गया।

खबर के अनुसार, बैठक में सर्वसम्मत से पारित प्रस्ताव में इस बात पर जोर दिया गया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आधारशिला है। बैठक में मौजूद पत्रकारों और वकीलों ने पेका (संशोधन) अधिनियम, 2025 की निंदा करते हुए इसे अस्वीकार कर दिया। इसे संविधान के अनुच्छेद 19 का उल्लंघन माना। यह अनुच्छेद भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है।

प्रस्ताव में कहा गया है कि पेका (संशोधन) अधिनियम, 2025, संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाई गई नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय संधि (आईसीसीपीआर) के अनुच्छेद 19 के तहत संरक्षित मीडिया कर्मियों के अधिकारों का उल्लंघन करता है। सरकार को याद दिलाया गया है कि इस संधि पर पाकिस्तान ने भी हस्ताक्षर किए हैं। यह संशोधन प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का भी उल्लंघन करता है। बैठक में डिजिटल क्षेत्रों में बढ़ती सेंसरशिप पर चिंता व्यक्त की गई।

एससीबीए की ओर से बैठक में इसके अध्यक्ष मियां मोहम्मद रऊफ अत्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद इशाक नोटजई, बलूचिस्तान के उपाध्यक्ष मोहम्मद औरंगजेब खान, कार्यवाहक सचिव चौधरी तनवीर अख्तर, वित्त सचिव मुनीर अहमद मलिक, आयशा मलिक, हमूद उर रहमान अवान, बलूचिस्तान बार काउंसिल के सदस्य खलील पानेजई और हाफिज अहसान खोखर ने हिस्सा लिया। मीडिया की ओर से बैठक में मुनीजा जहांगीर, अरशद अंसारी, अफजल बट, जाहिद हसन, हामिद मीर, मजहर अब्बास, आरिफा नूर और अन्य शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि सिंध हाई कोर्ट में याचिकाएं दायर कर इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम अधिनियम (पेका) में किए गए हालिया संशोधनों को चुनौती दी गई है।

युद्ध के 3 साल: 475000 मौतें, 63 लाख लोगों ने छोड़े घर

वॉशिंगटन। रूस यूक्रेन युद्ध को तीन साल हो गए हैं। युद्ध के चलते अब तक 475000 मौतें हुई हैं और 63 लाख लोग घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। इन तीन साल होने पर 267 ड्रोन से एक साथ हमला किया। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, खार्किव, पोल्टावा, सुमी, कीव, चेर्निहाइव, मायकोलाइव और ओडेसा सहित पूरे यूक्रेन में कम से कम 13 क्षेत्रों में ड्रोन रोके गए। यह अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक है।यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस-यूक्रेन युद्ध को जल्द से जल्द खत्म करने के लिए दबाव बना रहे हैं। 24 फरवरी इस युद्ध को तीन साल पूरे हो गए हैं। तीन साल होने के बाद भी यह युद्ध नहीं रुक पाया है। युद्ध रोकने के लिए सऊदी अरब में अमेरिका ने रूस के साथ मीटिंग की, लेकिन पूरी दुनिया के लिए हैरानी की बात रही कि इसमें यूक्रेन को शामिल नहीं किया गया। यूक्रेन युद्ध के कारण लाखों लोगों की मौत हुई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने फरवरी की शुरुआत में कहा था कि इस युद्ध के कारण 45,000 सैनिक मारे गए। वहीं उन्होंने दावा किया कि 390,000 से ज्यादा रूसी सैनिकों की मौत हुई। इन आंकड़ों की मानें तो अब तक दोनों तरफ से 4 लाख 75 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। इस युद्ध में रूस की ओर से उत्तर कोरियाई सैनिकों को भी लड़ते हुए देखा गया है। यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क इलाके पर हमला किया है। यहीं पर उत्तर कोरियाई सैनिक लड़ रहे थे। उत्तर कोरियाई सैनिकों के भी बड़ी संख्या में मारे जाने की खबर है। लेकिन अब वह पीछे हट चुके हैं।

चाबहार पर ट्रंप के आदेश से भारत को नुकसान तो चीन को हो सकता है फायदा

भारत ने इसके विकास और संचालन के लिए ईरान के साथ किया है समझौता

तेहरान, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

ईरान के चाबहार पोर्ट पर ट्रंप के कदम के बाद भारत के लिए मुश्किल खड़ी हो गई है। इस महीने 6 फरवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक आदेश जारी किया था, जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो को चाबहार पर प्रतिबंधों में दी गई छूट को रद्द करने या संशोधित करने का निर्देश दिया था। चाबहार बंदरगाह मध्य एशिया तक पहुंच हासिल करने के भारत के अभियान के लिए अहम है। बीते साल भारत ने इसके विकास और संचालन के लिए ईरान के साथ 10 साल के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

अमेरिका के कदम ने एक तरफ जहां भारत के लिए असहज स्थिति पैदा कर दी है, वहीं प्रतिद्वंद्वी चीन के लिए यह मौके है। चीन ने इस इलाके में पाकिस्तान के ग्वादर में स्थित बंदरगाह में बड़ा निवेश किया है। इससे न सिर्फ चीन को व्यापार बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में पैर जमाने का रास्ता साफ हो सकता है, जहां भारत का लंबे समय से रणनीति प्रभाव रहा है, लेकिन चीन का ग्वादर प्रोजेक्ट एक तरह अभी तक असफल रहा है, जबकि भारत के बनाए चाबहार ने व्यापार शुरू कर दिया है। ट्रंप के आदेश का उद्देश्य ईरान पर अधिकतम दबाव बनाना है, लेकिन इससे भारत के प्रमुख रणनीतिक हितों पर भी असर पड़ेगा।

इंडियन पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड और ईरान के बंदरगाह और समुद्री संगठन ने साल 2024 में चाबहार डील की थी।

आईपीजीएल ने पहली बार 2018 में पोर्ट का संचालन संभाला और तब से 90 हजार से ज्यादा टियुस के कंटेनर ट्रैफिक और 84 लाख से ज्यादा के थोक और सामान्य कार्गो को संभाला है।

भारत के लिए इस पोर्ट का महत्व आर्थिक से ज्यादा है। यह एक रणनीतिक संपत्ति है, जो ऐतिहासिक रूप से अस्थिर पड़ोसी क्षेत्र के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करता है। साथ ही दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और मध्य पूर्व में चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करता है।

ट्रंप के आदेश से भारत की रणनीतिक स्थिति के कमजोर होने का खतरा है। छूट खत्म करने के फैसले पर भारत ने प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन वास्तव में प्रतिबंधों को छूट रद्द करने से भारत अपने विकल्पों पर विचार करना पड़ सकता है। यह मध्य एशियाई क्षेत्र में भारत के प्रभाव को कम कर सकता है। छूट को रद्द करने का नकारात्मक असर क्वाड पर पड़ सकता है।

दक्षिण कोरिया में निर्माणाधीन पुल ढहा, तीन की मौत, सात घायल

दक्षिण कोरिया में मंगलवार सुबह लगभग 9: 49 बजे एक निर्माणाधीन पुल ढह गया। यह हादसा चुंगचेओंग प्रांत के चेओनान के पास सियोल-सेजोंग राजमार्ग पर हुआ। हादसे में कम से कम तीन श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए। सियोल-सेजोंग राजमार्ग पर निर्माण के दौरान पुल के लिए तैयार किए गए 50 मीटर लंबे पांच स्टील सपोर्ट ढह गए। गंभीर रूप से घायल सात लोगों में से एक को कार्डियक अरेस्ट हुआ। अग्निशमन अधिकारियों का मानना है कि कई कर्मचारी मलबे में दबे हुए हैं। राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया है।

ईरान से तेल व्यापार करने के चलते अमेरिका ने चार भारतीय कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाली अमेरिकी सरकार ने पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उद्योग से जुड़ी कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं। जिन कंपनियों पर अमेरिका की ओर से यह प्रतिबंध लगाए गए हैं। उन सभी का जुड़ाव ईरान के तेल उद्योग से है। प्रतिबंधित की गई इन कंपनियों में कुछ भारतीय कंपनियां भी शामिल हैं। अमेरिका की ओर से यह कदम ईरान पर दवाब बनाने के लिए लगाए हैं।

अमेरिका की ओर से यह फैसला अवैध शिपिंग नेटवर्क को बाधित करने क लिए उठाया गया है। जो एशिया में खरीदारों को ईरानी तेल बेचने के लिए काम करता है। यह नेटवर्क सैकड़ों मिलियन डॉलर के कच्चे तेल के कई बैरल को अवैध शिपिंग के जरिए बेचने की कोशिश कर रहा था। अमेरिका का मानना है कि, तेल राजस्व के जरिए ईरान के आतंकवाद को आर्थिक रूप से मदद दे रहा है। उसके इस कदम से ईरान की आर्थिक गतिविधियों पर नकेल कसेगा और आतंकवाद वित्तपोषण को रोक पाएगा।

सोमवार को अमेरिका ने ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उद्योग से कथित जुड़ाव के लिए 16 कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया जिनमें से चार भारतीय कंपनियां भी शामिल हैं। अमेरिकी वित्त विभाग द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, प्रतिबंधित भारतीय कंपनियां ऑस्टिनशिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, बीएसएम मरीन एलएलपी, कॉसमॉस लाइन्स इंक और फ्लक्स मैरीटाइम एलएलपी हैं।

बयान में कहा गया कि अमेरिकी विदेश विभाग ने ईरान के पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उद्योग से जुड़ाव के लिए 16 कंपनियों को चिह्नित किया है और उनके खिलाफ प्रतिबंध लगाया जा रहा है। विदेश विभाग ने, वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) के साथ मिलकर, 22 व्यक्तियों पर भी प्रतिबंध लगाए तथा ईरान के तेल उद्योग से उनके जुड़ाव के कारण विभिन्न क्षेत्रों में उनके 13 जहाजों को प्रतिबंधित संपत्ति के रूप में चिह्नित किया है।

चिंतित चीनी सरकार, लड़कियां नहीं तीन करोड़ पुरुष अविवाहित

बीजिंग, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

चीन में हाल ही में संपन्न हुई जनगणना से खुलासा हुआ है कि देश में करीब तीन करोड़ पुरुष अविवाहित हैं। यह संख्या कई देशों की कुल आबादी से कही ज्यादा है। इस असंतुलन का प्रमुख कारण दशकों से समाज में लड़कों को प्राथमिकता देना है। हालांकि, हाल के वर्षों में लड़कियों के जन्म में मामूली वृद्धि हुई है, फिर भी लिंगानुपात में भारी अंतर बना हुआ है।

सातवीं जनगणना रिपोर्ट के अनुसार, बीते वर्ष चीन में 1.2 करोड़ शिशुओं का जन्म हुआ, इसमें प्रति 100 लड़कियों पर 111.3 लड़कों का अनुपात दर्ज हुआ। वर्ष 2010 में यह अनुपात 118.1 था, जिससे मामूली सुधार का संकेत मिलता है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह सुधार भी विवाह योग्य पुरुषों की बढ़ती संख्या की समस्या को हल करने में नाकाफी है। इस बारे में जानकार ने बताया कि चीन में आम तौर पर पुरुष अपने से कम उम्र की महिलाओं से विवाह करते हैं। लेकिन जनसंख्या वृद्धि की मौजूदा प्रवृत्ति को देखते हुए, अधिक उम्र के कुंवारे पुरुषों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। इससे विवाह योग्य महिलाओं की संख्या में भारी कमी दर्ज हुई है, जो भविष्य में और भी जटिल सामाजिक चुनौतियों को जन्म दे सकती है। जानकार ने चेतावनी दी है कि आने वाले वर्षों में विवाह योग्य लड़कों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ विवाह योग्य लड़कियों की कमी एक गंभीर समस्या बन सकती है। चीन में लिंगानुपात का यह असंतुलन भविष्य में विवाह, परिवार संरचना और समाज के अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। इस समस्या के समाधान के लिए नीतिगत बदलाव और समाज में लिंग समानता को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

कराची में कॉलेज परिसर में होली मनाने पर छात्रों को नोटिस जारीए संस्थान ने कहा-यह पुराना मामला, प्राथमिकी दर्ज होने की खबर को किया खारिज

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के कराची में स्थित एक प्रमुख निजी विश्वविद्यालय को अपने परिसर में होली मनाने पर छात्रों को कारण बताओ नोटिस जारी करने को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा। छात्रों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को परिसर के नियमों की उल्लंघन करार दिया जा रहा था। पूर्व सांसद लाल मल्ही ने सोशल मीडिया पर दाऊद इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को जारी नोटिस पोस्ट किया है। संस्थान ने

साफ कहा है कि यह एक पुराना मामला है और इसने छात्रों के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज होने की खबरों को खारिज कर दिया। एक अधिकारी ने कहा कि छात्रों को प्रशासन से मंजूरी लिए बिना परिसर में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए नोटिस जारी किया था, जो विश्वविद्यालय के नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि छात्रों ने पहले ही नोटिस का जवाब दे दिया है। लाल मल्ही ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की धार्मिक परंपराओं के खिलाफ बढ़ते रोध पर चिंता व्यक्त करते हुए सवाल किया कि क्या होली मनाना अपराध है पिछले साल भी हिंदू छात्रों को होली के त्योहार के दौरान कुछ अन्य प्रांतों में भी इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा था।

राष्ट्र प्रथम
बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे
Best Wishes
BS
Basai Steels And Power (P) Ltd.
MANUFACTURERS OF
BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm
SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS
A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com
Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

कविता कृष्णमूर्ति ने 50 साल में गाए 5000 गीत

4 बच्चों के पिता से हुआ प्यार, दूसरी पत्नी बन गुजारी जिंदगी, 35 साल से बीमार

दिग्गज गायिका को संगीत जगत के धुरंधरों के साथ गाने का मौका मिला। उन्होंने लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल, सचिन देव बर्मन, लता मंगेशकर, मोहम्मद रफी जैसे उम्दा गायकों और संगीतकारों के साथ काम किया। उन्हें सिंगिंग करते हुए 50 साल हो गए हैं। उन्होंने कई भाषाओं में 5000 से ज्यादा गाने गाए।

गायिका ने हिंदी, बंगाली, कन्नड़, भोजपुरी, तेलुगू सहित 45 से ज्यादा भाषाओं में गाने गाए हैं। वे लता मंगेशकर, किशोर कुमार की जूनियर हैं। वे सोनू निगम, अनु मलिक और नदीम-श्रवण के दौर में काफी पॉपुलर रहीं। वे 35 सालों से एक बीमारी से परेशान, मगर इसकी वजह से सिंगिंग कभी नहीं रोकी।

हम कविता कृष्णमूर्ति की बात कर रहे हैं, जिनकी अनोखी आवाज कई दशकों से सीधा श्रोताओं के दिल में उतर रही है। उन्होंने 1976 में प्लेबैक सिंगर के तौर पर अपना करियर शुरू किया था। सिंगर का जन्म एक तमिल परिवार में हुआ था। कविता के पिता शिक्षा मंत्रालय में नौकरी करते थे। सिंगर की आंटी ने उन्हें संगीत के लिए प्रेरित किया। वे रवींद्र संगीत सीखने लगीं। उन्होंने फिर सिंगर बलराम पुरी से शास्त्रीय संगीत की तालीम ली। उन्होंने 8 साल की उम्र में गोल्ड मेडल जीतकर अपना टैलेंट दिखा दिया था। कविता कृष्णमूर्ति ने पहला गाना 1976 की फिल्म कादंबरी के लिए रिकॉर्ड किया था, जिसका संगीत विलायत खान ने तैयार किया था। मूल गाने को लता मंगेशकर ने गाया था, जिसे शबाना आजमी पर फिल्माया गया था। कविता कृष्णमूर्ति ने संगीतकार लक्ष्मीकांत के लिए डबिंग कलाकार के रूप में काम किया था। जहां उन्होंने लता मंगेशकर और आशा भोंसले जैसे गायकों के लिए गाने रिकॉर्ड किए और डेमो ट्रैक क्रिएट किए कविता कृष्णमूर्ति कभी शादी के बारे में नहीं सोचती थीं। सिंगर मानती थीं कि वे हमेशा सिंगल रहेंगी। हालांकि, श्री सत्य साईं बाबा ने एक बार उनसे कहा था, 'तुम संगीत के जरिये किसी से मिलोगी, जिससे तुम्हारी शादी होगी। यह पक्का है। सत्य साईं बाबा की भविष्यवाणी सच साबित हुई। वे वायलिन वादक और संगीतकार एल सुब्रमण्यम से मिलीं। दोनों एक गाने के लिए साथ आए थे। फिर उनके बीच दूरियां कम होने लगीं। एल सुब्रमण्यम चार बच्चों के पिता थे। पहली पत्नी के देहांत के बाद वे अकेले जिंदगी को साधने की कोशिश कर रहे थे। जब सुब्रमण्यम एक इवेंट में शामिल होने बाहर थे, तब कविता ने उनके बच्चों के साथ मजबूत रिश्ता बना लिया और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी ली। दोनों ने 11 नवंबर 1999 को शादी कर ली थी। कविता कृष्णमूर्ति ने हेल्थ शॉट्स को दिए इंटरव्यू में बताया कि वे पिछले 30 से 35 सालों से ब्रोन्कियल कोल्ड और साइनस से जूझ रही हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे साइनस से जुड़ी दिक्कतें हैं। कभी-कभी मैं अस्थमा से परेशान हो जाती हूं, लेकिन मैंने सिंगिग छोड़ने के बारे में कभी नहीं सोचा। यह एक ऐसी लड़ाई है जिसे मैंने कई बार लड़ा है और हर बार, मैं विजयी रही। मैं भगवान की आभारी हूं।'

पत्नी सोनिया कपूर ने खोली हिमेश रेशमिया की पोल

बाथरूम में 4 घंटे तक...

मशहूर सिंगर-एक्टर हिमेश रेशमिया इन दिनों अपनी फिल्म 'बैडऐस रविकुमार' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में पत्नी सोनिया कपूर के साथ पॉडकास्ट 'द सोनिया कपूर शो' की शुरुआत की। इस दौरान सिंगर ने बॉलीवुड में अपनी जर्नी और फिल्म 'बैडऐस रविकुमार' पर चर्चा की। इस बीच मजा तब आया, जब सोनिया ने पति हिमेश रेशमिया की एक आदत का खुलासा कर दिया। उन्होंने बताया कि हिमेश तैयार होने में घंटों लगाते हैं, क्योंकि वह बाथरूम में अपने आपको आईने में निहारते रहते हैं।

पॉडकास्ट के दौरान सोनिया कपूर पति हिमेश की तारीफ करती हैं कि वह उम्र के साथ और भी जवान दिखते हैं और फिर सवाल किया कि उन्हें अपने बारे में सबसे ज्यादा क्या पसंद है। सोनिया ने हिमेश से पूछा- 'आपको अपने बारे में सबसे ज्यादा क्या पसंद है? इसके अलावा कि आप बाथरूम में चार घंटे तक खुद को देखते रहते हो।' सोनिया की ये बात सुनकर हिमेश रेशमिया हैरान रह गए और फिर बोले- 'क्या कह रही हो? तुम्हें अपने शो की टीआरपी चाहिए, तो तुम मेरे नाम पर ले रही हो।'

सोनिया कपूर ने खोल दी पति की पोल

इसके बाद सोनिया कपूर ने कहा कि, 'मैं सच कह रही हूं। आप ऐसे ही हो। अगर आपको सुबह 9 बजे की फ्लाइट पकड़नी हो, तो आप 3 बजे उठकर तैयार होने लगते हो। ऐसा कौन करता है?' इस पर हिमेश ने खुद का बचाव करते हुए कहा कि वह तैयार होने का दबाव नहीं चाहते और अपनी स्पीड से काम करना पसंद करते हैं।

साल 2018 में हुई थी कपल की शादी

इसके बाद सोनिया ने मजाक में कहा, 'हां ताकि आप 2 घंटे तक आईने में खुद को देख सको। असहज होकर हिमेश ने कहा, 'तुम क्या कह रही हो?' फिर सोनिया कहती हैं, 'मुझे माफ करना, मैं आज आपकी पोल खोल रही हूं।' मालूम हो कि हिमेश रेशमिया और सोनिया कपूर ने साल 2018 में शादी रचाई थी। इससे पहले हिमेश की शादी कोमल से हुई थी, लेकिन 2017 में उनका 22 सालों का रिश्ता खत्म हो गया था। हिमेश और कोमल का एक भी बेटा है।

फिल्म आर्टिकल 370 को एक साल होने पर यामी गौतम ने जताई की खुशी

बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम की फिल्म 'आर्टिकल 370' पिछले साल सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसे आदित्य सुहास जंभाले ने डायरेक्ट किया था। एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'आर्टिकल 370' की रिलीज को अब एक साल हो गए हैं। इस खास मौके पर यामी गौतम ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी अपनी यादें शेयर कीं और बताया कि यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, एक ऐसी कहानी है, जिसका सुनाया जाना जरूरी था।

यामी गौतम ने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म 'आर्टिकल 370' से अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें वह हाथ में गन थामे हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन में बताया कि शायद ही कोई फिल्म इतनी दमदार, अविश्वसनीय और शानदार वास्तविक कहानी लेकर आती है राजनीतिक-एक्शन फिल्म का हिस्सा बनना खास लगता है।

कहानी को सबके सामने लाना जरूरी था

उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'शायद ही कोई फिल्म इतनी दमदार, अविश्वसनीय और इतनी वास्तविक कहानी लेकर आती है। आर्टिकल 370 का हिस्सा बनना सौभाग्य की बात है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह एक ऐसी कहानी है जिसे सामने लाना चाहिए था और मैं इसमें भूमिका निभाकर गर्व महसूस कर रही हूं। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसे देश याद रखेगा।'

बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट हुई फिल्म

यामी गौतम की फिल्म 'आर्टिकल 370' प्रियामणि, स्कंद ठाकुर, अश्विनी कौल, वैभव तत्ववादी, अरुण गोविल और किरण करमारकर जैसे सितारे अहम किरदारों में थे। यह मूवी पिछले साल 23 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म कश्मीर में हुई एक घटना के बाद की कहानी पर आधारित है, जहां प्रधानमंत्री के संयुक्त सचिव ने आर्टिकल 370 को निष्प्रभावी बनाकर आतंकवाद को रोकने के लिए सीक्रेट मिशन के लिए एक खुफिया एजेंट का चयन किया था। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर में 105 करोड़ की कमाई के साथ फिल्म सुपरहिट हुई थी।

इस फिल्म में नजर आईं यामी गौतम

वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस यामी गौतम की हालिया रिलीज फिल्म 'धूम धाम' है, जिसमें उनके साथ लीड रोल में प्रतीक गांधी हैं। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है और इसका डायरेक्शन ऋषभ सेठ ने किया है। 'धूम धाम नवविवाहित जोड़े कोयल और वीर की कहानी है, जिनके साथ शादी की पहली रात को कुछ ऐसा होता है कि गुंडे पीछे पड़ जाते हैं।

हेरा फेरी 3 में रिप्लेस हो गए थे अक्षय कुमार?

परेश रावल ने कर दिया सच का खुलासा

अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की 'हेरा फेरी 3' का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। वैसे मेकर्स की तरफ से अभी ऑफिशयली अनाउंस नहीं हुई, लेकिन अक्षय कुमार बता चुके हैं कि फिल्म बनेगी। लेकिन कुछ समय पहले जब अक्षय कुमार ने बताया था कि वह 'हेरा फेरी 3' का हिस्सा नहीं हैं, तो फैंस बहुत निराश हो गए थे। उनकी जगह कार्तिक आर्यन को फिल्म में कास्ट कर किया गया था। अब परेश रावल ने 'हेरा फेरी 3' में अक्षय कुमार और कार्तिक आर्यन की कास्टिंग को लेकर पूरी कहानी बताई है।

सिद्धार्थ कन्नन को दिए इंटरव्यू में परेश रावल ने खुलासा किया था कि 'हेरा फेरी 3' में कार्तिक आर्यन की कास्टिंग हो चुकी थी, लेकिन फिल्म में अक्षय कुमार की भी सरप्राइज एंट्री थी, मगर तब फिल्म की कहानी बिल्कुल अलग थी। उन्होंने कहा, 'मुझे जितना पता है, वो (कार्तिक आर्यन) साइन हो चुका था। कहानी तब अलग थी। इसको राजू (अक्षय कुमार) समझ के पकड़ के ले के आते हैं। ये अलग किरदार था। पूरी कहानी तो मैंने भी नहीं सुनी।'

अब बदल गई फिल्म की कहानी

जब परेश रावल से पूछा गया कि क्या अक्षय कुमार फिल्म में थे, तो उन्होंने जवाब में कंफर्म किया उनका भी फिल्म रोल था, लेकिन तब कहानी अलग थी और अब कहानी बदल चुकी है। परेश रावल ने कहा, 'शायद क्या, वो तो आते ही आते फिल्म में'। परेश रावल ने बताया कि अब कार्तिक फिल्म का हिस्सा नहीं हैं और स्क्रिप्ट भी बदल गई है। फिल्म को प्रियदर्शन बना रहे हैं। कुछ समय पहले प्रियदर्शन ने भी खुद 'हेरा फेरी 3' के डायरेक्शन की पुष्टि की है।

अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्में

वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों अक्षय कुमार फिल्म 'भूल बंगला' को लेकर व्यस्त चल रहे हैं। इसमें परेश रावल भी नजर आएंगे। कुछ दिनों पहले सेट से दोनों सितारों की तस्वीरें और वीडियो भी वायरल हुए थे। इस मूवी को प्रियदर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं। इसके अलावा अक्षय कुमार के पास 'हाउसफुल 5', 'वेलकम टू द जंगल', 'जॉली एलएलबी 3' जैसी फिल्में हैं, जो एक के बाद थिएटर्स में दस्तक देंगी।

यो यो हनी सिंह ने मैनियाक में लगाया पंजाबी और भोजपुरी का तड़का, ईशा गुप्ता ने बिखेरा जलवा

यो यो हनी सिंह ने टी-सीरीज और भूषण कुमार के साथ मिलकर एक और दमदार ट्रैक मैनियाक बनाया है। इस बेहतरीन गाने को ईशा गुप्ता पर फिल्माया गया है। हनी ने खुद इस गाने को कंपोज किया है खास बात ये है इसमें पंजाबी के साथ भोजपुरी का तड़का लगाया गया है जो दर्शकों के लिए एक अलग एक्सपीरियंस है।अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर इस गाने को शेयर करते हुए यो यो हनीं सिंह ने कैप्शन लिखा, कोई नियम नहीं, बस पागलपन। मैनियाक में गाया गया भोजपुरी वर्जन रागिनी विश्वकर्मा ने गाया है। इसके अलावा, यो यो हनी सिंह ने मेलोडी के उस्ताद शैल ओसवाल के साथ भी कोलेब किया है। गाने की खास बात यही है कि इसमें पंजाबी के साथ भोजपुरी का तड़का लगा है। इसमें ईशा गुप्ता अपनी अदाओं का जलवा बिखेरते न जर आ रही हैं।यो यो हनी सिंह ने ब्लू आइज, अंग्रेजी बीट, ब्राउन रंग जैसे कई हिट ट्रैक दिए हैं। लेकिन कुछ सालों से हनी सिंह फिजिकल हेल्थ के चलते इंडस्ट्री से गायब थे। अब जब वे वापस लौटे हैं तो फैंस उनके तगड़े कमबैक का इंतजार कर रहे हैं। हनी सिंह ने वापस आने के बाद कई गानें बनाए, अब हाल ही में उन्होंने मैनियाक रिलीज किया जिसमें उन्होंने एक नया एक्सपेरिमेंट किया है। गाने में पंजाबी और भोजपुरी तड़के ने फैंस को सरप्राइज कर दिया। लोग गाने की खूब तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, इसे कहते हैं कमबैक। एक ने लिखा, हनी पाजी यूपी और बिहार की तरफ से आपका धन्यवाद। एक ने कमेंट किया, आपके जैसा कोई नहीं यो यो हनी सिंह।यो यो हनी सिंह की हाल ही में एक डॉक्यूमेंट्री नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई। जिसमें उन्होंने अपनी लाइफ के सारे स्ट्रगल और जर्नी के बारे में बताया। उनके डाउनफॉल से लेकर उनकी सफलता तक उनकी यात्रा के बारे में दिखाया। दूसरी ओर, हनी सिंह ने पूरे भारत में अपने मिलियनेयर टूर की शुरुआत कर दी है। उनका पहला कॉन्सर्ट शनिवार रात को मुंबई में हुआ और उसके बाद दिल्ली, अहमदाबाद, बेंगलुरु और कोलकाता सहित 10 शहरों में वे परफॉर्म करेंगे।

फिल्म चमत्कार फ्लॉप होने के बाद उर्मिला मातोंडकर ने शाहरुख के साथ फिर कभी नहीं किया काम

शाहरुख खान ने साल 1992 में बॉलीवुड में कदम रखा था, जिसमें उनकी डेब्यू फिल्म दिवाना समेत तीन और फिल्में एक ही साल में रिलीज हुई थी। डेब्यू ईयर में शाहरुख खान की डेब्यू फिल्म दिवाना ही हिट हुई थी। दिवाना के बाद शाहरुख खान एक ऐसी भी फिल्म रिलीज हुई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर तो नहीं चली, लेकिन इसने घर-घर दर्शकों को जरूर एंटरटेन किया। शाहरुख खान के करियर की इस दूसरी फिल्म में बॉलीवुड के शानदार एक्टर नसीरुद्दीन शाह ने एक भूत (भटकती आत्मा) का रोल प्ले किया था। इस फिल्म का निर्देशन राजीव मेहता ने किया था। वहीं, शाहरुख खान के अपोजिट इस फिल्म में उर्मिला मातोंडकर ने फीमेल लीड रोल प्ले किया था। बता दें, शाहरुख और उर्मिला की साथ में यह पहली और आखिरी फिल्म थी। आखिर कौनसी है यह फिल्म, कितना था बजट और बॉक्स ऑफिस पर कितनी हुई थी कमाई?

क्या है शाहरुख खान की इस फिल्म का नाम?

बता दें, दिवाना की रिलीज (25 जून, 1992) के एक महीने बाद 24 जुलाई को फिल्म चमत्कार रिलीज हुई थी। फिल्म में शाहरुख खान, उर्मिला मातोंडकर, नसीरुद्दीन शाह और शम्मी कपूर अहम रोल में थे। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह की हत्या कर दी जाती है, जिसके बाद उनकी आत्मा भटकती रहती है, जो सिर्फ सुंदर श्रीवास्तव (शाहरुख खान) को ही नजर आती है। नसीरुद्दीन शाह फिल्म में शाहरुख के जरिए अपने दुश्मनों का सफाया करते हैं और अंत में अपनी बेटी माला कुमार (उर्मिला मातोंडकर) का हाथ शाहरुख खान के हाथ में दे देते हैं। वहीं, फिल्म में शाहरुख और उर्मिला की जोड़ी को खूब सराहा गया था। फिल्म के गाने भी शानदार रहे थे।

फिल्म का बजट और कमाई

रिपोर्ट्स की मानें तो, चमत्कार का बजट 2 करोड़ रुपये था, लेकिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 3।45 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था। चमत्कार शाहरुख खान की हिट फिल्मों में शामिल नहीं है। भले ही इस फिल्म ने उम्मीद से ज्यादा कमाई नहीं की थी, लेकिन दर्शकों को यह फिल्म बहुत पसंद आई थी। रिपोर्ट्स की मानें तो, साल 2016 में शाहरुख खान गौरी खान की फिल्म प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट इस फिल्म के राइट्स खरीद चुके हैं, जिसके बाद से अटकलें थी कि फिल्म का सीक्वल आएगा, लेकिन इस बात को भी 10 साल होने जा रहे हैं और शाहरुख खान के फैंस ने भी इसकी उम्मीद छोड़ दी है।

शिवरात्रि पर चढ़ाया जाता है बेलपत्र, लेकिन जान लें बेलपत्र कब तोड़ना चाहिए और कब नहीं

फाल्गुन माह भगवान शिव की पूजा-अर्चना के लिए अत्यंत शुभ माह है। इस माह की कृष्ण पक्ष के चतुर्दशी तिथि को भगवान शिव और माता पार्वती की अराधना के लिए सबसे महत्वपूर्ण व्रत महाशिवरात्रि पर रखा जाता है। इस वर्ष 27 फरवरी, गुरुवार को महाशिवरात्रि का व्रत रखा जाएगा। धार्मिक और पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, महाशिवरात्रि महादेव और माता पार्वती के विवाह की तिथि है। महाशिवरात्रि पर शिव भक्त व्रत रखकर विधि-विधान से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करते हैं। देश भर के शिव मंदिरों में महाशिवरात्रि बेहद धूमधाम से मनाई जाती है और बड़ी संख्या में लोग प्रभु के दर्शन करने मंदिर पहुंचते हैं। महाशिवरात्रि की पूजा में भक्त शिवलिंग पर भगवान शिव की प्रिय चीजें बेलपत्र, भांग, धतुरा, सफेद रंग के फूल चढ़ाते हैं और जलाभिषेक करते हैं। भगवान शिव को बेलपत्र अत्यंत प्रिय है और महाशिवरात्रि की पूजा में शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाने का बहुत महत्व है। लेकिन, बेलपत्र को तोड़ने के कुछ नियम हैं। हैं बेलपत्र तोड़ने से जुड़े नियमों के बारे में।

बेलपत्र तोड़ने से जुड़े नियम

सोमवार को बेलपत्र तोड़ना वर्जित

कुछ दिनों पर बेलपत्र तोड़ना वर्जित माना जाता है। सोमवार भगवान शिव की पूजा के लिए समर्पित दिन है लेकिन इस दिन बेलपत्र तोड़ना वर्जित है। मान्यता है कि सोमवार के दिन बेलपत्र पर माता पार्वती का वास होता है। इसलिए सोमवार को बेलपत्र तोड़ने से भगवान शिव के नाराज होने का भय रहता है।

रविवार और माह की द्वादशी तिथि

रविवार और माह के दोनों पक्षों की द्वादशी तिथि को भी बेलपत्र तोड़ना वर्जित माना जाता है। स्कंद पुराण में किए गए वर्णन के अनुसार इन दिनों पर बेलपत्र तोड़ने से भगवान शिव नाराज हो जाते हैं। हालांकि इन दिनों पर बेलपत्र के पेड़ की पूजा करना शुभ होता और इससे धन संपत्ति की कमी दूर होती है।

इन दिनों को भी न तोड़ें बेलपत्र

माह की चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या तिथि, संक्रांति तिथियों के दिन भी बेलपत्र नहीं तोड़ना चाहिए। मान्यता है कि इन दिनों पर बेलपत्र तोड़ने से भगवान शिव के नाराज होने का भय होता है।

केवल पत्तियां तोड़ें

ऊपर बताए गए दिनों के अलावा जब भी बेलपत्र तोड़ें, हमेशा ध्यान रखें कि केवल पत्तियां ही तोड़ें। बेलपत्र को कभी भी टहनी समेत नहीं तोड़ना चाहिए।

शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाते समय रखें इन बातों का ध्यान

शिवलिंग पर हमेशा तीन पत्तों वाले बेलपत्र चढ़ाए जाते हैं। तीन पत्तों के बेलपत्र 3, 7, 11 या 21 जैसे विषम संख्या में शिवलिंग पर चढ़ाएं।

हमेशा साफ सुथरे, बगैर कटे फटे और बगैर दाग धब्बों वाले बेलपत्र ही शिवलिंग पर चढ़ाएं। बेलपत्र को अच्छी तरह से साफ करके ही पूजा में उपयोग करना चाहिए। खराब बेलपत्र चढ़ाने से भगवान शिव के नाराज होने का खतरा रहता है।

शिवलिंग पर हमेशा ताजे तोड़े हुए बेलपत्र ही चढ़ाने चाहिए। भगवान शिव की पूजा के लिए भूलकर भी मुरझाए और सूखे हुए बेलपत्र का उपयोग नहीं करना चाहिए।

बेलपत्र को शिवलिंग पर चढ़ाने से पहले अच्छी तरह से साफ कर उस पर चंदन से ओम, या श्रीराम लिखें और उसे शिवलिंग पर इस तरह चढ़ाएं कि बेलपत्र का चिकना हिस्सा शिवलिंग को स्पर्श करें। बेलपत्र को शिवलिंग पर चढ़ाते समय ऊं नमः शिवाय मंत्र का जाप करें।

शिवलिंग की पूजा करते समय सही क्रम का पालन करना जरूरी होता है। पहले शिवलिंग को जलाभिषेक कराएं उसके बाद बेलपत्र चढ़ाएं। बेलपत्र चढ़ाने के बाद जलाभिषेक नहीं कराना चाहिए।

अगर पूजा के लिए बेल पत्र नहीं हो तो शिवलिंग पर चढ़ाए गए बेलपत्र को धोकर फिर से चढ़ाया जा सकता है।

महाशिवरात्रि पर 10 लाख पर्यटकों के स्वागत के लिए नेपाल तैयार

महाशिवरात्रि के अवसर पर नेपाल और भारत से बुधवार को करीब दस लाख श्रद्धालुओं के यहां पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन करने आने की उम्मीद है। मंदिर का प्रबंधन करने वाले पशुपति क्षेत्र विकास ट्रस्ट के अधिकारियों ने बताया कि करीब 4,000 साधु और हजारों की संख्या में श्रद्धालु बागमती नदी के तट पर स्थित पांचवीं शताब्दी के इस मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए काठमांडू पहुंच रहे हैं। महाशिवरात्रि को भगवान शिव के जन्म के दिन के रूप में जाना जाता है।

पशुपति ट्रस्ट की प्रवक्ता रेवती अधिकारी ने बताया कि इस भव्य अवसर के लिए तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि इस दिन श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए कुल 10,000 सुरक्षाकर्मी और 5,000 स्वयंसेवक तैनात किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि पशुपतिनाथ मंदिर महाशिवरात्रि को तड़के 2 बजकर 15 मिनट पर खुलेगा और श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के चारों द्वारों से शिवलिंग के दर्शन की व्यवस्था की गई है।

इस बीच, काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय ने महाशिवरात्रि के दौरान मंदिर के आसपास शराब, मांस और मछली के उत्पादन, बिक्री, उपभोग और उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक नोटिस जारी किया है। नोटिस के अनुसार, पशुपतिनाथ मंदिर क्षेत्र में और उसके आसपास सोमवार से बृहस्पतिवार तक शराब, मांस और मछली पर प्रतिबंध रहेगा। नियम का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को दंडित किया जाएगा।हिमालय को भगवान शिव का निवास स्थान माना जाता है और नेपाल में शैवों की एक बड़ी संख्या है, जिनके मुख्य देवता भगवान शिव हैं।

महाशिवरात्रि का व्रत रख रहे हैं तो जान लें व्रत के नियम, क्या खाएं और क्या नहीं

देवों के देव कहे जाने वाले भोले भंडारी यानी महादेव शिव सनातन धर्म के सर्वमान्य देव कहे जाते हैं। हर साल फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को देशभर में महाशिवरात्रि का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है। शास्त्रों में कहा गया है कि इस दिन भगवान शिव शंकर और मां पार्वती का विवाह हुआ था। इसलिए इस दिन भक्त पूरी श्रद्धा से भगवान शिव और मां पार्वती के लिए व्रत करते हैं और पूजा पाठ करते हैं। इस दिन देश भर में मंदिरो में खूब सजावट होती है और भंडारे कराए जाते हैं। महाशिवरात्रि के दिन अविवाहित लोग भी व्रत करते हैं और मनचाहे वर की कामना करते हुए भगवान शिव की पूजा करते हैं। महाशिवरात्रि के त्यौहार के दिन भगवान शिव की कृपा पाने के लिए श्रद्धालु पूरे दिन का उपवास करते हैं। कहा जाता है कि महाशिवरात्रि के उपवास के कुछ खास नियम हैं जिनका पालन करना चाहिए। चलिए जानते हैं कि महाशिवरात्रि के उपवास के नियम क्या हैं। साथ ही जानेंगे कि इस उपवास में क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए।

हर साल फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन महाशिवरात्रि का पर्व आता है। इस साल यानी 2025 की बात करें तो चतुर्दशी तिथि 26 फरवरी के दिन सुबह 11 बजकर आठ मिनट पर आरंभ हो रही है और अगले दिन यानी 27 फरवरी को सुबह आठ बजकर 54 मिनट पर इसका समापन होगा। चूंकि भगवान शिव की पूजा प्रदोष काल में की जाती है, इसलिए महाशिवरात्रि का पर्व 26 फरवरी के दिन मनाया जाएगा।

महाशिवरात्रि पूजा का महत्व

कहा जाता है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव के पूजन और शिवलिंग के अभिषेक से घर परिवार में शांति बनी रहती है। इस दिन शिवलिंग का अभिषेक करने वाले भक्त को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन जल के साथ साथ तिल, शहद, दूध, दही, घी आदि से शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। इस दिन शिवलिंग पर अक्षत, गेहूं, बेलपत्र, धतूरा आदि अर्पित करके भक्त भोलेनाथ को प्रसन्न करते हैं और मनोकामना मांगते हैं। इस दिन चारों प्रहर में शिवलिंग का अभिषेक किए जाने की परंपरा है। शिवलिंग का अभिषेक करते वक्त भक्त अगर ओम नमः:शिवाय मंत्र का जाप करें, तो महादेव प्रसन्न होकर सुख-शांति और समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

महाशिवरात्रि पर करें इन चीजों का सेवन

महाशिवरात्रि की पूजा की तरह उपवास भी काफी खास माना जाता है। महाशिवरात्रि पर निर्जला और फलाहारी व्रत किया जाता है। जो लोग इस दिन निर्जला व्रत करते हैं, वो पूरे दिन अन्न और जल का सेवन नहीं करते हैं। वहीं फलाहारी व्रत की बात करें तो इस व्रत में भक्त कुछ चीजों का सेवन कर सकते हैं। फलाहारी व्रत के दौरान सिंघाड़े के आटे का हलवा और पकोड़े खा सकते हैं। इस दिन कुट्टू के आटे का सेवन किया जा सकता है। इसके अलावा फलों का सेवन भी मान्य है। फलाहारी व्रत के दौरान भक्त सेंधा नमक के साथ आलू खा सकते हैं। सूखे मेवे का सेवन भी किया जा सकता है। इसके अलावा दूध और दूध से बने पदार्थ भी खाए जा सकते हैं।

महाशिवरात्रि के दिन इन चीजों का सेवन है निषिद्ध

महाशिवरात्रि के व्रत के दौरान कुछ खास चीजों को खाने की मनाही की जाती है। इस दिन मांस, मछली और मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दिन तामसिक कहे जाने वाले खाद्य पदार्थ जैसे प्याज, लहसुन आदि, क्योंकि ये मानसिक एकाग्रता को भंग करते हैं। महाशिवरात्रि के व्रत में अन्न और सामान्य नमक का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दिन गेहूं, चावल आदि का भी सेवन नहीं करना चाहिए।

महाशिवरात्रि पर काशी विश्वनाथ मंदिर में वीआईपी दर्शन बंद

श्रद्धालुओं के लिए विशेष नियम लागू

काशी विश्वनाथ मंदिर में 25 से 27 फरवरी तक वीआईपी दर्शन की सुविधा नहीं मिलेगी। मंदिर प्रशासन ने महाशिवरात्रि पर भक्तों की भारी भीड़ की आशंका के चलते यह फैसला लिया है। काशी विश्वनाथ ट्रस्ट ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दी और लिखा, महाशिवरात्रि पर मंगलवार से 3 दिनों तक प्रोटोकॉल दर्शन व्यवस्था पर पूरी तरह से रोक रहेगी। मंदिर न्यास के अधिकारियों ने महाशिवरात्रि के लिए बनाई गई व्यवस्था में सहयोग की काशीवासियों से अपील की है। काशीवासियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर न्यास की व्यवस्था में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है।

दरअसल, पारंपरिक रूप से पर्व या किसी विशेष तिथि पर काशी विश्वनाथ धाम में 5 से 6 लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते थे, लेकिन महाकुंभ शुरू होने के बाद से प्रतिदिन सात लाख या उससे अधिक भक्त मंदिर में दर्शन करने आते हैं। इस अवसर पर 26 फरवरी को श्रद्धालुओं की संख्या 14 से 15 लाख के बीच हो सकती है जिससे भीड़ प्रबंधन में कई चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं।मंदिर प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष तैयारियां शुरू कर दी हैं। मंदिर प्रशासन ने भक्तों से अपील की है कि वे अपनी सुविधानुसार समय लेकर दर्शन करें क्योंकि कतार में विलंब हो सकता है। साथ ही, सलाह दी गई है कि पेन, कंघा, मोबाइल, बेल्ट, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, चाबी आदि सामान घर या होटल में छोड़कर आएं ताकि सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की अड़चन न आए।

महाशिवरात्रि के दिन, भक्तों को केवल झांकी दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी और मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। सुरक्षा प्रबंध में कड़े इंतजाम किए गए हैं जिससे किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।विशेष व्यवस्था के तहत वृद्धजनों और दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर की सुविधा रखी गई है। गोदौलिया और मैदागिन से गोल्फ कार्ट या ई-रिक्शा द्वारा भी भक्त बाबा दरबार तक पहुंच सकते हैं। इसके अलावा, मंदिर के कर्मचारियों की सहायता से वृद्धजनों का जल्दी दर्शन कराकर उन्हें धाम क्षेत्र से बाहर निकालने का भी प्रबंध किया गया है।

महाशिवरात्रि पर इन चीजों से करें शिवलिंग का अभिषेक, भोलेनाथ होंगे प्रसन्न

26 फरवरी को पड़ने वाली महाशिवरात्रि हिन्दू धर्म के महत्वपूर्ण पर्वों में से एक है। इस दिन शिव जी की आर-ाधना का विशेष महत्व होता है। शिवरात्रि के दिन पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मान्यता है शिवरात्रि का उपवास करने वाली कुंआरी लड़कियों को मनचाहा व्रत प्राप्त होता है। वहीं, विवाहित स्त्रियों के वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहती है। माना जाता है कि इस दिन सही तरीके से शिवलिंग का अभिषेक करने से भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं। ऐसे में आइए जानें शिवलिंग का किन चीजों से अभिषेक कर सकते हैं।

कैसे करें शिवलिंग का अभिषेक

* इस दिन शिवलिंग की सही तरीके से अभिषेक न करने से शिव जी की कृपा आप पर बनी रहती है। आप इस दिन अभिषेक सामग्री में दूध को जरूर शामिल करिए। दूध से अभिषेक करना बहुत अच्छा माना जाता है।

* वहीं, आप शिव जी को प्रसन्न करने के लिए शहद का अभिषेक करें। मान्यता है ऐसा करने से आपके रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं।

* जल से शिवलिंग का अभिषेक करने से नकारात्मक चीजें दूर हो जाती हैं। इससे आपको भगवान का आशीर्वाद प्राप्त होता है। वहीं, जल का अभिषेक करने से स्वभाव में शालीनता आती है।

* इसके अलावा घी का अभिषेक करने से संतान की इच्छा पूर्ति होती है। साथ ही, घी का अभिषेक करने से मानसिक परेशानियां भी दूर होती हैं।

* काले तिल से अभिषेक करने से भो-लेनाथ आपको बुरी नजर से बचाकर रखते हैं।कहा जाता है इससे तंत्र की भी बाधा दूर होती है।

* दही का अभिषेक करने से भक्त के जीवन में सुख-समृद्धि आती है और आपकी प्रार्थना भगवान शिव तक पहुंचती है। पीली सरसों का अभिषेक करने से आपका भाग्य खुलता है और जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं।

महाशिवरात्रि व्रत में क्या खाएं?

इस व्रत में फल, दूध, दही, मिठाई, सिंघाड़े का हलवा, साबूदाना की खिचड़ी, नारियल पानी, समा के चावल और कुट्टू के आटे की पूरी का सेवन किया जा सकता है।

महाशिवरात्रि व्रत में क्या न खाएं?

इस व्रत में लहसुन, प्याज और मांस-मदिरा का सेवन भूलकर भी न करें। इसके अलावा अन्न और नमक के सेवन से भी दूर रहें।

महाशिवरात्रि व्रत में क्या न खाएं?

इस व्रत में लहसुन, प्याज और मांस-मदिरा का सेवन भूलकर भी न करें। इसके अलावा अन्न और नमक के सेवन से भी दूर रहें।

महाशिवरात्रि चार राशियों के लिए होने वाली है खास जीवन में होंगे अच्छे बदलाव, आएगा पैसा

महादेव की आराधना के लिए महाशिवरात्रि का दिन अत्यंत शुभ माना जाता है। पूरे साल भगवान शिव से जुड़े कई व्रत और पर्व मनाए जाते हैं, लेकिन उनमें महाशिवरात्रि का विशेष महत्व होता है। यह शिव भक्तों के लिए सबसे बड़े उत्सवों में से एक है, जिसमें श्रद्धालु भगवान शिव और माता पार्वती की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करते हैं। इस साल महाशिवरात्रि का पर्व 26 फरवरी, बुधवार को मनाया जाएगा। भोलेनाथ का जलाभिषेक 26 फरवरी को सुबह 11:08 बजे से शत्रु नाशक परिघ योग और शुभ चौघड़िया में प्रारंभ होगा। धार्मिक ग्रंथों निर्णयसिंधु, धर्मसिंधु, स्कंद पुराण, लिंग पुराण और नारद संहिता के अनुसार, फाल्गुन कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि, जो आधी रात से पहले और बाद में होती है। वहीं महाशिवरात्रि के व्रत के लिए उपयुक्त मानी जाती है। अगर यह तिथि प्रदोष काल के समय हो, तो इसे अत्यंत शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, महाशिवरात्रि के दिन कुछ विशेष राशियों पर भगवान शिव की असीम कृपा बरसने वाली है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस शुभ अवसर पर किन भाग्यशाली राशियों को विशेष लाभ मिलने वाला है।

जीवन में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं

मेष राशि –मेष राशि के जातकों के लिए महाशिवरात्रि जरूरी बदलाव लेकर आ सकती है। इस अवधि में करियर और व्यवसाय में उन्नति के योग बन रहे हैं, साथ ही आय के स्रोतों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। परिवार के स्वास्थ्य में सुधार बना रहेगा, जिससे घर में सुख-शांति बनी रहेगी।

उपाय– महाशिवरात्रि पर अधिक लाभ पाने के लिए एक विशेष उपाय किया जा सकता है। इसके अनुसार, तांबे के लोटे में गुड़ और लाल चंदन डालकर शिवलिंग का अभिषेक करें। ऐसा करने से सौभाग्य में बढ़ोतरी होने की संभावना है और भगवान शिव की कृपा मिलेगी।

कर्क राशि–कर्क राशि के जातकों के लिए महाशिवरात्रि 2025 विशेष लाभकारी सिद्ध हो सकती है। इस दौरान कार्यों में सफलता मिलेगी और किसी पुराने कर्ज से मुक्ति पाने का अवसर भी मिल सकता है।

उपाय– अधिक लाभ पाने के लिए महाशिवरात्रि के दिन चांदी के लोटे से भगवान शिव को दूध अर्पित करें, इससे शुभ फल मिलेगा।

कुंभ राशि–कुंभ राशि के जातकों के लिए महाशिवरात्रि 2025 अत्यंत शुभ रहने वाली है। इस दौरान जीवन की कोई बड़ी परेशानी समाप्त हो सकती है। साथ ही, गृह क्लेश जैसी समस्याओं से मुक्ति मिलने के योग बन रहे हैं, जिससे वैवाहिक जीवन सुखद और खुशहाल रहेगा। इसके साथ ही रुपये-पैसों से जुड़ी समस्याओं का समाधान मिलने की संभावना है।

उपाय– कुंभ राशि के जातकों को महाशिवरात्रि 2025 के अवसर पर पंचामृत से शिवलिंग का अभिषेक करना चाहिए। ऐसा करने से शुभ फल मिलेंगे और जीवन में सकारात्मक बदलाव आएंगे।

मिथुन राशि – शश और मालव्य राजयोग के प्रभाव से मिथुन राशि के जातकों को करियर और व्यवसाय में तरक्की मिलने की संभावना है। क्योंकि शनि देव आपकी राशि से नवम भाव तो वहीं शुक्र ग्रह आपकी राशि से करियर और कारोबार के स्थान पर गमन करने जा रहे हैं। इसलिए इस समय आपको काम – कारोबार में अच्छी तरक्की मिल सकती है। साथ ही इस समय मीडिया, मार्केटिंग या कम्युनिकेशन फील्ड से आप जुड़े हुए हैं तो आपको विशेष रूप से लाभ होगा। वहीं इस समय आपको किस्मत का साथ मिलेगा। साथ ही आप देश- विदेश की यात्रा कर सकते हैं। वहीं आप किसी धार्मिक या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

संपादकीय

आजादी का दुरुपयोग

पिछले दिनों एक विवादास्पद मामले में सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने संबंधित कानूनों के अनुपालन की जरूरत महसूस करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिये एडवाइजरी जारी की है। निस्संदेह यह वक्त की जरूरत है। दरअसल, हाल ही में एक यूट्यूबर की अभद्र टिप्पणी से पैदा हुए विवाद पर देशव्यापी प्रतिक्रिया हुई थी। केंद्र सरकार की पहल को शीर्ष अदालत के सख्त रुख के आलोक में देखा जा रहा है। पारिवारिक मूल्यों वाले भारतीय समाज में अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग करते हुए अमर्यादित व संवेदनहीन टिप्पणी के मामले गाहे-बगाहे प्रकाश में आते रहते हैं। यही वजह है कि इलाहाबादिया प्रकरण में कई राज्यों में आपराधिक मामले दर्ज कर किए गए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को गिरफ्तारी से राहत तो दी मगर सख्त टिप्पणी भी की थी कि वे दिमागी गंदगी को थोप रहे हैं, जिससे समाज शर्मसार हुआ है। लेकिन इस प्रकरण ने अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं के नियमन की बहस को नये सिरे से शुरू कर दिया। हालांकि, आपातकाल के सीमित कालखंड को छोड़ दें तो देश में हमेशा अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान किया गया है। सुप्रीम कोर्ट समेत कई उच्च न्यायालयों ने अभिव्यक्ति की आजादी को अक्षुण्ण बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। लेकिन आजादी के अतिक्रमण के बाद सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने ओटीटी प्लेटफॉर्म हेतु एडवाइजरी जारी करते हुए संबंधित कानून के सभी प्रावधानों के अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा है। निस्संदेह, इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं के निर्धारण की आवश्यकता है। हाल के दिनों में डिजिटल मंचों पर अश्लीलता व हिंसक अभिव्यक्ति के चलते इनके नियमन की जरूरत महसूस की जा रही है। खासकर पारिवारिक जीवन मूल्यों का अतिक्रमण करने वाली टिप्पणियों पर रोक जरूरी है। यदि स्थिति में सुधार नहीं होता तो बहुत संभव है कि सरकारी निगरानी बढ़ जाए। दरअसल, सूचना प्रसारण मंत्रालय ने इस बाबत बनी संसदीय समिति से कहा है कि समाज में इस बात को लेकर रोष है कि अभिव्यक्ति की आजादी के संवैधानिक अधिकार का अतिक्रमण करके हिंसक व अश्लील सामग्री का प्रसारण किया जा रहा है। वहीं संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति का कहना है कि इसके नियमन के लिये कुछ कानून तो हैं लेकिन वर्जित सामग्री के नियमन के लिये नया प्रभावी कानून होना चाहिए। ऐसी राय देश के जनप्रतिनिधियों, अदालतों तथा कुछ वैधानिक संस्थाओं ने व्यक्त की है। देश की शीर्ष अदालत का मानना रहा है कि यूट्यूब जैसे मंचों पर सामग्री साझा करने पर नियंत्रण हेतु कानून निष्प्रभावी नजर आते हैं। अब नये मीडिया मंचों पर विवादास्पद सामग्री पर अंकुश लगाने के लिये कानून में संशोधन की भी बात कही जा रही है। इसकी वजह यह भी है कि परंपरागत प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तो इस बाबत बने कानून के दायरे में आते हैं, लेकिन नए डिजिटल प्लेटफॉर्मों के लिये प्रभावी कानून नहीं है। निश्चित रूप से संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने की जरूरत है।

केंद्र सरकार की पहल को शीर्ष अदालत के सख्त रुख के आलोक में देखा जा रहा है। पारिवारिक मूल्यों वाले भारतीय समाज में अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग करते हुए अमर्यादित व संवेदनहीन टिप्पणी के मामले गाहे-बगाहे प्रकाश में आते रहते हैं। यही वजह है कि इलाहाबादिया प्रकरण में कई राज्यों में आपराधिक मामले दर्ज कर किए गए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को गिरफ्तारी से राहत तो दी मगर सख्त टिप्पणी भी की थी कि वे दिमागी गंदगी को थोप रहे हैं, जिससे समाज शर्मसार हुआ है। लेकिन इस प्रकरण ने अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं के नियमन की बहस को नये सिरे से शुरू कर दिया। हालांकि, आपातकाल के सीमित कालखंड को छोड़ दें तो देश में हमेशा अभिव्यक्ति की आजादी का सम्मान किया गया है। सुप्रीम कोर्ट समेत कई उच्च न्यायालयों ने अभिव्यक्ति की आजादी को अक्षुण्ण बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। लेकिन आजादी के अतिक्रमण के बाद सूचना व प्रसारण मंत्रालय ने ओटीटी प्लेटफॉर्म हेतु एडवाइजरी जारी करते हुए संबंधित कानून के सभी प्रावधानों के अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा है। निस्संदेह, इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में अभिव्यक्ति की आजादी की सीमाओं के निर्धारण की आवश्यकता है। हाल के दिनों में डिजिटल मंचों पर अश्लीलता व हिंसक अभिव्यक्ति के चलते इनके नियमन की जरूरत महसूस की जा रही है।

किसानों पर बकाया कर्जों को अगर माफ कर दिया जाए तो किसान जहां ज्यादा खुशहाल होंगे

औपचारिक और बेहतर कर्ज से किसानों की बढ़ती उत्पादकता

उमेश चतुर्वेदी

भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, देश की कुल जनसंख्या का 46.1 प्रतिशत हिस्सा खेती-किसानी और उससे जुड़े कार्यों से अपनी रोजी-रोटी चलाता है। हालांकि कुछ जानकारों का मानना है कि यह संख्या और भी ज्यादा हो सकती है। सरकार के ही आंकड़ों के अनुसार देश के 12 करोड़ किसान परिवार सीमांत हैं। इनमें करीब 35 प्रतिशत की जोत 0.4 हेक्टेयर से कम है, जबकि 69 प्रतिशत किसानों के पास एक हेक्टेयर से कम जमीन है। आंकड़ों के अनुसार देश के 82 प्रतिशत किसान छोटे या सीमांत हैं। जिनकी जोत 0.4 हेक्टेयर से कम है, उनकी खेती से सालाना आमदनी आठ हजार रूपए के आसपास है। जाहिर है कि देश के किसानों के बड़े हिस्से के पास बिक्री के लिए उपज ही नहीं होती। खेती के जरिए वे जो अन्न या सब्जी उपजाते हैं, उनका इस्तेमाल अपने खाने-पीने में ही करते हैं।

साल 2025-26 के बजट में किसान क्रेडिट कार्ड पर किसानों को मिलने वाले तीन लाख रूपए के कर्ज को बढ़ाकर पांच लाख कर दी गई है। इसका जिक्र करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में एक्स पर लिखा है कि इससे सब्जी-फल, हॉर्टिकल्चर की खेती करने वाले किसानों को विशेष रूप से लाभ होगा। अब वे खेती में ज्यादा पैसे लगा सकते हैं, ये उत्पादन की लागत घटाने के उपाय हैं। हालांकि किसान संगठनों को लगता है कि इसका जितना फायदा सोचा जा रहा है, उतना नहीं होने वाला है। किसान संगठनों की मांग है कि किसान क्रेडिट की सीमा बढ़ाने के साथ ही किसानों पर बकाया कर्जों को अगर माफ कर दिया जाए तो किसान जहां ज्यादा खुशहाल होंगे। भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, देश की कुल जनसंख्या का 46.1 प्रतिशत हिस्सा खेती-किसानी और उससे जुड़े कार्यों से अपनी रोजी-रोटी चलाता है। हालांकि कुछ जानकारों का मानना है कि यह संख्या और भी ज्यादा हो सकती है। सरकार के ही आंकड़ों के अनुसार देश के 12 करोड़ किसान परिवार सीमांत हैं। इनमें करीब 35 प्रतिशत की जोत 0.4 हेक्टेयर से कम है, जबकि 69 प्रतिशत किसानों के पास एक हेक्टेयर से कम जमीन है। आंकड़ों के अनुसार देश के 82 प्रतिशत किसान छोटे या सीमांत हैं। जिनकी जोत 0.4 हेक्टेयर से कम है, उनकी खेती से सालाना आमदनी आठ हजार रूपए के आसपास है। जाहिर है कि देश के किसानों के बड़े हिस्से के पास बिक्री के लिए उपज ही नहीं होती। खेती के जरिए वे जो अन्न या सब्जी उपजाते हैं, उनका इस्तेमाल अपने खाने-पीने में ही करते हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता संभालते ही किसानों की आय 2022 तक दोगुना करने का वादा किया था। उसके लिए जो कदम उठाए गए, उसी कड़ी में किसान क्रेडिट कार्ड की शुरूआत भी थी। इसके फायदे हुए भी हैं। लेकिन जो लक्ष्य रखा गया था, उसे पाना अब भी कठिन चुनौती बना हुआ है। शिवराज सिंह चौहान का कहना ठीक है कि किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने का फायदा किसानों को होगा। इसकी तस्दीक हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर हुए कृषि सर्वेक्षण से जुड़े घरेलू स्तर के आंकड़ों का आकलन भी बताता है। घरेलू स्तर के आंकड़ों के जरिए कृषि में उत्पादकता और उसके जोखिम के साथ ही कृषि ऋण के प्रभाव का आकलन भी

किया गया था। इस आकलन के नतीजे बताते हैं कि अगर किसानों को समय पर उचित कर्ज मिलता है तो उससे उसकी उत्पादकता में 24 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दिखने लगती है। इससे किसानों को होने वाले नुकसान का जोखिम 16 फीसद तक कम हो जाता है। महाजनी सभ्यता और अनौपचारिक कर्ज व्यवस्था के जोखिम और उससे उपजे खराब हालात से जूझते किसानों की दयनीय और मार्मिक कहानियों से भारतीय साहित्य भरा पड़ा है। हिंदी कथा सम्राट प्रेमचंद का मशहूर उपन्यास गोदान ऐसी ही कथाभूमि पर रचा गया गया है। उसे कृषक के दारूण जीवन की महागाथा कहा जाता ही है। बहरहाल यह अध्ययन मानता है कि किसानों को अगर औपचारिक क्षेत्र का ऋण मिलता है तो उसकी उपज और उसकी जिंदगी पर उस कर्ज का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, जबकि अनौपचारिक यानी महाजनी कर्ज व्यवस्था का किसानों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव अधिक होता है। साफ है कि किसानों को अगर सही तरीके से औपचारिक कर्ज सही वक्त पर दीर्घकालिक अवधि के लिए मिले तो उसकी जिंदगी में महत्वपूर्ण बदलाव आ सकता है। कुछ अन्य अध्ययन भी बताते हैं कि अगर किसानों को समय पर दीर्घकालिक और औपचारिक कर्ज मिलता है तो उसकी खेती को जरूरतों को पूरा करने में उसे मदद मिलती है। इससे उसकी उत्पादकता बढ़ने की गुंजाइश बढ़ जाती है। किसान की उपज बढ़ जाती है, फसल तैयार भी हो जाती है, लेकिन उसे बेचने के लिए सही बाजार तक पहुंच के लिए रकम नहीं होती तो उसे अपनी फसल और उपज औने-पौने दामों में बेचनी पड़ती है। लेकिन अगर किसान को सही तरीके से औपचारिक कर्ज मिलता है तो उस पर तात्कालिक आर्थिक दबाव नहीं रहता और फ़सल के बाद के खर्चों को पूरा करने में उसे मदद मिलती है। अगर किसानों के पास कुछ पैसे रहते हैं तो उस पर घरेलू जरूरतों का दबाव नहीं झेलना पड़ता और उसे अपने घरेलू खर्चों को पूरा करने में जहां सहायता मिलती है, वहीं इसके लिए उसे अपनी उपज सेंतमेत में बेचने को मजबूर नहीं होना पड़ता। इस कर्ज से किसान अपने कृषि उपकरणों और दूसरी अवसंरचनाओं को आसानी से रखरखाव कर सकता है। अध्ययन बताते हैं कि समय बद्ध और सहूलियत भरे अधिक कर्ज के जरिए किसानों को पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन जैसे कृषि आधारित और सहयोगी कामों को आगे बढ़ाने में मदद होती है। इस पूरी प्रक्रिया का असर यह होता है कि किसान की आर्थिक सुरक्षा मज़बूत हो जाती है। तब वह बाजार और अपने उपज की वाजिब कीमत का इंतजार भी कर सकता है। आर्थिक सहूलियत रहने से समय पर वह जरूरी खाद और दवाओं को खरीदकर उनका खेती में इस्तेमाल कर सकता है। इसके साथ ही वह दूसरे खर्चों का दबाव भी नहीं महसूस कर सकता है। बीती 31 जनवरी को को संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार देश में मार्च 2024 तक 7.75 करोड़ किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए जा चुके थे। इनके जरिए किसानों को 9.81 लाख करोड़ रुपये की राशि दी जा चुकी है। यह रिपोर्ट भी कहती है कि छोटे और सीमांत किसानों को लाभ देने के चलते खेती की उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिल रही है। इस रिपोर्ट के अनुसार, देश के 5.9 करोड़ किसानों को किसान क्रेडिट योजना का फायदा उठा रहे हैं। किसानों की उत्पादकता बढ़ाने को ही ध्यान में रखते हुए बैंकों को स्पष्ट निर्देश है कि अपने कर्ज का कम से कम 40 प्रतिशत हिस्सा कृषि और छोटे किसानों को दें। इसके जरिए कोशिश की जा रही है कि छोटे और सीमांत किसानों को आसानी से औपचारिक कर्ज तो मिल ही सके, उन्हें महंगी दर पर अवशोषक अंदाज में मिलने वाली निजी कर्ज राशि पर निर्भरता ना रहे। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, अब साहूकार जैसे गैर-बैंकिंग कर्जदाताओं पर किसानों की निर्भरता घटकर 1950 के 90 फीसद की तुलना में 2022 में सिर्फ 25 फीसद रह गई। साफ है कि अब ज्यादातर किसान बैंक और संस्थागत स्रोतों से कर्ज ले रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक ताकत और उत्पादकता बढ़ रही है।

दृष्टि कोण

बैलों पर राजस्थान की पहल का स्वागत हो

राजस्थान सरकार की ओर से एक अच्छा फैसला आया है। सरकार बैलों से खेती करने वालों को 30 हजार रुपए वार्षिक सहायता देगी। यह निर्णय कृषि अर्थव्यवस्था की भारतीय समझ रखने वालों को समझ में आएगा। मशीनों से खेती करने वालों को तो अनेक प्रोत्साहन सबसिडी के रूप में दिए जाते हैं। मशीनों से लेकर मशीनों के ईंधन तक लगातार उनको सहायता दी जाती है। हिमाचल में पॉवर टिलर को 50 फीसदी तक सबसिडी देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है। यानी पूरे काल तक जब तक वह मशीन काम करेगी उसे विदेश मुद्रा के द्वारा लाए गए ईंधन को उपलब्ध करवाना होगा। वैसे तो पूरे भारतवर्ष में ही जो जोतें एक हेक्टेयर से छोटी हैं, उनके लिए आत्मनिर्भर होने का मार्ग बैलों से खेती के माध्यम से ही निकल सकता है। किन्तु पहाड़ी क्षेत्रों में तो यह और भी ज्यादा जरूरी है क्योंकि यहां की 80 फीसदी जोतें एक हेक्टेयर से छोटी हैं, कुछ तो एक एकड़ से भी छोटी हैं। इनको लाभदायक बनाना खासी चुनौती का काम है। पॉवर टिलर से जुताई का एक बीघा के लिए 2 हजार रुपए तक लिया जा रहा है। ऊपर से धुआं और शोर अलग से भेंट स्वरूप मिल रहा है। हर किसान अपना पॉवर टिलर ले भी नहीं सकता। और ले भी ले तो दो दिन के बाद सारा सीजन खाली पड़ा रहेगा। दूसरे, पहाड़ी खेती को आम तौर पर ही ज्यादा गोबर खाद की जरूरत रहती है क्योंकि भारी बरसात और ढलानदार जमीनों से हर साल खाद बह कर नीचे चली जाती है, जबकि हम जैविक खेती की ओर बढ़ रहे हैं जिसके लिए गोबर की खाद और भी ज्यादा जरूरी हो गई है, जिसके अभाव में यह पहल भी सफल होना कठिन हो जाएगी। खेती देश में घाटे का सौदा होती जा रही है। इसी के चलते लोग खेती को छोड़ कर अन्य व्यवसायों की ओर मुड़ते जा रहे हैं। खेती लाभदायक तब तक नहीं हो सकती जब तक खेती को आत्मनिर्भर बनाने की ओर काम नहीं किया जाता। खेती के लिए हमें अपने संसाधनों से ही काम चलाना सीखना होगा, जिससे कृषि व्यवसाय का पैसा कृषि व्यवसाय में ही घूमता रहे। मिसाल के लिए बैल से खेती करेंगे तो बैल किसान ही पैदा करेगा। किसान जब बैल खरीदेगा तो पैसा दूसरे किसान के पास ही जाएगा। एक किसान का व्यय दूसरे किसान की आमदनी बनेगा। और पैसा आपस में ही घूमता रहेगा, जिससे आत्मनिर्भरता बनती जाएगी। आज मैं बैल खरीद रहा हूं, कल मैं बेच रहा हूंगा। जैविक खेती के लिए घर का खाद बिना बैंक के कर्ज के उपलब्ध होगा। जबकि मशीनी खेती में ज्यादा से ज्यादा निवेशित वस्तुएं बाहरी क्षेत्रों उद्योग आदि से आएंगी, जिससे उद्योग तो बढ़ेगा, किन्तु खेती की कमाई उसी में चुक जाएगी। घाटे की खेती का दुश्चक्र इसी तरह आत्मनिर्भरता की ओर प्रस्थान से तोड़ा जा सकता है। यह ठीक है कि बड़ी जोत वाले किसानों के लिए यह कठिन है, किन्तु छोटी जोत वाले किसान दृढ़संकल्प करके एक बार इसे अपना लें तो धीरे-धीरे किसानी आत्मनिर्भर होगी और कर्ज से मुक्ति होने का रास्ता भी बनेगा जिसके कारण ही ज्यादातर आत्महत्याएं कृषि क्षेत्र में हो रही हैं। अपना बीज, अपना बैल, अपनी खाद, यही किसान का नारा होना चाहिए। जब तक यह तरीका कृषक अपना रहे थे तब तक कहीं भी किसान को आत्महत्या की जरूरत ही नहीं थी। यही अब अपनाना होगा, किन्तु थोड़े वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ जिससे फसलों की उपज भी कम न हो। हिमाचल का उदाहरण लें तो यहां 9.97 लाख कुल जोतों में से 7.12 लाख जोतें एक हेक्टेयर से कम हैं। उन सभी को बैलों पर सबसिडी देकर बैल से खेती के लिए प्रोत्साहित करना होगा। जिससे पेट्रोल, डीजल पर खर्च विदेशी मुद्रा भी घटेगी और किसान बैंक कर्जों से भी बचेगा। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान 13.57 फीसदी है, जबकि खेती से 58.37 फीसदी रोजगार पैदा हो रहे हैं। इसलिए खेती के योगदान को कम करके नहीं आंका जा सकता। न्याय का भी यही तकाजा है कि बैल से खेती करने वाले को मशीन से खेती करने वाले के बराबर ही अधिमान दिया जाए। हालांकि बैल से खेती को यदि थोड़ा अधिक भी सहयोग दिया जाए तब भी उससे देश पर ज्यादा बोझा नहीं पड़ेगा क्योंकि बैल से खेती करने के कारण पैसा देश में ही रहेगा और किसान के हाथ में ही किसान द्वारा खर्च किया गया रुपया पहुंचेगा। यह काम खेती और देश की अर्थव्यवस्था दोनों के ही हित में है, इसलिए सरकारों को राजस्थान सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए किसान हित में स्वावलंबी कृषि व्यवस्था खड़ी करने की दिशा में आगे बढने के लिए पूरी वैज्ञानिक समझ के साथ कार्य शुरू करना चाहिए। इस दिशा में सफलता के लिए बैल चालित मशीनों का अपना महत्व है।

कुछ अलग

एक महाकुंभी से मुलाकात

करीब एक महीने के बाद झुन्नू लाल जी के दर्शन नसीब होते ही मैं धन्य हो उठा। पिछली बार जब मिले थे तो कांधे पर एक पि_, एक हाथ में थैला और दूसरे में डंडा लिए प्रयागराज में कुंभ स्नान के लिए जा रहे थे। चेहरे पर प्रसन्नता के भाव थे। लेकिन उन भावों के पीछे उनके चेहरे पर छपे भय, दीनता और दायस्ता के भाव उसी तरह मुखर थे, जैसे एक आम धार्मिक व्यक्ति और लोकतंत्र के मारे आदमी के मुखमंडल पर होते हैं। कुंभ स्नान के बाद उनका परलोक सुधरने, स्वर्ग में सीट पक्की होने और दुनिया भर में देश का डंका बजने के बावजूद उनके चेहरे पर अंकित भय, दीनता और दास्यता के भावों में कोई अंतर न पाकर मुझे आश्चर्य तो नहीं हुआ, पर दुःख अवश्य हुआ। मैंने उनसे पूछा, 'कुंभ में स्नान के बाद आपको मुक्ति मिल चुकी है, स्वर्ग में अब आपकी सीट पक्की है, आपका परलोक सुधर चुका है। आपकी पार्थिव यात्रा मुकम्मल होने पर आपको लिवाने के लिए यमराज भैंसे पर नहीं पुष्पक विमान में आएंगे। पूरी संभावना है कि अगली बार आपको इलॉन मस्क, बिल गेट्स, अडानी, अम्बानी या किसी शेख़ के घर में जन्म मिले। पर आप सनातन धर्म की ध्वजा के अग्रवाहक हैं। आप अडानी या अम्बानी के घर ही पैदा होना चाहेंगे। इलॉन मस्क और बिल गेट्स तो ईसाई हैं और शेख़ मुस्लिम। लेकिन कुंभ में नहाने के बावजूद आपके चेहरे पर पसरे भय, दीनता और दास्यता के भावों में कोई अंतर क्यों नहीं आया।' झुन्नू लाल जी मुझे घूरते हुए बोले, 'नए भारत में हो रहे महाकुंभ-2025 की अमर गाथा को कुछ हज़ार या लाख यहां तक कि करोड़ों-अरबों शब्दों में भी बयां करना और लिखना नामुमकिन है। इसके बावजूद तुम्हारे जैसे काफिर हिंदू धर्म पर तंज़ कसने से बाज़ नहीं आते। धिक्कार है तुम पर और तुम्हारे पापी जीवन पर। तुम्हारे जैसे धर्म और देशद्रोही उलटा-सीधा कहने और लिखने की कोताही कर रहे हैं। पर तुलसी दास जी ने ठीक ही कहा है- जाकी रही भावना जैसी, तिन देखी प्रभु मूरत तैसी। तुम्हारे जैसे पापियों को घोर नर्क में भी स्थान नहीं मिलेगा। तुम भी विपक्षियों की तरह ईष्या में सुलग रहे हो। मेला चले एक महीने से अधिक हो चुका है। निकम्मे और ज़िम्मेदार अधिकारी असफल दिख रहे हैं। पर भोले भंडारी की कृपा देखो। यह कहने में संकोच नहीं कि तीर्थराज प्रयाग ही इसे चला रहे हैं। मौनी अमावस्या स्नान के पर्व पर भगदड़ से लेकर रास्ता जाम और कुंभ मेले के वीआइपी सेंट्रिक होने का वितंडा घडने के लिए तुम्हारे जैसे गद्दार और धर्म के दुश्मन ही ज़िम्मेवार हैं। धर्म की राह में अगर कुछ सैंकड़ों आदमी सीधे गोलोक सिधार गए तो क्या हुआ? भोले शिव स्वयं उनको परमधाम ले जाने के लिए प्रयागराज में परिवार सहित उतरे हैं।' मेले की अव्यवस्था और भगदड़ में कई लोगों के मारे जाने की ख़बरों को गोदी मीडिया द्वारा दबाए जाने से आहत होने के बावजूद मैंने अपने आपको संभालते हुए कहा, 'निःसंदेह इस आयोजन के प्रति आम आदमी की निष्ठा असंदिग्ध है। अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नहीं होते तो 144 सालों बाद आने वाले इस महाकुंभ को कौन आयोजित करता। विदेशी ताकतें इस महा आयोजन को असफल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य कर रही हैं। विपक्ष विदेशी ताकतों के हाथों खेल रहा है।' मेरे मुंह से प्रशंसा भरे शब्द सुनने के बावजूद वह मेरी तरफ संशय भरी नजरों से देखते हुए बोले, 'मुझे प्रसन्नता है कि तुम पहली बार किसी अंधभक्त की तरह बात कर रहे हो। यह भी भोले की ही कृपा है कि तुम्हारे जैसे पापियों को भी सद्बुद्धि आ रही है। मुझे पूरी उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल, गरिमामयी पारदर्शी, ओजस्वी और प्रेरणामयी नेतृत्व में वर्ष 2047 तक सभी विधर्मी और तुम्हारे जैसे धर्मद्रोही धर्म की राह पर अग्रसर होंगे।

देश दुनिया से

उनकी भी सोचें जिनसे किसी ने हमदर्दी नहीं जतायी

पंजाब पांच दरियाओं की धरती, यूनानी जिसे पेंटापोटामिया (इसका अर्थ भी वही है) पुकारते थे। वह धरा जो प्राचीन काल में सिंधु घाटी सभ्यता, ऋग्वेद और महाभारत की रही। इसी भूमि पर सिकंदर ने झेलम के तट पर पोरस से युद्ध किया, बाबर ने इब्राहिम लोदी से युद्ध किया, एंग्लो-सिख युद्ध यहीं लड़े गए – पंजाब जैसी भूमि के उदाहरण कम ही हैं, जिसने सदियों तक आक्रमण, तबाही और लूटपाट झेली हो। हम शुरुआत करते हैं 1947 के बाद से, यानी वह घड़ी जो एक शानदार युग की सुबह होने वाली थी। यह प्रभात शेष भारत में खुशी और धूप की तरह खिली, सिवाय पंजाब और बंगाल सूबों के। जो विभाजन हुआ, वह काफी हद तक पंजाब और बंगाल का था। अंग्रेजों द्वारा खींची गई और कांग्रेस नेतृत्व, गांधी और जिन्ना द्वारा स्वीकार की गई एक काल्पनिक रेखा ने पंजाब को बांट दिया। यह पंजाब के शरीर और आत्मा के टुकड़े करना था। इसने अपने पीछे हत्या, बलात्कार और तबाही की सुनामी छोड़ी। ऐसा रक्तपात पहले कभी नहीं हुआ और संभवतः इतिहास का विशालतम जबरन पलायन। यह बड़ी उथल-पुथल कदाचित 1950 के दशक के शुरू में पश्चिमी दुनिया की ओर शुरू पलायन की पहली लहर के अंतर्निहित मुख्य कारणों में से एक थी। शुरू में, यह मामूली थी, अधिकांशतः यूके और उसके बाद कनाडा की तरफ। दो विश्व युद्धों में इस इलाके का योगदान बहुत बड़ा था, और लौटकर आए फौजी यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और मध्य पूर्व से कहानियां व अनुभव सुनाते थे। मनुष्य सदा बेहतर जिंदगी तलाशता रहा, और जब घर पर मौके निराशाजनक हों, तो वह बाहर की ओर देखता है। यहां देश में, पंजाबी जीवट धीरे-धीरे तारी हुई और अच्छे नेतृत्व और प्रशासन की मदद से, हमने बिखरे टुकड़े सहेजे और विभाजन की भयावहता पर काबू पाया और लगभग सामान्य जीवन जीने लगे। कुछ दशकों तक लगा कि हम समृद्धि-शांति की राह पर हैं। परंतु यह मृगतृष्णा साबित हुई और राजनीतिक-प्रशासनिक व्यवस्था में खामियां उभरने लगीं। पहले से बंटे पंजाब में और विभाजन की मांग की गई जो अंततः सफल हुई। अकाली सिख वर्चस्व वाला राज्य चाहते थे, वहीं पहाड़ी लोगों ने अपने लिए सुरक्षित सूबा मांगा, ठीक यही हरियाणा के लोगों ने किया। संयुक्त पंजाब को तीन राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में बांट दिया। चंडीगढ़, जिसे लाहौर के स्थान पर बतौर आधुनिक राजधानी विकसित किया गया था, वह भी जाती रही। विभाजन से पूर्व के पंजाब सूबे के पांच प्रशासनिक संभाग थे – जलंधर (अब जालंधर), लाहौर, दिल्ली, मुल्तान और रावलपिंडी। इसे बड़ी उपलब्धि के रूप में सराहा गया, लेकिन असल में इसने पंजाब के पतन की शुरुआत की क्योंकि लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था और पतनशील नेतृत्व ने अफरातफरी पैदा की। पहाड़ और उनके जंगल व जलीय स्रोत हिमाचल में वहीं राष्ट्रीय राजधानी की निकटता, इसके फायदे और यमुना किनारे की भूमि हरियाणा में चले गए। इस क्षेत्र का नाम बदलकर अब 'लघु आब' कर दिया जाना चाहिए क्योंकि यह अब 'पंज-आब' कहलवाने लायक नहीं रहा। अधिकांश विकास सूंचकाकों में ये तीनों राज्य फिसड्डियों में आते हैं। लोकतंत्र में वोट संख्या का महत्व होता है, जाहिर है संसद में 80 सीटों वाले राज्य की आवाज़ और उपस्थिति 10 या 13 सीटों वाले राज्य की तुलना में कहीं ज़्यादा है। धीरे-धीरे युवाओं का कट्टरपंथीकरण होता गया और धर्म के नाम पर हिंसक आंदोलन के नये नारे देने वाला उग्रवादी नेतृत्व उभरा। इसके पीछे कई किस्म के नेताओं के हाथ-दिमाग थे, हालात बनते गए और हिंसा बढ़ती गई, उधर शासन की शक्ति बढ़ती गई। यह सब ऑपरेशन ब्लू स्टार त्रासदी और इंदिरा गांधी की हत्या का कारण बना, जिसके बाद भारत भर में सिखों का कत्लेआम हुआ व समय रहते उस पर अंकुश नहीं लगाया। अगला दशक व्यर्थ गया, जिसमें रोजाना बेगुनाहों की हत्याएं होती रहीं। हमारे उत्तर-पश्चिमी पड़ोसी ने स्थिति का जमकर फायदा उठाया, चरमपंथ और आतंकवादी आंदोलन की आड़ में छद्म युद्ध चला दिया। पंजाब को इसकी कीमत चुकानी पड़ी। पाकिस्तान 1948, 1965 और 1971 में बड़ी लड़ाइयां हार चुका था, वह बदला लेने की ताक में था और यह मौका हमने तश्तरी में रखकर दे दिया (1965 में भी पंजाब ने ही युद्ध का खमियाजा भुगता, क्योंकि ज्यादातर लड़ाई यहीं तक सीमित रही)। पंजाब में हालात फिर कभी पहले जैसे नहीं रहे और चुनाव होने तक, लगभग एक दशक राष्ट्रपति शासन रहा। जनता की मांग के बावजूद, पंजाब के लिए कोई वित्तीय पैकेज या विशेष विकास कार्यक्रम नहीं दिया गया, ताकि बेगुनाह लोगों के दशकों झेले आघातों की भरपाई हो पाती। सनद रहे कि दक्षिणी, पश्चिमी और पूर्वी तटों वाले प्रायद्वीप के विपरीत, पंजाब गैर-समुद्र तटीय राज्य है, व्यापार की एकमात्र राह उत्तर-पश्चिम और मध्य एशिया की तरफ खुलती है। किंतु यह रास्ता भी बंद हो गया और खोलने की अपीलें अनसुनी रहीं। इस घटनाक्रम ने 1980 के दशक में पलायन की दूसरी और ज्यादा बड़ी लहर को जन्म दिया। राहत और रोजगार पाने की आस में पश्चिमी देशों का रुख किया। फिलहाल, तीसरी लहर जारी है क्योंकि युवा शिक्षा और रोजगार के लिए बेहतर मुल्कों में भविष्य देख रहे हैं। मैं इसे तीसरी लहर कहता हूं क्योंकि इसमें अब वे युवा शामिल हैं जिन्हें विरासत में कर्ज में डूबा राज्य मिला (पंजाब पर लगभग 4 लाख करोड़ रुपये का ऋण है) और उसके पास अवसर या उन्हें बनाने वाली शिक्षा नदारद है। इंटरनेट जागरूकता लाया, और आगे आकांक्षा को जगाया है। युवा पश्चिमी दुनिया का जीवन और सुख पाना चाहते हैं। उन्हें यहां यह सब नहीं मिलता और न ही इसे बनाने के साधन और माहौल हैं। पंजाब से लोग वैध-अवैध पलायन कर रहे हैं। राजनेता, पुलिस और ट्रैवल एजेंटों का गठजोड़ खुलेआम चल रहा है, ढेरों पैसे दिए जा रहे हैं। इसके लिए जमीन बेची जाती हैं, कर्ज लिए जाते हैं और रिश्तेदारों से रकम जुटाते हैं। अंग्रेजी सिखाने वाले कोचिंग सेंटर खुले, वहां भी पैसे ऐंठे गए। यह सब खुलेआम चलता रहा व गांवों, कस्बों और सत्ता के गलियारों में, इसे आम बात मान लिया गया। किंतु, पंजाब की इस लूट को रोकने को कोई कदम नहीं उठाया गया।

आप का नजरिया

एक त्रासद तबाही का युद्ध

रूस यूक्रेन युद्ध के तीन साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन युद्ध अभी जारी है। रूस ने ऐसे प्रतिरोध की कल्पना भी नहीं की होगी। हालांकि अब समझौते, शांति और संवाद की एकतरफा कोशिशें भी की जा रही हैं। अमरीका-रूस के विदेश मंत्री स्तर के प्रतिनिधिमंडल ने सऊदी अरब में बातचीत की है। यूक्रेन और यूरोप को इस संवाद से बाहर ही रखा गया है। क्या यूक्रेन की संप्रभुता और स्वतंत्र अस्तित्व को नकारा गया है? क्या यूक्रेन की सहमति के बिना कोई युद्ध-समझौता हो सकता है? यूक्रेन का संकट बढ़ता जा रहा है, क्योंकि अमरीका में राष्ट्रपति ट्रंप के सत्तासीन होने के बाद उसने यूक्रेन की मदद करने से साफ इंकार कर दिया है। यूरोप अब यूक्रेन की सैन्य, आर्थिक मदद को लेकर विभाजित हो गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का सरोकार इतना है कि शांति स्थापित हो और यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनाया जाए, तो वह राष्ट्रपति पद छोडने को तैयार हैं। रूस का साम्राज्यवादी रुख रहा है। इसी आधार पर उसने यूक्रेन पर आक्रमण कर युद्ध छेड़ा था। रूस की सोच है कि यूक्रेन को संप्रभु देश होने का कोई अधिकार नहीं है। तो फिर इस युद्ध का निष्कर्ष क्या होगा? हमारा मानना है कि इस युद्ध में न तो कोई विजेता है और न ही कोई पराजित है। बल्कि रूस-यूक्रेन दोनों ही हारे हैं, क्योंकि दोनों ही देशों में विध्वंस, तबाही व्यापक स्तर पर हुई है। दोनों ही देशों को यह अनुभव हो गया होगा कि युद्ध की परिणति क्या होती है? युद्ध भी एक नए किस्म की निरंतर राजनीति का प्रतिरूप है। इस संदर्भ में ट्रंप, पुतिन, मोदी और यूरोपीय देश अपनी राजनीति के मोहरे चल रहे हैं। बहरहाल यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे अधिक त्रासद् तबाही वाला युद्ध साबित हुआ है। तबाही रूस और यूक्रेन दोनों पक्षों में हुई है। दोनों के करीब 2.5 लाख लोग मारे गए हैं। उनमें अधिकतर सैनिक थे। करीब 68.5 लाख यूक्रेनी शरणार्थी यूरोपीय देशों में हैं। करीब 1 करोड़ यूक्रेनी बेघर हुए हैं। उसके 8 लाख सैनिक घायल बताए जा रहे हैं। उनका इलाज कैसे होगा? बेघर होने वालों में करीब 20 लाख बच्चे भी हैं। यूक्रेन का 20 फीसदी जमीनी हिस्सा खो चुका है। 2024 में यूक्रेन का 4168 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र रूस ने कब्जा लिया। यूक्रेन के 10 बड़े शहर 'खंडहर' हो चुके हैं। रूस को भी कुल 109 लाख करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। उसके 20 से अधिक पोत यूक्रेनी हमलों के कारण 'काला सागर' में डूब चुके हैं। रूस के बख्तरबंद वाहन, टैंक आदि भी तबाह हुए हैं। युद्ध के कारण ही रूस के औसत जीवन-स्तर में 35 फीसदी की गिरावट आई है। तो किस आधार पर रूस खुद को युद्ध का विजेता घोषित कर सकता है? बेशक युद्ध को समाप्त कराने के प्रयास प्रधानमंत्री मोदी के अलावा राष्ट्रपति ट्रंप ने भी किए हैं, लेकिन ट्रंप 'शांति का नोबेल पुरस्कार' हासिल करने के मद्देनजर ऐसे भेदभावपूर्ण प्रयास न करें। संवाद की मेज पर दोनों देशों के प्रतिनिधि उपस्थित होने चाहिए। इस युद्ध ने विश्व की 'सप्लाई चेन' को बुरी तरह प्रभावित किया है। रूस-यूक्रेन गैस और गेहूं उत्पादन के सर्वोच्च देश हैं। गैस सप्लाई नहीं की गई, तो यूरोप कंपकंपाया है। गेहूं की आपूर्ति नहीं हो सकी, तो गरीब, पिछड़े देशों में खाद्य-संकट उभरा है। दुनिया भर की अर्थव्यवस्था भी गिरी है। रूस और यूक्रेन में धार्मिक, जातीय, नस्लीय, सांस्कृतिक समानताएं हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तनाव से बचने के लिए मधुर संगीत का सहारा लें। चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी।इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। घर में रस्म-रिवाज़ आदि होगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द करनी पडेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। सहकर्मियों के साथ काम करते वक़्त युक्ति और चतुरता की ज़रूरत होगी। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भले ही आप उत्साह से लबरेज़ हों, फिर भी आज आप किसी ऐसे की कमी महसूस करेंगे जो आज आपके साथ नहीं है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस-पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोंगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालाँकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। उदार बनें और ईमानदारी से तारीफ़ करें। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन-साथी को तनाव दे सकती है। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ख़ुद तनावग्रस्त होने की झल्लाहट आप बेवजह अपने जीवनसाथी पर निकाल सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। पेशेवर तौर पर आज का दिन सकारात्मक रहेगा। इसका भरपूर उपयोग करें। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जब आप कोई फ़ैसला लें, तो दूसरों की भावनाओं का ख़ास ख़याल रखें। आपका कोई भी ग़लत निर्णय न केवल उनपर ख़राब असर डालेगा, बल्कि आपको भी मानसिक तनाव देगा। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। यात्राओं से व्यवसाय के नए मौक़े मिलेंगे। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी-मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का-फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। अपनी उपयोगिता की ताक़त को सकारात्मक सोच और बातचीत के ज़रिए विकसित करें, ताकि आपके परिवार के लोगों को लाभ हो। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपको कुछ शानदार आशीर्वाद दें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। किसी तीसरे इंसान का दख़ल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। यह वह दिन है जब आपको अपनी अहम योजनाओं पर रोशनी डालने के लिए ख़ास और बड़े लोगों से मिलना चाहिए। आपका खाली वक्त आज किसी गैरजरुरी काम में खराब हो सकता है। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद को दरकिनार महसूस कर सकता है।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 26 फरवरी 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी प्रातः 11:11 तक
नक्षत्र : श्रवण सायं 05:24 तक
योग : परिघ रात्रि 02:57 तक
करण : वणिज प्रातः 11:11 तक
चन्द्र राशि : मकर रात्रि 04:38 तक
सूर्योदय : 06:36, सूर्यास्त 06:21 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:30, सूर्यास्त 06:20 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:27, सूर्यास्त 06:13 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान विधानसभा में इंदिरा गांधी पर टिप्पणी से सियासी बवाल

कांग्रेस ने किया शेष सत्र का बहिष्कार

पीसीसी चीफ बोले-डोटासरा गाजर-मूली है क्या जो तोड़कर खा जाएंगे

जयपुर,25 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र जारी है, दो दिन से सदन का काम ठप है। वजह है भाजपा के मंत्री अविनाश गहलोत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बारे में की गई एक टिप्पणी, जिसके बाद कांग्रेस ने इसका विरोध किया तो स्पीकर ने गोविंद सिंह डोटासरा समेत 6 विधायकों को निलंबित कर दिया। सोमवार को कांग्रेस ने सड़क से लेकर सदन तक कैलाश गहलोत के खिलाफ प्रदर्शन किया

गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा माफी मांगने की बात सिर्फ मंत्री की हुई थी और अगर मेरी माफी मांगने की बात हुई थी ये कोई भी गीता पर हाथ रख कर कह दे तो मैं सदन से हमेशा के लिए जाने को तैयार हूं।

कांग्रेस ने निलंबन के विरोध में विधानसभा की शेष सत्र की कार्यवाही का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। कांग्रेस विधायकों का कहना है कि जब तक मंत्री अविनाश गहलोत सदन में माफी नहीं मांगते वे कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेंगे। कांग्रेस विधायक विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

दरअसल, विधानसभा में पिछले 5 दिन से चल रहा गतिरोध जारी है। इंदिरा गांधी पर मंत्री की टिप्पणी से शुरू हुआ विवाद खत्म होने की जगह बढ़ गया है। कांग्रेस विधायकों ने कल सदन से धरना खत्म कर दिया। लेकिन अब निलंबित विधायकों की बहाली और इंदिरा गांधी को आपकी दादी टिप्पणी मामले में मंत्री अविनाश गहलोत से माफी मंगवाने तक सदन नहीं चलने देने का फैसला किया है। कांग्रेस आज भी सदन की कार्यवाही का बायकॉट कर सकती है।

विधानसभा की कार्यवाही के दौरान

आसन तक पहुंचने वाला सदस्य स्वत: निलंबित माना जाएगा : देवनानी

जयपुर,25 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में सदन की कार्यवाही के दौरान पक्ष-विपक्ष का कोई भी सदस्य विरोध स्वरूप आसन के पास तक पहुंचा तो वह स्वतः ही निलंबित माना जाएगा। इसके लिए सत्ता पक्ष को किसी तरह का प्रस्ताव लाए जाने की जरूरत नहीं रहेगी। क्योंकि लोकसभा में भी इसी तरह की व्यवस्था है। विधानसभा के स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सोमवार को हुए घटनाक्रम पर भावुक होकर बोलते हुए यह व्यवस्था दी।

उन्होंने कहा कि सोमवार के घटनाक्रम को लेकर संबंधित सदस्य कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के खिलाफ नियमों के तहत क्या कार्यवाही की जाए,

यह उन्होंने सदन पर छोड़ दिया। लेकिन, कहा कि ऐसा व्यक्ति इस सदन का सदस्य रहने लायक नहीं है।इससे पहले सोमवार को सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद सदन में धरने के दौरान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा बोले गए शब्दों को लेकर सत्तापक्ष की ओर से संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने निंदा प्रस्ताव रखा।

भरतपुर किस मिलीभगत से नगर निगम नहीं करवा रहा नाली निर्माण: डॉ. गर्ग

भरतपुर,25 फरवरी (एजेंसियां)। भरतपुर शहर की सबसे बड़ी समस्या जलभराव का मुद्दा मंगलवार को राजस्थान की विधानसभा में गूंजा। राष्ट्रीय लोकदल के विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ। सुभाष गर्ग ने पर्ची के माध्यम से सदन में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि शहर में 280 किलोमीटर नालियों का निर्माण कराए जाने का प्रावधान किया गया था। लेकिन, बड़े खेद का विषय है कि इसमें से एक किलोमीटर भी नाली का निर्माण अब तक नहीं किया गया है। आखिर नगर निगम के अधिकारी किस मिलीभगत से नालियों का निर्माण नहीं करवा रहे हैं, इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। साथ ही संबंधित दोषी अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।सदन में पुरजोर तरीके से जल भराव का मुद्दा उठाते हुए डॉ। ,सुभाष गर्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा खुद भरतपुर शहर के रहने वाले हैं। उन्हें बेहद खुशी है कि भरतपुर के व्यक्ति को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाया गया है। लेकिन, इसके बावजूद नगर निगम के अफसर जलभराव की समस्या पर

ध्यान नहीं दे रहे हैं। ड्रेन का कुछ हिस्सा पक्का अवश्य हुआ है, लेकिन नालियों का निर्माण कार्य नहीं कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन मंत्री सदन में विराजमान हैं। वे भरतपुर शहर की सिटी फ्लड कंट्रोल ड्रेन (सीएफसीडी) को लेकर एक उच्च स्तरीय मीटिंग रख लें। यदि उचित समझें तो इस मीटिंग में उन्हें भी आमंत्रित कर लिया जाए। नाली निर्माण के विषय की जांच के साथ-साथ सीएफसीडी के कार्य की भी समीक्षा हो।

कर्नल राठौड़ के प्रयासों से

राजस्थान बजट 2025-26 में झोटवाड़ा के विकास को मिली नई रफ्तार

जयपुर,25 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से लोकप्रिय भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के सराहनीय प्रयासों से राजस्थान बजट 2025-26 में जनाकांक्षाओं को पूर्ण करते हुए झोटवाड़ा विधानक्षेत्र के समग्र विकास हेतु विशेष ध्यान दिया गया है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ का स्थानीय जनता ने इस प्रशंसनीय बजट घोषणा हेतु सराहना करते हुए उनका आभार जताया है।

बजट के अनुसार, बेगस और हाथोज में नवीन पुलिस चौकी की स्थापना की जाएगी। झोटवाड़ा में नवीन आईटीआई के लिए घोषणा की गई है। वैशाली नगर में मेट्रो विस्तार हेतु डीपीआर निर्माण की घोषणा की गई है। चित्रकूट स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक के निर्माण की घोषणा की गई है। 2.50 करोड़ की लागत से करणसर-भैंसावा सड़क निर्माण कार्य करवाया जाएगा। उप स्वास्थ्य केंद्र, हाथोज को पीएचसी में क्रमोन्नत करने की घोषणा की गई है।जोबनेर ब्लॉक में सड़कों के सुदृढ़ीकरण हेतु 25 करोड़ की घोषणा की गई है।

बजट में इन घोषणाओं के जरिए झोटवाड़ा में खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, सड़कों के निर्माण और मेट्रो के विस्तार से बेहतरीन कनेक्टिविटी पर विशेष बल दिया गया है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि समग्र विकास को समर्पित यह बजट विकसित झोटवाड़ा के प्रति हमें संकल्पों को मजबूती प्रदान करता है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर साइबर ठगी करनेवाले दो आरोपी गिरफ्तार

दौसा,25 फरवरी (एजेंसियां)। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 500 प्रतिशत का लाभ कमाने का झांसा देकर पीड़ित से 41 लाख 85 हजार रुपये ठगने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।आरोपियों द्वारा एनजीओ के नाम पर बैंक में खाते खुलवाकर कमीशन पर साइबर ठगी के रुपये प्राप्त किए जाते हैं। ये आरोपी पूर्व में भी 2 करोड 30 लाख रुपये की ठगी मे गिरफ्तार हो चुके हैं। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई कर करीब 8 लाख रुपये होल्ड करवाकर रिफण्ड करवा दिये गये हैं। पुलिस ने धनंजय पुत्र सुरेन्द्र साव निवासी गौरा नजदीक प्राथमिक स्कूल थाना रामपुर चौरम जिला अरवल बिहार, कार्तिकेय सिंह पुत्र नागेन्द्र सिंह निवासी मकान नम्बर 1/2 नियर हनुमान मंदिर देवरी 268 पोस्ट पटयारी तहसील जवा थाना पनवार जिला रीवा मध्यप्रदेश को गिरफ्तार किया है। इस प्रकरण में एक आरोपी को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। पीड़ित बुधराम प्रजापत पुत्र रामसहाय प्रजापत निवासी शहदपुर थाना महुवा ने 8 जुलाई को साइबर क्राइम पुलिस थाने में रिपोर्ट पेश की थी। पीड़ित को इंस्टग्राम के माध्यम से एक वाट्सअप ग्रुप पर जोडा गया। जिसमें ऑनलाइन शेयर मार्केट में रुपये लगाने पर अधिक लाभ कमाने का झांसा दिया गया। उसे एक लिंक भेजकर मनी सुख ॲप डाउनलोड करवाया गया तथा उसमें रुपये इन्वेस्ट करवाये गये। इन्वेस्ट के नाम से कुल 41 लाख 85 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी कर ली। साइबर क्राइम पुलिस थाना से एक विशेष टीम का गठन कर तलाश की गई तो सामने आया कि मुलजिम धनंजय व कार्तिकेय 2 करोड 30 लाख रुपये की ठगी के आरोप में फरीदाबाद जेल में बंद हैं।

कृष्णलाल पंवार ने धांगड़ के अमृत सरोवर तालाब का किया निरीक्षण

चंडीगढ़,25 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने सोमवार को फतेहाबाद में धांगड़ गांव के अमृत सरोवर तालाब का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभाग द्वारा किए गए निर्माण कार्यों का गहनता से जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान विकास एवं पंचायत मंत्री ने कहा कि अमृत सरोवर योजना के तहत निर्मित यह तालाब गांव में जल संरक्षण, भूजल स्तर को बढ़ाने और प्राकृतिक सौंदर्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास एवं जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और इसी दिशा में यह तालाब एक महत्वपूर्ण कदम है।

पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, जल संचयन की क्षमता और तालाब के रखरखाव की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तालाब के चारों ओर हरियाली विकसित करने, साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं।

हरियाणा के कॉलेजों में 4465 पद खाली 39 में तो प्रिंसिपल तक नहीं : हुड्डा

चंडीगढ़,25 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी ने प्राइमरी से लेकर उच्चतर समेत प्रदेश के पूरे शिक्षा तंत्र का बंटाधार कर डाला है। स्कूलों से लेकर कॉलेज और यूनिवर्सिटी तक हर जगह टीचर्स के आधे पद खाली पड़े हुए हैं। एक तरफ बीजेपी नई शिक्षा नीति को लेकर ढिंढोरा पीट रही है तो वहीं दूसरी तरफ आरटीआई के जरिए सरकार की मौजूदा शिक्षा नीति व नीयत का खुलासा हो रहा है। आरटीआई से मिली जानकारी के मुताबिक प्रदेश के 281 सरकारी और एडेड कॉलेजों में टीचर्स के आधे से ज्यादा पद खाली पड़े हुए हैं। कॉलेजों में 7986 पद स्वीकृत है लेकिन इनमें से सिर्फ 3358 पर ही नियमित शिक्षक नियुक्त हैं और 4465 पद खाली पड़े हुए हैं। 39 एडेड कॉलेज तो ऐसे हैं जहां प्रिंसिपल तक नहीं है। सरकार

बताए कि बिना टीचर्स के विद्यार्थियों को कैसी शिक्षा दी जा रही है?

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पिछले दिनों आई नीति आयोग की रिपोर्ट ने भी बीजेपी की प्रदेश सरकार को आईना दिखाया था। नीति आयोग की रिपोर्ट से पता चला है कि उच्च शिक्षा के मामले में हरियाणा अन्य राज्यों से कहीं ज्यादा पीछे है। यहाँ तक कि अपने निकटतम पड़ोसी राज्यों से भी हरियाणा पिछड़ गया है। रिपोर्ट के लिए शिक्षा के लिए वित्तपोषण, रैंकिंग और गुणवत्ता को आधार बनाया गया था।

निकाय चुनाव में ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी : बड़ौली

पानीपत,25 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा भाजपा के अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली राज्य में होने वाले निकाय चुनावों के सिलसिले में मंगलवार को पानीपत पहुंचे, जहां उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार बनने वाली है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता विपक्ष के घोटालों को नहीं भूली है और आने वाले निगम चुनाव में कमल खिलाकर जवाब देगी।

भाजपा की मेयर उम्मीदवार कोमल सैनी के नामांकन के अवसर पर पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पूरे हरियाणा में चुनावी माहौल है और जनता ने फिर से भाजपा को जिताने का मन बना लिया है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की सभी नगरपालिकाओं और नगर निगमों में भाजपा की जीत होगी। बड़ौली ने कहा कि रोहतक में पार्टी ने सभी लोगों की राय लेकर घोषणापत्र तैयार किया है, जिसमें भ्रष्टाचार खत्म करने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि निगम में प्रॉपर्टी आईडी और फैमिली आईडी से जुड़े भ्रष्टाचार को 100 फीसदी खत्म किया जाएगा।

पूरे हरियाणा की जनता में भाजपा के लिए जोश, ट्रिपल इंजन की बनेगी सरकार : सैनी

पानीपत,25 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को पानीपत से भाजपा की मेयर उम्मीदवार कोमल सैनी और पार्षद पद के सभी 26 उम्मीदवारों के समर्थन में रोड शो किया और मेयर प्रत्याशी का नामांकन कराया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली भी मौजूद रहे। नामांकन के बाद जनसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा का विजन व नीति स्पष्ट है, हम सभी मिलकर पानीपत को चमकाने का काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे हरियाणा में भाजपा के पक्ष में माहौल है और हम ट्रिपल इंजन की सरकार बनाकर मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे। जनसभा को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली के अलावा अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया। इस मौके पर पानीपत के चुनाव प्रभारी डॉ बनवारी लाल, विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्णलाल पंवार, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, पानीपत शहरी विधायक प्रमोद

विज,समालखा विधायक मनमोहन बड़ाना, पूर्व सांसद संजय भाटिया, भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ। अर्चना गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार प्रदेश में काम कर रही है। ट्रिपल इंजन की सरकार तीन गुणा तेज गति से काम करेगी। उन्होंने कहा कि रैली में उमड़े जनसमूह ने आज तय कर दिया कि नगर निकाय चुनाव में भाजपा की जीत पक्की है और लोग पानीपत के विकास को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि पानीपत एक धार्मिक, ऐतिहासिक, औद्योगिक और व्यवसायिक जिला है। ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी और पानीपत का तेजी से विकास होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनता कोमल सैनी को मेयर बनाए, पार्षदों को जिताएं बाकी काम मुझ पर छोड़ दें। पानीपत में किसी तरह की कमी नहीं रहने दूंगा। विपक्ष पर हमलावर होते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल भ्रम में न रहें भाजपा की चक्की तेज भी चलती है और बारीक भी पिसती है। हमने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हुए हैं कि जनता का काम नहीं किया तो सख्त फैसला भी लेंगे। सैनी ने कहा कि आज हर जिला में डीसी हर रोज सुबह दो घंटे लोगों की समस्याएं सुनते भी हैं और समाधान भी करते हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के नेताओं ने नौकरी बेचने की बात कही जिससे युवा घबरा गए थे। कांग्रेस के भ्रष्टाचार को भांपते हुए लोगों ने कांग्रेस को हार का रास्ता दिखा दिया और भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। उन्होंने कहा कि भाजपा ने युवाओं को नौकरी देने की बात कही तो कांग्रेस के नेता चुनाव आयोग चले गए भर्ती रूकवा दी, लेकिन मैने वादा किया था कि शपथ लेने से पहले 25 हजार युवाओं को नौकरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मैने वादा निभाया और युवाओं को बिना पर्ची और खर्ची के नौकरी दी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा ने संकल्प पत्र में जो वादे किए हैं उन्हें गारंटी के साथ पूरा किया जा रहा है। महिलाओं को 500 रुपये में सिलेंडर, गरीबों को मकान और प्लॉट देने की प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंचायती भूमि पर जिनके मकान बने थे भाजपा ने उनकी चिंता दूर कर दी है। सरकार ने जमीन का मालिकाना हक देने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों से भाजपा ने देश को मजबूत किया है। भाजपा जो वादा जनता से करती है उसे पूरा करती है।

विधान परिषद में सीएम योगी ने कहा

डेंगू से होने वाली मृत्यु में 94.5 प्रतिशत की कमी

लखनऊ, 25 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज की अवधारणा पर सरकार आगे बढ़ रही है। प्रदेश में डेंगू से होने वाली मृत्यु दर में 94.5 प्रतिशत और मलेरिया से होने वाली मृत्यु दर में 56 फीसदी कमी हुई है। पूरे देश में सबसे अधिक यूपी में गोल्डन कार्ड जारी किये गये हैं। राजकीय क्षेत्र के तहत संचालित सरकारी मेडिकल कॉलेजों में वर्ष 2017 में मात्र 1,990 एमबीबीएस की सीटें थीं, जिसे बढ़ाकर 5,250 किया गया है। वहीं निजी मेडिकल कॉलेज-संस्थानों में सीटों की संख्या 2,550 को बढ़ाकर 6,550 किया गया है। राजकीय क्षेत्र के तहत पीजी सीटों की संख्या 2017 में 741 थीं, उसे बढ़ाकर 1,871 किया गया है। इसी तरह निजी क्षेत्रों के मेडिकल कॉलेज-संस्थानों में 2017 में सीटों की संख्या 480 थीं, उसे बढ़ाकर 2,100 किया गया है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशलिटी सीटों की संख्या जो वर्ष 2017 में 120 थी, इसके सापेक्ष 250 कर दी गयी है। इसके अलावा सरकारी मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशलिटी की सुविधा भी उपलब्ध करवाने की कार्रवाई की गई है और इसमें सीट भी बढ़ी है। एसजीपीजीआई में आठ नए विभाग के कार्यक्रम भी प्रारंभ हुए हैं। आईआईटी कानपुर में 500 बेड एक सुपर स्पेशलिटी चिकित्सालय के निर्माण की कार्रवाई में राज्य सरकार योगदान दे रही है, जिसमें स्कूल ऑफ मेडिकल रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी इस कार्यक्रम भी पूर्ण करने में

राज्य सरकार पूरी सुविधा उपलब्ध करवाने का कार्य कर रही है।

सीएम ने कहा कि 2017 में पहली कैबिनेट बैठक में 86 लाख किसानों का 36,000 करोड़ रुपए का ऋण माफ किया गया था। अब तक 1.65 करोड़ किसानों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिए जा चुके हैं। सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार ने किसानों के हित में कई क्रांतिकारी निर्णय लिए हैं। उन्होंने बताया कि 2017 से पहले किसानों को अपनी फसल बेचने में बिचौलियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब सरकार सीधे खरीद कर रही है। इसके चलते खाद्यान्न उत्पादन भी बढ़ा है। 2016-17 में प्रति हेक्टेयर 22.27 क्विंटल खाद्यान्न उत्पादन होता था, जो 2023-24 में बढ़कर 30.51 क्विंटल हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत वर्ष 2023-24 में 28.58 लाख किसानों ने 19.84 लाख हेक्टेयर भूमि का बीमा कराया, जिसमें 9.33 लाख किसानों को 495.41 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति दी गई। गन्ना उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय वृद्धि की है। 2016-17 में 20.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की खेती होती थी, जो अब बढ़कर 29.6 लाख हेक्टेयर हो गई है। गन्ने की प्रति हेक्टेयर पैदावार 72 टन से बढ़कर 85 टन हो गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2017 के पहले 22 वर्षों में जितना गन्ना मूल्य भुगतान हुआ था, उससे अधिक केवल सात वर्षों में किया गया है। 2017 से अब तक 2.73 लाख करोड़ रुपए गन्ना किसानों को भुगतान किए जा चुके हैं। राज्य में वर्तमान में 120 चीनी मिलें संचालित हैं, जिनमें 39 नई चीनी मिलें स्थापित की गई हैं और 6 पुरानी मिलों का पुनः संचालन हुआ है। 38 चीनी मिल का विस्तार हुआ है और लगभग 125000 लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के साथ जुड़े हुए हैं। इसके साथ ही 285 खांडसारी इकाइयों की स्थापना के माध्यम से 41800 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हुआ है। एथेनॉल उत्पादन में 42 करोड़ लीटक से बढ़कर के 2023-2024 में बढ़कर के 77 करोड़ लीटर का उत्पादन हो रहा है। सीएम योगी ने बताया कि सिंचाई और बिजली की निशुल्क व्यवस्था उपलब्ध होने के बाद 14 लाख से अधिक निजी नलकूपों में बिजली बिल माफ किए गए हैं। प्रदेश में 31,000 सिंचाई परियोजनाओं के पूर्ण होने से 22 लाख 75000 हेक्टेयर की अधिक सिंचन की क्षमता भी अर्जित की गई है, जिसके माध्यम से 46 लाख 69000 कृषक इसके माध्यम से सीधे-सीधे लाभान्वित हुए हैं। इसके अलावा मध्य गंगा नहर परियोजना फेज टू कनहर सिंचाई परियोजना महाराजगंज में रोहिणी नदी बांध है, यह पूर्ण होने पर 4,74,000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में सिंचन की अतिरिक्त क्षमता उत्पन्न होगी और उसके माध्यम से 6,77,000 किसान इसके माध्यम से लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही पीएम कुसुम योजना के तहत इस सत्र में 53000 से अधिक किसानों को सोलर पैनल उपलब्ध करवाने की कार्रवाई भी सरकार आगे बढ़ने जा रही है।

सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में बिजली संकट गहरा था, लेकिन आज प्रदेश के हर कोने में निर्बाध विद्युत आपूर्ति हो रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ चुका है। ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य और औद्योगिक क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ने प्रदेश की तस्वीर बदल दी है।

सरकार ने जो वादे किए थे, उन्हें धरातल पर उतारा है, जिससे प्रदेशवासियों का विश्वास और मजबूत हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में 24 घंटे, तहसीलों में 22 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 18 से 20 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार हर मजरे तक विद्युतीकरण सुनिश्चित कर रही है। 2017 से अब तक 24,800 करोड़ रुपए की लागत से 193 नए सब-स्टेशन का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि कानपुर में 600 मेगावाट की घाटमपुर तापीय परियोजना की पहली इकाई दिसंबर 2024 में पूरी हो चुकी है, जबकि शेष दो इकाइयां मई और अगस्त 2025 तक पूरी हो जाएंगी। प्रदेश में 9926 नए ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए, 28,602 ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई गई और 1,88,000 निजी नलकूपों को बिजली कनेक्शन दिए गए। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने बड़ी छलांग लगाई है। 2017 तक कुल 288 मेगावाट की ग्रीन एनर्जी परियोजनाएँ थीं, जो अब बढ़कर 2653 मेगावाट हो गई हैं। इसके अलावा, 508 मेगावाट की सोलर रूफटॉप परियोजनाएँ विभिन्न सरकारी भवनों पर स्थापित की गई हैं। सरकार 22,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है।

सरकार ने प्रदेश के हर जिले और तहसील को फोरलेन से जोड़ने का निश्चय किया है। वहीं ब्लॉक मुख्यालय को टू लेन से जोड़ने का काम किया जा रहा है। इंटर स्टेट कनेक्टिविटी को फोरलेन के साथ जोड़ने का काम अंतिम चरण में है। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में दो एयरपोर्ट ही फुली फंक्शनल थे जबकि गोरखपुर और आगरा आंशिक था। वहीं आज प्रदेश में चार इंटरनेशनल एयरपोर्ट पूरी तरह से क्रियाशील हो चुके हैं। सोलह डोमेस्टिक एयरपोर्ट पूरी तरह से क्रियाशील हो चुके हैं जबकि 6 अन्य एयरपोर्ट का कार्य चल रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि भारत के सबसे बड़े जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को अप्रैल में शुरू कर दिया जाएगा। इसके अलावा सरकार ने नए लिंक एक्सप्रेसवे की घोषणा की है।

सीएम योगी ने तंज कसते हुए कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य को शिवपाल यादव के झुंझुने में नहीं आना चाहिए था। वह स्वयं ही बिचारे बने हुए हैं। कई बार गंगा एक्सप्रेसवे को हरिद्वार तक बढ़ाने की मांग की गई है। ऐसे में इसके लिए बजट में घोषणा की जा चुकी है।

वहीं गंगा एक्सप्रेस-वे को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के साथ जोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी गयी है। इसके अलावा गाजीपुर से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को चंदौली होते हुए शक्ति नगर सोनभद्र तक जोड़ने का काम किया जाएगा। इसके लिए भी बजट आवंटित कर दिया गया है। इतना ही नहीं गंगा एक्सप्रेस-वे प्रयागराज से बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे में चित्रकूट तक पहुंचेगा। सरकार ने प्रयागराज में दो नए पुल गंगा जी पर शास्त्री ब्रिज और यमुना जी पर नैनी ब्रिज के पैरलल नया ब्रिज बनाने के लिए भी बजट में घोषणा की गयी है। यह सभी कार्यक्रम प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ेंगे। इंडो नेपाल बॉर्डर में अथॉरिटी का गठन हो चुका है। अभी तक वाराणसी तक यह सुविधा है, लेकिन अब हम इसको प्रयागराज और बलिया से अयोध्या तक ले जाने की कार्रवाई को आगे बढ़ाने जा रहे हैं। इससे प्रदेश में एक्सपोर्ट की सुविधा को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

शिक्षामित्रों के अपमान पर विधानसभा में हंगामा

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा, माफी मांगे सपा

लखनऊ, 25 फरवरी (एजेंसियां)। विधानसभा सत्र के छठे दिन शिक्षामित्रों को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने सपा विधायक द्वारा शिक्षामित्रों की तुलना पशु से किए जाने को शर्मनाक करार देते हुए कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह सपा की पुरानी फितरत है कि वह शिक्षामित्रों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करे। इससे पहले भी सदन में ऐसा हो चुका है। विपक्ष को इस गलती के लिए शिक्षामित्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। मंत्री ने शिक्षामित्रों के सम्मान और कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

विधानसभा में हुए इस विवाद के बाद यह साफ हो गया कि योगी सरकार शिक्षामित्रों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। वहीं, सपा विधायक की आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर सियासी माहौल गर्म है। अब देखना होगा कि विपक्ष माफी मांगता है या इस मुद्दे पर राजनीति और तेज होती है। सदन में शिक्षामित्रों के मुद्दे पर चर्चा के दौरान सपा विधायक की आपत्तिजनक टिप्पणी पर सत्ता पक्ष के विधायकों ने कड़ा विरोध जताया। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने इसे शिक्षामित्रों का अपमान करार देते हुए कहा कि सपा का इतिहास ही शिक्षामित्रों के प्रति असंवेदनशीलता का रहा है।

उन्होंने कहा, यह पहली बार नहीं है जब विपक्ष ने शिक्षामित्रों का अपमान किया हो। पहले भी सपा शासनकाल में शिक्षामित्रों की अनदेखी की गई थी। विपक्ष को शिक्षामित्रों से सदन में खड़े होकर माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षामित्रों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस तरह के अपमानजनक बयान कतई बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

मंत्री संदीप सिंह ने सपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 2017 से पहले परिषदीय विद्यालयों में मूलभूत सुविधाएं तक नहीं थीं। उन्होंने कहा, अगर सपा सरकार ने अपने कार्यकाल में सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारने की चिंता की होती, तो हमें ऑपरेशन कायाकल्प जैसी योजना नहीं चलानी पड़ती। उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा पहले भी शिक्षामित्रों को अपमानजनक टिप्पणियों का शिकार बनाया जाता रहा है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब विपक्ष ने शिक्षामित्रों की तुलना पशुओं से की हो। इससे पहले भी सदन में ऐसी असंवेदनशील टिप्पणियां की गई हैं। बेसिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि योगी सरकार शिक्षामित्रों के हितों को लेकर लगातार संवेदनशील रही है। इसी दिशा में 2017 तक मात्र 3,500 रुपए मिल रहे शिक्षामित्रों के मानदेय को बढ़ाकर 10,000 रुपए किया गया, जिससे उन्हें आर्थिक संबल मिला। इसके साथ ही, स्थानांतरण नीति में बदलाव करते हुए समायोजन के दौरान दूरस्थ क्षेत्रों में नियुक्त शिक्षामित्रों को अपनी इच्छानुसार स्थान परिवर्तन की सुविधा देने का निर्णय लिया गया है, ताकि वे अपने परिवार और कार्यस्थल के बीच संतुलन बना सकें। इस दौरान मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार शिक्षामित्रों के योगदान को महत्वपूर्ण मानती है और उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। सरकार चाहती है कि शिक्षामित्र आत्मनिर्भर बनें और शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाएं।

सपा नेता आजम खां के बेटे अब्दुल्ला जेल से रिहा

रामपुर, 25 फरवरी (एजेंसियां)। सपा नेता आजम खां के बेटे अब्दुल्ला आजम को हरदोई जेल से रिहा कर दिया गया। कोर्ट से रिहाई परवाना जारी होने के बाद मंगलवार दोपहर अब्दुल्ला की रिहाई हुई। अब्दुल्ला आजम खां की 42 मामलों में जमानत होने के बाद सोमवार को कोर्ट से रिहाई परवाना जारी हुआ था। इस आधार पर हरदोई जेल प्रशासन ने मंगलवार को दोपहर में अब्दुल्ला को जेल से रिहा कर दिया। वह 17 माह तीन दिन जेल में रहे।

शत्रु संपत्ति की जमीन के रिकार्ड में हेराफेरी के मामले में सपा नेता आजम खां की पत्नी डॉ. तंजीन फातिमा और बड़े बेटे अदीब आजम और बहन निकहत अखलाक सोमवार को कोर्ट में पेश हुईं। कोर्ट ने अब 5 मार्च तक के लिए अंतरिम जमानत स्वीकार कर ली है। शत्रु संपत्ति के अभिलेखों में रिकार्ड रूम के सहायक अभिलेखपाल मोहम्मद फरीद की ओर से सिविल लाइंस थाने में 9 मई 2020 को लखनऊ के पीरपुर हाउस निवासी सैयद आफाक अहमद और अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था, जिसमें शत्रु संपत्ति के अभिलेखों में हेराफेरी करने का आरोप है।

यह मामला मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी परिसर के अंतर्गत आने वाली भूमि का है, जो कि इमामुद्दीन कुरैशी पुत्र बदरुद्दीन कुरैशी के नाम दर्ज थी। इमामुद्दीन कुरैशी वर्ष 1947- 48 में भारत छोड़कर पाकिस्तान चले गए थे और यह संपत्ति शत्रु संपत्ति के रूप में सन 2006 में भारत सरकार के कस्टोडियन विभाग के अंतर्गत दर्ज कर ली गई थी। रिकॉर्ड की जांच करने पर यह मामला प्रकाश में आया कि राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में जालसाजी कर शत्रु संपत्ति को हेराफेरी करने के लिए आफाक अहमद का नाम गलत तरीके से राजस्व रिकॉर्ड में अंकित कर दिया गया था तथा रिकॉर्ड के पन्ने फटे हुए पाए गए थे।

मुल्ला-मौलवी के बजाय बच्चों को डॉक्टर-इंजीनियर बनाना है

कठमुल्लेपन की संस्कृति नहीं चलेगी: योगी

लखनऊ, 25 फरवरी (एजेंसियां)। विधान परिषद में अपने संबोधन के दौरान सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की मानसिकता संकीर्ण है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अल्पसंख्यक बच्चों को केवल पारंपरिक मदरसों तक सीमित नहीं रखना चाहती उन्हें मुल्ला और मौलवी बनाने के बजाय डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक और साहित्यकार बनाने का अवसर भी प्रदान करना चाहती है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण देते हुए कहा कि शिक्षा के आधुनिकीकरण से ही समाज का विकास संभव है। सीएम योगी ने कहा कि स्कूलों में फ्री एजुकेशन की व्यवस्था की जा रही है। उनका आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इसके लिए डबल इंजन की सरकार पैसा उपलब्ध करवा रही है, लेकिन कठमुल्लापन की संस्कृति नहीं चलेगी। उन्होंने दोहराया कि डबल इंजन की सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी छात्रों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएम योगी ने कहा कि सरकार हर बच्चे को उत्तम शिक्षा प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है, जिससे वे केवल मजहबी शिक्षा तक सीमित न रहें, बल्कि आधुनिक शिक्षा ग्रहण कर समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनें। सरकार का उद्देश्य है कि हर बच्चा अपनी योग्यता के आधार पर आगे बढ़े और राष्ट्र के विकास में योगदान दे। बच्चे ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति हैं कोई भेदभाव नहीं करेंगे उत्तम शिक्षा मिलेगी अच्छी शिक्षा मिलेगी आधुनिक शिक्षा मिलेगी बिना भेदभाव के मिलेगी सरकार इसके लिए दिशा में कदम बढ़ा रही है। इसके लिए हर सुविधा से आच्छादित करेगी, लेकिन जिसको केवल मजहबी शिक्षा लेनी है वह वहां जाएं लेकिन अच्छा साहित्यकार अच्छा वैज्ञानिक अच्छा गणितज्ञ अच्छा शिक्षक अच्छा इंजीनियर बनने के लिए आधुनिक शिक्षा भी लेनी पड़ेगी। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना के तहत छात्रों को निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जा रही है, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को लाभ मिल रहा है।

सीएम योगी ने विधान परिषद में विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए थारू जनजाति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह जनजाति उत्तर प्रदेश-नेपाल सीमा क्षेत्र में निवास करती है, जिसमें महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, गोरखपुर और सोनभद्र जैसे जिले शामिल हैं। उन्होंने विपक्षी सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे प्रदेश की जनजातियों और वंचित वर्गों की वास्तविक स्थिति से पूरी तरह अनभिज्ञ हैं। उन्होंने बताया कि थारू, मुसहर, गोंड और अन्य वंचित जनजातियों के लोग बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे, न उनके पास जमीन के पट्टे थे, न राशन कार्ड, न ही मकान। डबल इंजन की सरकार ने इन सभी जनजातियों को मुख्यधारा में लाने का काम किया है।

सीएम योगी ने कहा कि पिछले साढ़े साथ वर्ष के अंदर हमारी सरकार ने जो कदम उठाए गए हैं उसका परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में 6 करोड़ व देश के अंदर 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठकर सामान्य जीवन जीवन यापन कर रहे हैं। प्रदेश सरकार ने अगले तीन वर्षों में 13.5 लाख परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने का लक्ष्य रखा है। सरकार द्वारा किए गए सर्वेक्षण में ऐसे परिवारों की पहचान की गई है, जिन्हें बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा जाएगा और उनकी वार्षिक आय को न्यूनतम 1.25 लाख रुपए तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सरकार पहले चरण का काम पूरा कर चुकी है और इसे आगे और प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा।

सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) मॉडल पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह केवल एक ढोंग है। उन्होंने ने कहा कि वे केवल दिखावे की राजनीति करते हैं। उन्होंने प्रदेश में इंसेफेलाइटिस जैसी गंभीर बीमारियों से हुई मौतों का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली सरकारों ने इसे नजरअंदाज किया, लेकिन वर्तमान सरकार ने बिना किसी भेदभाव के इसे एक मिशन के रूप में लिया और व्यापक स्तर पर टीकाकरण, स्वास्थ्य सुविधाओं और स्वच्छता कार्यक्रमों के माध्यम से इसे नियंत्रित किया। उन्होंने कहा कि आज यह बीमारी लगभग समाप्त हो चुकी है, लेकिन विपक्ष इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की सोच केवल राजनीति तक सीमित है। वे विकास के मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय केवल तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने प्रदेश में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किया है।

महाकुंभ का महात्म्य : प्रयागराज, अयोध्या, काशी, मथुरा, गोरखपुर नए पंच तीर्थ के रूप में जुड़ा

लखनऊ, 25 फरवरी (एजेंसियां)। विधानसभा बजट सत्र के छठवें दिन विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अपने संबोधन में सीएम योगी ने महाकुंभ के आयोजन पर किये जा रहे दुष्प्रचार व राज्यपाल के अभिभाषण पर किए गए व्यवहार पर विपक्ष को आइना दिखाया। सीएम योगी ने कहा कि राज्यपाल के खिलाफ विपक्ष का व्यवहार किसी भी आदर्श लोकतंत्र को स्वीकार नहीं होगा। सीएम योगी ने सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट को पढ़ते हुए कहा कि महाकुंभ में सभी को अपनी दृष्टि के अनुरूप चीजें देखने मिली है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ दुनिया में अबतक हुए सभी आयोजनों के रिकॉर्ड को तोड़ रहा है। प्रयागराज महाकुंभ ने प्रदेश में नए पंच तीर्थ को जोड़ा है, जिसके माध्यम से श्रद्धालु अयोध्या, काशी, गोरखपुर, मथुरा दर्शन करने लिए पहुंच रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि राज्यपाल एक संवैधानिक पद है और अपने संवैधानिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने के लिए ही वर्ष के शुरुआत में पहले सत्र में उनके द्वारा दोनों सदनों को एक साथ संबोधित किया जाता है। सीएम योगी ने कहा कि लोकतंत्र संवाद पर आधारित होता है, यह आवश्यक नहीं कि सभी लोग एक-दूसरे से सहमत हों, लेकिन मर्यादा और शालीनता का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है। राज्यपाल जैसे संवैधानिक पद के प्रति जिस प्रकार की अशोभनीय भाषा और नारेबाजी का प्रयोग किया गया, वह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने हमें जो लोकतांत्रिक व्यवस्था दी है, उसका सम्मान करना सभी दलों का कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी का यह आचरण लोकतंत्र और संविधान, दोनों के विरुद्ध है। एक आदर्श लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसे व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद में विपक्ष के रवैये पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जब पूरा विश्व प्रयागराज के महाकुंभ की भव्यता और दिव्यता का साक्षी बन रहा है, तब विपक्ष सिर्फ आलोचना करने में व्यस्त है।

उन्होंने कहा कि यह कोई साधारण आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सनातन परंपरा, आस्था और संस्कृति का वह महोत्सव है, जिसने देश की प्रतिष्ठा को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। मुख्यमंत्री ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि अब तक 64 करोड़ श्रद्धालु इस दिव्य आयोजन में शामिल हो चुके हैं, जो कि विश्व के किसी भी धार्मिक आयोजन में शामिल होने वाले लोगों की संख्या से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज एक नए युग की ओर बढ़ रहा है, जहां अयोध्या, काशी, मथुरा-वृंदावन, गोरखपुर और प्रयागराज तीर्थाटन के नए केंद्र बन चुके हैं। प्रयागराज महाकुंभ ने इन धार्मिक स्थलों को पंच तीर्थ के रूप में जोड़ दिया है। सीएम योगी ने कहा कि महान कार्यों के प्रति समाज का रवैया तीन चरणों से गुजरता है – उपहास, विरोध और अंततः स्वीकृति। यही हाल राम मंदिर निर्माण और महाकुंभ आयोजन के दौरान भी देखने को मिला। पहले विपक्ष ने तंज कसे, फिर विरोध किया, लेकिन अंततः वे भी इसी आस्था में समर्पित हो गए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वयं संगम में स्नान कर आए, और नेता प्रतिपक्ष ने खुद को पहले सनातनी बताया, बाद में समाजवादी। यह उनकी स्वीकृति का प्रमाण है।

सीएम योगी ने महाकुंभ की तुलना दुनिया के अन्य धार्मिक आयोजनों से करते हुए कहा कि मक्का में हज के दौरान 1.4 करोड़, वेटिकन सिटी में सालभर में 80 लाख, जबकि अयोध्या धाम में मात्र 52 दिनों में 16 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे। इसी तरह, काशी, मथुरा-वृंदावन और अन्य तीर्थों में भी करोड़ों श्रद्धालु पहुंचे, जिससे यह साबित हुआ कि भारत की सनातन परंपरा केवल धार्मिक मान्यताओं तक सीमित नहीं, बल्कि विश्व संस्कृति की आधारशिला है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि कुछ लोग हर बार महाकुंभ को बदनाम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन इस आयोजन ने हर नकारात्मक प्रचार को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि वामपंथी और समाजवादी महाकुंभ को बदनाम करने में जुटे रहे, लेकिन करोड़ों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाकर उनकी नकारात्मकता को नकार दिया। सनातन संस्कृति की ताकत दुनिया ने देखी।करोड़ों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाकर सनातन विरोधियों को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि यह वही नया उत्तर प्रदेश है, जिसने आध्यात्मिक पर्यटन को एक नई दिशा दी है और अब पूरी दुनिया सनातन संस्कृति की इस अद्भुत शक्ति का लोहा मान रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंगाजल की शुद्धता पर सवाल उठाने वालों को कड़ा जवाब दिया। उन्होंने बताया कि प्रयागराज में वैज्ञानिक डॉ. अजय शुक्ला की लैब और उत्तर प्रदेश व केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, गंगाजल स्नान योग्य ही नहीं, बल्कि अल्कलाइन वाटर जितना शुद्ध भी है। वैज्ञानिक परीक्षणों से यह साबित हुआ है कि गंगाजल में स्वयं को शुद्ध बनाए रखने की प्राकृतिक क्षमता है, जो इसे अन्य नदियों से अलग बनाती है। 17 जनवरी को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट में संगम क्षेत्र में क्लोरोफॉर्म की मात्रा निर्धारित मानकों के भीतर पाई गई। संगम तट पर इसकी मात्रा 780 एमपीएन प्रति 100 मिलीलीटर थी, जबकि वाराणसी की ओर जाने वाले घाटों पर यह 280 तक थी। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, जल की शुद्धता के तीन प्रमुख मानक-बीओडी (बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड), सीओडी (केमिकल ऑक्सीजन डिमांड) और फीकल कॉलीफॉर्म-संगम क्षेत्र में पूरी तरह संतुलित पाए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ने प्रयागराज महाकुंभ को बदनाम करने के लिए झूठा प्रचार किया, लेकिन करोड़ों श्रद्धालुओं के स्नान के बावजूद गंगा की पवित्रता और शुद्धता सिद्ध हो चुकी है, जो सनातन आस्था की ताकत को दर्शाता है।

मध्यप्रदेश निवेश के लिए प्रत्येक लिहाज से बेहतर : अमित शाह

भोपाल, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश विदेश के निवेशकों से मध्यप्रदेश में निवेश करने का अनुरोध करते हुए आज कहा कि यह राज्य निवेश के लिए आकर्षक केंद्र बना हुआ है और निवेश के लिए यहां पर अनुकूल वातावरण है।

श्री शाह ने दो दिवसीय ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (जीआईएस) के समापन अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, राज्य के मुख्य सचिव अनुराग जैन, अनेक मंत्री और देश विदेश के उद्योग जगत के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। इसके पहले डॉ यादव ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में दो दिन के आयोजन के दौरान निवेश संबंधी 30 लाख 77 हजार करोड़ रुपयों के प्रस्ताव मिले हैं। डॉ शाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि दो दिनों के दौरान जो प्रस्ताव मिले हैं, उन्हें उम्मीद है कि ये शीघ्र ही धरातल पर आकार लेंगे। उन्होंने मध्यप्रदेश की खूबियां गिनाते हुए कहा कि यहां पर स्थिर सरकार और पारदर्शी प्रशासन होने के साथ ही अन्य सुविधाएं हैं।

कभी इस राज्य की गिनती बीमारू राज्य के रूप में होती थी, लेकिन 20 सालों में भाजपा के शासन के दौरान सड़क, बिजली, पानी, सिंचाई और अन्य ढांचागत क्षेत्रों में व्यापक कार्य होने की वजह से यह राज्य देश के बेहतर राज्यों की श्रेणी में शामिल हो गया है।

श्री शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में मैंगनीज, कॉपर, कोयला, रॉक फॉस्फेट, लौह अयस्क और अन्य खनिज एवं प्राकृतिक संसाधन भी मौजूद हैं। देश के 25 प्रतिशत आर्गेनिक कॉटन की पूर्ति इसी राज्य से होती है। फूड प्रोसेसिंग के लिए भी यह राज्य महत्वपूर्ण माना जाता है। स्थिर शासन होने की वजह से मजबूत नीतियां हैं। प्रशासन भी निवेशकों को सहयोग करने के लिए दो कदम आगे बढ़ाने के लिए तत्पर है।

श्री शाह ने कहा कि इस राज्य की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने और 2027 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में अपना सहयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य के साथ कार्य कर रही है। केंद्र की मोदी सरकार ने देश में दस सालों के दौरान अभूतपूर्व कार्य करते हुए ऐसी नींव तैयार कर दी है, जिससे आने वाले दस सालों में विभिन्न क्षेत्रों में बुलंद इमारतें खड़ी की जा सकती हैं। और इस दिशा में भी कार्य कर रहा है।

उन्होंने उदाहरण के तौर पर बैंकिंग क्षेत्र में हुए सुधारों का जिक्र किया और कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने इस दिशा में कुछ नहीं किया था। अब देश में सभी नागरिकों के खाते खुल गए हैं। बैंकिंग सेवाओं में काफी सुधार हुआ है।

सांसद अमृतपाल की सदस्यता को लेकर केंद्र ने गठित की कमेटी, अगले सप्ताह हाईकोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

पंजाब में खडूर साहिब के निर्दलीय सांसद अमृतपाल सिंह की सदस्यता के लिए केन्द्र सरकार ने कमेटी गठित कर दी है। लोकसभा स्पीकर ने कमेटी बनाई है। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने सांसद अमृतपाल के सदन में शामिल होने की मांग को लेकर दाखिल याचिका पर केंद्र सरकार से पूछा था कि सांसदों की छुट्टी मंजूर करने वाली कमेटी गठित की गई है या नहीं। खंडपीठ ने अतिरिक्त महाधिवक्ता सत्यपाल जैन को निर्देश लेकर 25 फरवरी को अदालत को सूचित करने को कहा था। याचिकाकर्ता के वकील के बीमार होने के कारण अब मामले की सुनवाई अगले सप्ताह होगी।

खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह ने याचिका दाखिल करते हुए लोकसभा की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति मांगी थी। अमृतपाल सिंह ने बताया कि उसे 2023 से राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत असम में हिरासत में रखा गया है। अमृतपाल के वकील का कहना है कि उन्होंने अवकाश के लिए आवेदन दिया था लेकिन अब तक उन्हें इस पर कोई निर्णय नहीं बताया गया है। इसके अलावा, अमृतपाल सिंह ने अपनी याचिका में यह भी प्रार्थना की है कि उन्हें सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के तहत अधिकारियों और मंत्रियों के साथ बैठकों में भाग लेने की अनुमति दी जाए।

अमृतपाल सिंह की ओर से दलील दी कि जेल प्रशासन उनके पत्रों को समय पर उन्हें उपलब्ध नहीं कराता। उन्होंने कहा कि लोकसभा सचिवालय से आने वाले पत्रों को रोका या सेंसर नहीं किया जा सकता। याची ने बताया कि अभी उनके पास अब केवल छह दिन बचे हैं। खंडपीठ ने इस पर टिप्पणी की कि संसद के बजट सत्र का पहला चरण पहले ही समाप्त हो चुका है, और जब अगली बार सिंह को संसद में भाग लेने के लिए समन प्राप्त होगा, तब वह फिर से अदालत का रुख कर सकते हैं। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल सत्य पाल जैन ने कहा कि सांसद संसद से अवकाश के लिए आवेदन कर सकता है और इसके लिए बनी समिति यह तय करती है कि अनुपस्थिति के कारण वैध हैं या नहीं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हिरासत में रहना संसद से अवकाश का एक आधार हो सकता है।

केंद्र और तमिलनाडु सरकार के बीच तीन भाषा नीति का मुद्दा गहराया

स्टालिन सरकार को 8 सीटें खोने का खतरा...

चेन्नई, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के मद्देनजर एनडीए के नेतृत्व वाली केंद्र और तमिलनाडु सरकार के बीच तीन भाषा नीति का मुद्दा गहरा रहा है। केंद्र के साथ कथित रूप से हिंदी थोपने के मुद्दे पर जारी विवाद के बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को चेन्नई में कहा कि राज्य 'एक और भाषा युद्ध' के लिए 'तैयार' है। यह पूछे जाने पर कि क्या केंद्र के कथित रूप से हिंदी थोपने के मद्देनजर एक और भाषा युद्ध के बीज बोए जा रहे हैं'', स्टालिन ने जवाब दिया, ''हां, निश्चित रूप से। और हम इसके लिए तैयार हैं।

सत्तारूढ़ डीएमके तीन भाषा नीति का विरोध कर रही है और जोर दे रही है कि तमिलनाडु, तमिल एवं अंग्रेजी से संतुष्ट है, और उसने केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर ''हिंदी थोपने'' का आरोप लगाया है। हालांकि केंद्र सरकार ने इस आरोप का खंडन किया है।

सचिवालय में कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करने के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि लोकसभा परिसीमन मुद्दे पर चर्चा के लिए 5 मार्च को सर्वदलीय बैठक बुलाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु को आठ सीट खोने का खतरा है, क्योंकि

राज्य ने परिवार नियोजन कार्यक्रम को सफलतापूर्वक लागू किया है, जिससे जनसंख्या नियंत्रण हुआ है।

उन्होंने कहा, क्योंकि परिसीमन के नाम पर दक्षिणी राज्यों पर तलवार लटक रही है। राज्य सभी विकास सूचकांकों में अग्रणी था, लेकिन अब परिसीमन के बाद लोकसभा सीटों पर हार का खतरा सामने है, क्योंकि यह प्रक्रिया राज्य की जनसंख्या पर आधारित होगी।

उन्होंने कहा, तमिलनाडु ने परिवार नियोजन कार्यक्रम के माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण में सफलता प्राप्त की। सिर्फ इसलिए कि जनसंख्या कम है, (तमिलनाडु में) लोकसभा सीटों में कटौती की स्थिति है।

स्टालिन ने कहा, हम आठ सीटें खोने जा रहे हैं और परिणामस्वरूप, हमारे पास केवल 31 सांसद होंगे, न कि 39 (वर्तमान संख्या)।

उन्होंने कहा,'हमारा प्रतिनिधित्व (संसद में) कम हो जाएगा, तमिलनाडु की आवाज दबाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के साथ पंजीकृत राजनीतिक दलों को सर्वदलीय बैठक के लिए आमंत्रित किया जाएगा और उन्होंने राजनीतिक मतभेदों को दूर करते हुए एकता की अपील की।

स्टालिन ने कहा कि एनईपी, केंद्रीय कोष और एनईईटी जैसे मुद्दों पर संसद में आवाज उठाने के लिए पर्याप्त संख्या में सांसदों की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह तमिलनाडु के अधिकारों का मामला है और सभी नेताओं एवं राजनीतिक दलों को इस मुद्दे पर पार्टी लाइन से हटकर एक साथ बोलना चाहिए ।

बरेली के गैंगस्टर सद्दाम और लल्ला गद्दी पर बड़ी कार्रवाई

5.29 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क

बरेली, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

बरेली में माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ के साले अब्दुल समद उर्फ सद्दाम और उसके सहयोगी मोहम्मद रजा उर्फ लल्ला गद्दी की संपत्ति मंगलवार को कुर्क कर दी गई। सोमवार को ही दोनों को कुर्की का नोटिस तामील करा दिया गया था। मंगलवार दोपहर पुलिस प्रशासन की टीम हरुनगला पहुंची। यहां दोनों आरोपियों की 5.29 करोड़ रुपए की संपत्ति पर कब्जा कर लिया गया। गैंगस्टर एक्ट के तहत बदायूं जेल में बंद सद्दाम और उसके साथी लल्ला गद्दी की बारादरी थाना क्षेत्र के हरूनगला स्थित तीन बीघा जमीन को कुर्क किया गया है।

जिला मजिस्ट्रेट रविंद्र कुमार ने बताया कि 15 दिन में संपत्ति कुर्क करने का आदेश एसडीएम सदर को दिया था। सद्दाम बदायूं जेल में बंद है।

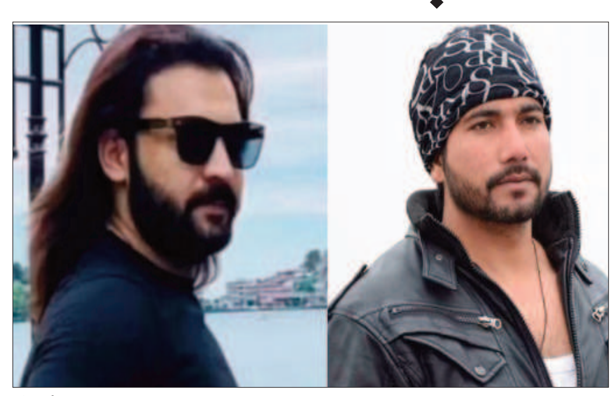

लल्ला गद्दी हाल में जमानत पर जेल से बाहर आया है। सदर तहसील की टीम ने बदायूं जेल में संपर्क कर नोटिस तामील कराया। जारी आदेश के अनुसार सद्दाम व लल्ला गद्दी की हरूनगला स्थित भूमि गाटा संख्या 530 व 531 रकबा 1.580 हेक्टेयर में से 1/10 भाग करीब तीन बीघा भूमि को गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 की धारा (14) 1 के तहत राज्य सरकार के पक्ष में कुर्क किया गया। इसकी अनुमानित कीमत 5,29,44,360 रुपए है। एसएसपी की रिपोर्ट पर डीएम ने कुर्की का आदेश दिया था।

बदायूं जेल में बंद सद्दाम ने बरेली में रहते हुए उमेश पाल हत्याकांड में अशरफ का सहयोग किया और बरेली जेल में बंद रहने के दौरान उसके लिए सुविधाओं का इंतजाम किया। विवेचना और कार्रवाई में यह तथ्य सामने आए। लल्ला गद्दी स्थानीय होने के नाते अशरफ के सहारे शहर में अपनी राजनीति चमकाना चाहता था। उसका यह भी मकसद था कि खुश होकर माफिया अशरफ उसको इनाम दे और सद्दाम के जरिये काली कमाई उसके द्वारा बतायी गई जमीनों में लगा दे। लल्ला गद्दी काफी हद तक इसमें कामयाब भी हो रहा था।

लल्ला गद्दी के इशारे पर सद्दाम ने हरूनगला की जमीन में निवेश किया। पुलिस की छानबीन में पूरा मामला खुल गया। लल्ला गद्दी के साथी फुरकान ने सद्दाम को प्रॉपर्टी डीलर फरहद उर्फ गुड्डू से भी मिलवाया था। मुंशीनगर में फरहद के नाम से जमीन लेने की तैयारी थी, लेकिन लल्ला गद्दी ने तेजी दिखाकर इलियास और जाहिद के नाम पर हरूनगला स्थित जमीन का इकरारनामा करा दिया। लल्ला गद्दी ने फंसने के डर से बैनामे के बजाय इलियास और जाहिद के नाम से जमीन का एग्रीमेंट कराया। पुलिस ने गैंगस्टर की कार्रवाई के बाद जब गिरोह के गुर्गों की जमीन और खातों की जानकारी खंगाली तो हरूनगला में स्थित जमीन का मामला सामने आया।

बंगाली नव वर्ष पर गौकशी की कट्टरपंथियों ने दी धमकी

'पोहेला बोइशाख' को इस्लामी जलसे में बदलने की कोशिशों पर युनुस सरकार चुप

ढाका, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में बंगाली नववर्ष को इस्लामिक त्योहार में बदलने की कोशिश हो रही है। कुछ कट्टरपंथी 14 अप्रैल को होने वाले पोहेला बोइशाख के मौके पर 100 गायों को काटने की धमकी दे रहे हैं। ये त्योहार दो महीने से भी कम वक्त में आने वाला है और इससे हिंदू समुदाय के लोग खासे परेशान हैं। पोहेला बोइशाख वसंत के आने और फसल के मौसम की खुशी का त्योहार है।

ढाका के रमना पार्क में हर साल रमना बतमूल बरगद के पेड़ के नीचे पोहेला बोइशाख के मौके पर बड़ा सांस्कृतिक आयोजन होता है। इस कार्यक्रम को छायानट संगीत विद्यालय चलाता है, जो 1961 में बना था और बंगाली संस्कृति व संगीत को बढ़ावा देता है।

18 फरवरी को बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सलाहकार मोस्तफा सरवर फारूकी से इस धमकी के बारे में पूछा गया। एक रिपोर्टर ने बताया कि ये धमकियाँ सोशल मीडिया पर खुलेआम दी जा रही हैं। लेकिन फारूकी ने इसे हल्के में लिया और कहा, सोशल मीडिया पर तो लोग बहुत कुछ कहते हैं, हम हर बात का जवाब नहीं दे सकते। रिपोर्टर ने कहा कि सोशल मीडिया की धमकियाँ असल जिंदगी में हमलों में बदल सकती हैं।

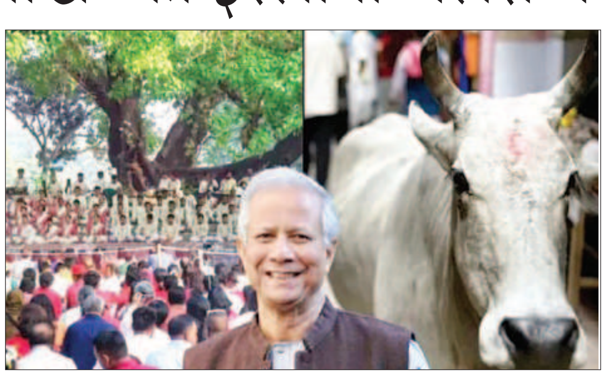

फारूकी ने फिर कहा, पोहेला बोइशाख बड़ा त्योहार है। इसे हमेशा की तरह ही मनाया जाएगा। बस इतना कह सकता हूँ। हालाँकि इस्लामिक कट्टरपंथियों की भीड़ लगाकर हिंदुओं के आयोजनों पर हमले बोलती रही है, जो खुद को तौहीदी जनता कहती है।

मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार इस्लामिक कट्टरपंथियों को शह दे रही है। यूनुस ने इन भीड़ के हमलों को रोकने के लिए कुछ नहीं कहा। उसकी सरकार ने कट्टर इस्लामिक नेताओं और दोषी आतंकियों को रिहा किया है और हिंदुओं पर हमलों को 'झूठा', 'बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया' या 'राजनीति से प्रेरित' कहकर खारिज किया है।

रमना पार्क में 100 गायों को काटने की धमकी को गंभीरता से लेना चाहिए। पहले भी 14 अप्रैल 2001 को इस्लामिक आतंकी संगठन हरकत-उल-जिहाद-अल-इस्लाजी ने रमना पार्क में दो बम धमाके किए थे, जिसमें 9 लोग मारे गए थे और 50 से ज्यादा घायल हुए थे।

उस हमले के 8 आतंकियों मुफ्ती अब्दुल हन्नान, मौलाना अकबर हुसैन, मौलाना मोहम्मद ताजुद्दीन, हाफिज जहाँगीर आलम बादर, मौलाना अबु बकर, मुफ्ती शफीकुर रहमान, मुफ्ती अब्दुल हई और आरिफ हसन को 2014 में फाँसी की सजा सुनाई गई थी।

इस मामले में कुछ और आतंकियों मौलाना अबु ताहेर, मौलाना सब्बीर उर्फ अब्दुल हन्नान, मौलाना याहिया, मौलाना शौकत उस्मान, मौलाना अब्दुर रऊफ और शहादत उल्लाह को उम्रकैद की सजा मिली। लेकिन ताजुद्दीन, हाफिज जहाँगीर, मौलाना अबु बकर, मुफ्ती शफीकुर और मुफ्ती हई जैसे आतंकी 24 साल बाद भी फरार हैं।

मुहम्मद यूनुस की सरकार की तरफ से पोहेला बोइशाख पर धमकियों के खिलाफ कोई ठोस भरोसा नहीं मिला है। ऐसे में हिंदू समुदाय इस त्योहार से पहले डरा हुआ है। बता दें कि शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं पर जमकर अत्याचार हुए हैं, हालाँकि यूनुस सरकार इन हमलों को लगातार छिपाने में लगी है।

यह बहुत अजीब है, हम पड़ोसी देश के मामले में कैसे दखल दें...

हिंदुओं की सुरक्षा के सवाल पर बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के चीफ जस्टिस जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा से जुड़ी जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया. यह याचिका भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव समिति के अध्यक्ष और इस्कॉन मंदिर संचालन बोर्ड के उपाध्यक्ष राजेश ढांडा ने दायर की थी। इसमें बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों पर लक्षित हिंसा से हिंदुओं की सुरक्षा की मांग की गई थी। सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान साफ कहा कि यह मामला विदेश नीति और पड़ोसी देश के आंतरिक मामलों से जुड़ा है, इसलिए शीर्ष अदालत इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। सीजेआई खन्ना ने साफ कहा,यह पड़ोसी देश का मामला है, और यह अदालत वहां के मामलों में दखल नहीं दे सकती। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, सीजेआई ने आगे कहा, यह बहुत ही अजीब होगा अगर अदालत दूसरे देश के मामले में हस्तक्षेप करेगी। उन्होंने फिर आगे कहा, हम कैसे इस मामले में दखल दे दें, वह हमारा पड़ोसी देश है, उसके मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकते! इसके बाद अदालत की सलाह पर याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वकील मुकुल रोहतगी ने याचिका वापस ले ली, और अदालत ने इस याचिका को खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की थी। साथ ही भारत में शरण लेने वाले बांग्लादेशी हिंदुओं के लिए नागरिकता आवेदन की समय सीमा बढ़ाने की मांग की थी। इसके अलावा भारतीय विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय को बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं को मदद देने का निर्देश देने की भी गुजारिश की गई थी। इंटरनेशनल कानून के तहत बांग्लादेश पर वैश्विक दबाव बनाने की अपील भी इस याचिका में की गई थी, ताकि वहां हिंदुओं पर हो रहे हमले रोके जा सकें।

केसीसी की राशि 10 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली , 25 फरवरी (एजेंसियां)।

ऑपरेटिव किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की राशि दिसंबर 2024 में 10 लाख करोड़ को पार कर गई, जिससे 7.72 करोड़ किसानों को लाभ हुआ है।

वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि केसीसी खातों के तहत राशि मार्च 2014 में 4.26 लाख करोड़ रुपए से दोगुनी से अधिक होकर दिसंबर 2024 में 10.05 लाख करोड़ रुपए हो गई है। यह कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए किसानों को प्रदान किए जाने वाले किफायती कार्यशील पूंजी ऋण की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। यह कृषि में ऋण गहनता और गैर-संस्थागत ऋण पर निर्भरता में कमी का प्रतिबिंब है।

किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) एक बैंकिंग उत्पाद है जो किसानों को बीज, उर्वरक और कीटनाशकों जैसे कृषि इनपुट खरीदने के साथ-साथ फसल उत्पादन और संबद्ध गतिविधियों से संबंधित नकदी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समय पर और किफायती ऋण प्रदान करता है।

2019 में, केसीसी योजना को संबद्ध गतिविधियों, जैसे पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को कवर करने के लिए विस्तारित किया गया था।

भारत सरकार, संशोधित ब्याज अनुदान योजना के तहत, 7 प्रतिशत प्रति वर्ष की रियायती ब्याज दर पर के सी सी के माध्यम से 3 लाख रुपये तक के अल्पकालिक कृषि ऋण प्रदान करने के लिए बैंकों को 1.5 प्रतिशत की ब्याज अनुदान प्रदान करती है।

ऋण के समय पर पुनर्भुगतान पर किसानों को 3 प्रतिशत का अतिरिक्त शीघ्र पुनर्भुगतान प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है, जो प्रभावी रूप से किसानों के लिए ब्याज दर को 4 प्रतिशत तक कम कर देता है। छोटे और सीमांत किसानों के लिए ऋण तक परेशानी मुक्त पहुँच सुनिश्चित करने के लिए 2 लाख रुपए तक के ऋण को संपार्श्विक-मुक्त आधार पर बढ़ाया जाता है।

सर्राफा बाजार में तेजी, सोना 88 हजार पार

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख है। इस तेजी के कारण देश के कई हिस्सों में 24 कैरेट सोना 88 हजार रुपये के स्तर को पार कर गया। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,880 रुपये से लेकर 88,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 80,550 रुपये से लेकर 80,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी 600 रुपये की तेजी आई है। इस तेजी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,01,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 88,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,550 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 88,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 88,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 87,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

कई कंपनियां अपनी मोटरसाइकिल पर दे रही हैं बड़े डिस्काउंट

नई दिल्ली। कई कंपनियां ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए अपनी मोटरसाइकिल पर बड़े डिस्काउंट दे रही हैं। इसी क्रम में मोटो मोरिनी ने अपनी लोकप्रिय बाइक सेइमेज्जो 650 स्क्रैम्बलर की कीमत में 1.90 लाख रुपये की भारी कटौती की है। इस कटौती के बाद बाइक की नई एक्स-शोरूम कीमत 5.20 लाख रुपये हो गई है, जो पहले 7.10 लाख रुपये थी। हालांकि, इस डिस्काउंट के बावजूद बाइक के डिजाइन और मैकेनिक्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह 649सीसी, पैरेलल-ट्विन, लिक्विड-कूल्ड इंजन के साथ आती है, जो 54बीएचपी की पावर और 54 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन अपनी बेहतरीन परफॉर्मेंस, शानदार मिड-रेंज और हाई रिफाइनमेंट लेवल के लिए जाना जाता है। बाइक को मजबूत ट्यूबलर फ्रेम पर बनाया गया है और इसमें अपसाइड-डाउन फ्रंट फोर्क्स और रियर मोनोशॉक सस्पेंशन दिया गया है। सेइमेज्जो 650 स्क्रैम्बलर में 19-इंच का फ्रंट और 17-इंच का रियर ट्यूबलेस वायर-स्पोक व्हील दिया गया है। इसके अन्य फीचर्स में ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, फुल-एलईडी लाइटिंग, स्विचेबल डुअल-चैनल एबीएस और 5-इंच का टीएफटी डिस्प्ले शामिल हैं। भारतीय बाजार में इसका सीधा मुकाबला रॉयल एनफील्ड बियर 650 से होगा।

रिलायंस असम में 50,000 करोड़ का निवेश करेगी: अंबानी

गुवाहाटी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने मंगलवार को कहा कि उनकी कंपनी ने अगले पांच वर्ष में असम में पांच अलग-अलग क्षेत्रों में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है। एडवांटेज असम व्यापार शिखर सम्मेलन में अंबानी ने कहा कि यह पैसा असम को प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा (एआई) के लिए तैयार करने पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2018 के निवेश शिखर सम्मेलन में मैंने 5,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की थी। तब से निवेश 12,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। यह राशि चौगुनी हो जाएगी और हम अगले पांच वर्ष में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। अंबानी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में इस राशि का उपयोग किया जाएगा, उनमें हरित व परमाणु ऊर्जा, खाद्य व गैर-खाद्य उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला और रिलायंस के खुदरा स्टोर का विस्तार शामिल है।

केटीएम में 1,360 करोड़ का अतिरिक्त निवेश करेगी बजाज ऑटो

नई दिल्ली। यूरोपीय मोटरसाइकिल ब्रांड केटीएम में स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो करीब 1,360 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने की योजना बना रही है। यह कंपनी केटीएम मोटरसाइकिलों के मालिक पियरर मोबिलिटी एजी के करीब 75 प्रतिशत हिस्से को नियंत्रित करती है। बजाज ऑटो इंटरनेशनल होल्डिंग्स बीवी ऑस्ट्रिया में पियरर बजाज एजी (पीबीएजी) में 49.9 प्रतिशत हिस्सेदारी रखती है। नवंबर 2024 में केटीएम ने अपनी फाइनेंशियल स्थिति को लेकर चिंता जाहिर की थी और इमरजेंसी फंड की जरूरत बताई थी। अब बजाज ऑटो ने घोषणा की है कि उसके बोर्ड ने केटीएम में 150 मिलियन यूरो (करीब 1,360 करोड़ रुपये) के निवेश को मंजूरी दे दी है। इससे संभावना बढ़ गई है कि यह फंड यूरोप में केटीएम की वित्तीय स्थिति मजबूत करने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस निवेश के बाद बजाज केटीएम का सबसे बड़ा शेयरधारक बनेगा या नहीं। बजाज ऑटो और केटीएम के बीच वर्षों से मैन्युफैक्चरिंग और मार्केटिंग का गठजोड़ रहा है। भारत में केटीएम ब्रांड की निरंतर उपस्थिति के लिए यह सहयोग काफी महत्वपूर्ण रहा है। 1992 में स्टीफन पियरर ने केटीएम का अधिग्रहण किया था, जब यह कंपनी दिवालियापन के कगार पर थी। 2007 में बजाज ऑटो ने केटीएम में निवेश किया और 14.5 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। बाद में बजाज ने केटीएम के साथ अपनी भागीदारी बढ़ाई और दोनों कंपनियों के बीच कई मैन्युफैक्चरिंग समझौते हुए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अनिश्चितताओं के ...

क्षमताओं और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर भरोसा है। असम दक्षिण पूर्व एशिया और भारत के बीच एक प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में उभर रहा है। इस क्षमता को बढ़ाने के लिए, सरकार ने पूर्वोत्तर औद्योगिकीकरण परिवर्तन योजना, उन्नति शुरू की है।

उन्होंने कहा कि असम की क्षमताओं का एक उदाहरण असम चाय है। इस ब्रांड ने 200 साल पूरे कर लिये हैं। यह विरासत असम को अन्य क्षेत्रों में भी उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि असम सेमीकंडक्टर विनिर्माण के एक केंद्र के रूप में उभर रहा है। हाल में टाटा समूह ने असम के जागीरोड में एक उन्नत सेमीकंडक्टर एसेम्बली संयंत्र का काम शुरू किया है। इस कारखाने से पूरे पूवोत्तर क्षेत्र में तकनीकी उद्यमों की वृद्धि प्रेरित होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने हरित ऊर्जा के क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति की है। इस क्षेत्र में एक साल में 10 अरब डालर का निवेश हुआ है। इससे नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की गति तेज हुई और पिछले एक साल में ही स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार के 10 लाख से अधिक अवसर उत्पन्न हुए हैं।

6 साल में...

यह रिपोर्ट आम आदमी पार्टी के शासनकाल (2017-2022) के दौरान की गई 14 लंबित ऑडिट रिपोर्ट्स का हिस्सा है, जिन्हें अब भारतीय जनता पार्टी की नई सरकार ने सदन में पेश करने का फैसला किया है। इन रिपोर्ट्स से आप सरकार के प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। कैग की 14 रिपोर्ट्स में से शराब नीति पर एक के अलावा 13 अन्य रिपोर्ट्स भी पेश की जानी हैं। इनमें राज्य वित्त ऑडिट, वाहन प्रदूषण पर खर्च, शीश महल (मुख्यमंत्री आवास नवीकरण) पर 33.66 करोड़ का अतिरिक्त खर्च, सार्वजनिक स्वास्थ्य ढाँचे (मोहल्ला क्लीनिक), शिक्षा विभाग, सामाजिक योजनाएँ (मुफ्त बिजली-पानी), आर्थिक परियोजनाएँ (सड़कें-पुल), सार्वजनिक उपक्रमों की स्थिति, सामान्य प्रशासनिक खर्च, पर्यावरण नीतियाँ (कचरा प्रबंधन), और डीटीसी का वित्तीय प्रबंधन शामिल हैं। दिल्ली परिवहन निगम की स्थिति को लेकर कैग रिपोर्ट ने सबसे चौंकाने वाले तथ्य सामने रखे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, डीटीसी का घाटा 2015-16 में 25,300 करोड़ था, जो 2021-22 तक बढ़कर 60,750 करोड़ हो गया। पिछले छह वर्षों में यह घाटा 35,000 करोड़ तक बढ़ा, जिसे आम आदमी पार्टी सरकार की लापरवाही और ठोस योजना की कमी का परिणाम माना जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि डीटीसी की 45% बसें कबाड़ हो चुकी हैं और मार्च 2022 तक इसके पास केवल 3,937 बसें थीं। जबकि दिल्ली हाई कोर्ट ने 2007 में 11,000 बसों का बेड़ा अनिवार्य बताया था। यह संख्या बाद में कैबिनेट द्वारा 5,500 तक सीमित कर दी गई, लेकिन वह भी हासिल नहीं हुई।

डीटीसी की समस्याएँ यहीं खत्म नहीं होतीं। साल 2009 से बस किराये में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई, और महिलाओं को मुफ्त बस सेवा शुरू करने से वित्तीय बोझ और बढ़ गया। कैग ने बताया कि 468 रूट्स पर चलने वाली बसें अपनी परिचालन लागत भी वसूल नहीं कर पाईं, जिससे 2015-22 के बीच 14,199 करोड़ का अतिरिक्त नुकसान हुआ। अरविंद केजरीवाल ने 2015 में 10,000 नई बसें लाने का वादा किया था, लेकिन 2022 में केवल 300 बसें खरीदी गईं। ऋ-चए-ख योजना के तहत 49 करोड़ की केंद्रीय सहायता का लाभ भी नहीं उठाया गया, और ऋ-चए-खख के तहत इलेक्ट्रिक बसों के अनुबंध की अवधि 12 से घटाकर 10 साल कर दी गई।

रिपोर्ट में रूट प्लानिंग की कमियों को भी उजागर किया गया। डीटीसी की बसें हर 10,000 किमी में 2.9 से 4.5 बार खराब होती हैं, जो राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। इसके विपरीत, निजी क्लस्टर बसें बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन और सीसीटीवी सिस्टम जैसे प्रोजेक्ट्स भी नौ साल बाद अधूरे हैं। दिल्ली सरकार ने 2015-22 के बीच डीटीसी को 13,381 करोड़ का अनुदान दिया, लेकिन घाटा कम करने के लिए कोई ठोस बिजनेस प्लान या चेण तैयार नहीं किया गया।

सज्जन कुमार...

सिखों की हत्या और गुरुद्वारा जलाने के मामले में आजीवन कारावास की सजा दी गई थी।

1984 में सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और उनके बेटे की हत्या दंगाइयों ने की थी, और उन्हें जिंदा जला दिया गया था। 12 फरवरी 2025 को सज्जन कुमार को दोषी ठहराया गया और 25 फरवरी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

1984 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या 31 अक्टूबर को हुई। इसके बाद 1 नवंबर 1984 को दिल्ली और अन्य जगहों पर सिख विरोधी दंगे भड़क उठे। दिल्ली में करीब 2700 लोग मारे गए, जबकि पूरे देश में यह संख्या करीब 3500 थी।

साइबर हमलों जैसी...

उन्होंने कहा, हमारी सशक्त सुरक्षा को मैं, सशक्त कृषि, सशक्त शिक्षा, सशक्त स्वास्थ्य, सशक्त अर्थव्यवस्था, सशक्त विज्ञान और प्रौद्योगिकी और संपूर्ण राष्ट्रीय और सामाजिक सशक्तीकरण से जोड़कर देखता हूँ। हमारे सपनों का भारत तभी सशक्त हो सकेगा, जब हमारी सुरक्षा व्यवस्था और हमारे सुरक्षा बल सशक्त होंगे।

श्री सिंह ने कहा कि सरकार तटरक्षक बल की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। तटरक्षक बल को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 9,676 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष के बजट की तुलना में 26.60 प्रतिशत अधिक है। यह तटरक्षक बल को आधुनिक बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि तटरक्षक बल के लिए 14 गश्त नौका, 6 एयर कुशन व्हीकल, 22 इंटरसेप्टर बोट , 6 अपटीय गश्त पोत और अगली पीढी की 18 गश्त नौका की खरीद की मंजूरी दी गयी है। इससे आने वाले समय में तटरक्षक बल की क्षमता तथा ताकत दोनों बढेंगी।

रक्षा मंत्री ने कहा कि तटरक्षक बल ने, खुद भी तकनीकी उन्नति पर ध्यान दिया है और महिपालपुर में डिजिटल कोस्ट गार्ड प्रोजेक्ट की नींव रखी है। इन सभी प्रयासों से तटरक्षक बल को मजबूती मिलेगी और वह पारंपरिक तथा गैर पारंपरिक खतरों से प्रभावी ढंग से निपट सकेगा। उन्होंने आश्वास्त किया कि सरकार हमेशा तटरक्षक बल के साथ खड़ी है।

उन्होंने कहा कि तटरक्षक बल के कर्मी विषम परिस्थितियों में तटीय सुरक्षा के साथ साथ विभिन्न बचाव अभियानों में साहसिक कार्यों को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि तटरक्षक बल अपनी स्थापना से लेकर आज एक अजेय बल के रूप में विकसित हुआ है। इस बल ने दुनिया भर में अपनी एक अलग पहचान बनायी है।

इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह , तटरक्षक बल के महानिदेशक परमेश शिवमणि और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

गेनबिटकॉइन घोटाले...

यह योजना वैरिएबलटेक प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के नाम के नीचे कई वेबसाइटों के माध्यम से संचालित होती थी।

धोखाधड़ी वाली इस योजना ने निवेशकों को 18 महीनों तक बिटकॉइन में 10 प्रतिशत मासिक आकर्षक रिटर्न का वादा करके लुभाया। निवेशकों को एक्सचेंजों से बिटकॉइन खरीदने और क्लाउड माइनिंग अनुबंधों के माध्यम से गेनबिटकॉइन के साथ निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। मॉडल ने मल्टी-लेवल मार्केटिंग संरचना का पालन किया, जो आमतौर पर पिरामिड संरचित पोंजी योजनाओं से जुड़ा होता है, जहाँ भुगतान नए निवेशकों को लाने पर निर्भर करता था।

शुरू में, निवेशकों को बिटकॉइन में भुगतान मिलता था। हालाँकि 2017 तक नए निवेशों की आमद कम होने के कारण, यह योजना ढहने लगी। घाटे को कवर करने के प्रयास में, गेनबिटकॉइन ने एकतरफा भुगतान को एमसीएपी नामक अपनी कथित इन-हाउस क्रिप्टोकरेंसी में बदल दिया, जिसका मूल्य बिटकॉइन से काफी कम था, जिससे निवेशक और भी गुमराह हो गए।

इस मामले में देश भर में कई प्राथमिकी दर्ज की गईं, जिसमें बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया। घोटाले के विशाल पैमाने और जटिलता को देखते हुए, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों में दर्ज मामलों को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सीबीआई को हस्तांतरित कर दिया गया। सीबीआई ने इन मामलों को अपने हाथ में ले लिया और धोखाधड़ी को उजागर करने, सभी आरोपी पक्षों की पहचान करने और अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन सहित गलत तरीके से इस्तेमाल की गई धनराशि का पता लगाने के लिए व्यापक जांच की। तलाशी के दौरान कुछ क्रिप्टो वॉलेट, आपत्तिजनक डिजिटल साक्ष्य और डिजिटल डिवाइस जब्त किए गए हैं। ईमेल और क्लाउड में मौजूद साक्ष्य भी जब्त किए गए हैं। सीबीआई पूरी तरह से निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने और इस बड़े पैमाने पर क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। मामले की जांच जारी है।

ऐसा घिनौना ...

गलतफहमी भी नहीं होगी। दरअसल, यह विवाद तब बढ़ा जब मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया कि इंडिया कोऑपरेटिव बैंक की तरफ से प्रीति जिंटा के 18 करोड़ रुपये माफ कर दिए गए हैं। न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक को कुछ समय पहले ही अनियमितताओं के चलते समस्याओं का सामना करना पड़ा था, जिससे ग्राहकों को उनके पैसे मिलने में दिक्कतें हुई। उस समय ऐसी खबरें सामने आई थीं कि बैंक ने नियमों का पालन किए बिना कुछ लोगों को बड़ा कर्ज दिया था और उनके कर्ज भी माफ कर दिए हैं। बताया गया कि इस सूची में अभिनेत्री प्रीति जिंटा का भी नाम था।

बता दें कि प्रीति जिंटा बॉलीवुड इंडस्ट्री से बीते कई वर्षों से दूर हैं। उन्होंने साल 2016 में बिजनेसमैन लॉस एंजिल्स बेस्ड फाइनेंस एनालिस्ट जीन गुडइनफ से शादी की थी, जिसके बाद वह विदेश में बस गईं। प्रीति जिंटा पंजाब किंग्स (आईपीएल की टीम) की मालकिन हैं। उनके पास करोड़ों की संपत्ति है। सोमवार (24 फरवरी) को प्रीति जिंटा प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में पहुंची थीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर गले में गेंदे के फूलों की माला पहने हुए अपनी एक फोटो शेयर की थी। साथ में कैप्शन में लिखा था, सभी रास्ते महाकुंभ की ओर जाते हैं। सत्यम शिवम सुंदरम।

कोर्ट ने चारों ...

15 फरवरी को ब्यावर जिले के बिजयनगर थाने में नाबालिग लड़की ने मामला दर्ज कराया था। इसके बाद एक अन्य नाबालिग ने मामला दर्ज कराया। फिर तीन लड़कियों के पिता की ओर से भी रिपोर्ट दी गई। आरोपियों ने प्राइवेट स्कूल में पढ़ रही नाबालिग लड़कियों का रेप किया और उनकी अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर रहे थे। उन्हें होटल में बुलाते और जबरन कलमा पढ़ने, रोजा रखने और धर्मांतरण के लिए मजबूर कर रहे थे। पुलिस ने पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया। सोहेल मंसूरी, रिहान, अफराज और लुकमान को गिरफ्तार किया गया।

बिजयनगर थाना प्रभारी करण सिंह की अगुवाई में आरोपियों को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया। सुरक्षा के मद्देनजर अजमेर पॉक्सो कोर्ट में सीओ रूद्रप्रकाश के नेतृत्व में चार थानों का पुलिस बल तैनात रहा। सरकारी वकील रूपेंद्र परिहार ने बताया कि कोर्ट में मंगलवार को चार आरोपियों सोहेल मंसूरी, रिहान, अफराज, लुकमान को पेश किया गया। चारों पर बिजयनगर थाने में तीन मुकदमे दर्ज हुए थे। उन्हें पांच दिन की रिमांड पर लिया गया था। रिमांड के दौरान इनकी गाड़ी और मोबाइल नंबर से किस-किससे बात हुई, इसकी पूछताछ की गई थी।

पुलिस ने आज कोर्ट में कहा कि आरोपियों से अब जांच की आवश्यकता नहीं है, जिसको देखते हुए कोर्ट ने चारों को जेल भेज दिया है। अब इन चारों आरपियों की क्रॉस पूछताछ की जा सकती है। इसके लिए आवश्यकता पड़ने पर प्रोडक्शन वारंट पर चारों को गिरफ्तार किया जा सकता है।

सरकारी वकील ने बताया कि इन चारों आरोपियों की नाबालिग को मोबाइल देना, रेस्टोरेंट और कैफे में बुलाकर डरा धमका कर रोजा रखने, कलमा पढ़वाने रेप और अन्य गतिविधि में अहम रोल था। थाना प्रभारी करण सिंह ने बताया कि तीन प्रकरणों में चार आरोपी थे। जिन्हें जांच के बाद जेल भेज दिया है। सभी से घटना स्थल की तस्दीक की गई है। लुकमान और सोहेल रेप में शामिल हैं। बाकी पर अलग-अलग आरोप हैं।

भाजपा अध्यक्ष...

उन्हें इस दौड़ में एक मजबूत उम्मीदवार बनाता है। तेलंगाना में हाल ही में हुए चुनावों में बीजेपी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिसमें रेड्डी की रणनीतिक भूमिका रही।

बंडी संजय कुमार : दूसरा बड़ा नाम बंडी संजय कुमार का है जो इस समय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री हैं। बंडी संजय तेलंगाना के करमनगर से सांसद हैं और राज्य में हिंदुत्व की राजनीति को मजबूती देने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने बतौर प्रदेश अध्यक्ष कई आक्रामक आंदोलन किए। जिससे बीजेपी को तेलंगाना में नई पहचान मिली। उनका जमीनी संगठन कौशल और कार्यकर्ताओं में लोकप्रियता उन्हें इस रेस में आगे रखती है।

प्रह्लाद जोशी : तीसरे बड़े दावेदार प्रह्लाद जोशी हैं जो इस समय केंद्रीय उपभोक्ता मामले मंत्री हैं। कर्नाटक से आने वाले जोशी ब्राह्मण समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और पार्टी में सीनियर नेता माने जाते हैं। कर्नाटक में बीजेपी के सत्ता से बाहर होने के बाद अब पार्टी राज्य में दोबारा वापसी की रणनीति बना रही है। जोशी का अनुभव और सरकार के साथ उनकी अच्छी तालमेल उन्हें एक मजबूत उम्मीदवार बनाता है।

बीजेपी ने उत्तर और पश्चिम भारत में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है लेकिन दक्षिण भारत अभी भी एक चुनौती बना हुआ है। कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल में पार्टी को और विस्तार की जरूरत है। दक्षिण भारतीय राज्यों में बीजेपी का वोट शेयर अब भी कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों से पीछे है। ऐसे में पार्टी नेतृत्व किसी दक्षिण भारतीय नेता को कमान सौंपकर इस क्षेत्र में अपनी पकड़ को मजबूत करना चाहता है। इससे स्थानीय मतदाताओं के बीच एक सकारात्मक संदेश जाएगा और पार्टी के विस्तार की संभावना बढ़ेगी।

बीजेपी के नए अध्यक्ष को केवल दक्षिण भारत ही नहीं बल्कि पूरे देश में संगठन को मजबूत करने की चुनौती होगी। पार्टी को नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों में अपनी पकड़ और मजबूत करनी होगी जहां अब भी कई समुदायों में उसे स्वीकृति बनाने की जरूरत है। इसके अलावा युवा नेतृत्व को आगे लाना और पार्टी की डिजिटल रणनीति को और प्रभावी बनाना भी अहम कार्य होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी के बाद पार्टी की अगली रणनीति और नेतृत्व की दिशा इसी चुनाव से तय होगी।

दूसरे राज्य में ...

कर्नाटक जाने वाली महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रान्सपोर्ट कॉर्पोरेशन (एमएसआरटीसी) की बसों को सस्पेंड करने का आदेश दिया।

उससे पहले, उसी दिन कर्नाटक सरकार के स्वामित्व वाले परिवहन निगम की बस के एक ऑपरेटर पर महाराष्ट्र की सीमा से लगे बेलगावी में एक लड़की को मराठी में जवाब नहीं देने पर कथित तौर पर हमला किया गया।

इन दोनों घटनाओं के बाद से दोनों राज्यों के बॉर्डर वाले इलाकों में तनाव बढ़ गया है। बेलगावी में मराठी भाषी लोगों की अच्छी खासी आबादी है और उनमें से एक वर्ग अक्सर मांग करता है कि कर्नाटक के इस सीमावर्ती जिले को महाराष्ट्र में मिला दिया जाए, जिसका कन्नड समर्थक कार्यकर्ता विरोध करते हैं।

मंत्री सरनाइक ने कहा, 'मराठी हमारा गौरव है और हमें अपने यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना होगा।' उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों राज्यों द्वारा बस सर्विस को सस्पेंड करने के कारण यात्रियों को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। मंत्री ने कहा कि ट्रान्सपोर्ट डिपार्टमेंट के सीनियर अफसर इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कर्नाटक के अपने समकक्षों से बात कर रहे हैं।

सरनाइक ने कहा, परिवहन मंत्री के तौर पर मुझे अपने यात्रियों की सुरक्षा के बारे में सोचना होगा।

अगर कुछ असामाजिक तत्व हैं, तो हमें कर्नाटक जाने वाली अपनी सरकारी बसों में सुरक्षा मार्शल या पुलिस कर्मियों को तैनात करने के बारे में सोचना होगा। उन्होंने आगे कहा, 'मराठी हमारा गौरव है और हमें अपने यात्रियों की सुरक्षा का ध्यान रखना होगा और इस मुद्दे पर राज्य कैबिनेट की बैठक में भी चर्चा की जाएगी।' मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र का अपना गौरव है और अगर पड़ोसी राज्य के लोग महाराष्ट्र के लोगों को धमकाएंगे तो यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो भाग्यनगर
शुभ लाभ
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 26 फरवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल शिक्षा समिति में कॉम्फिएस्टा–2025 सम्पन्न

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित राधे कृष्णा वूमेंस कॉलेज व दुर्गा प्रसाद बनवारी लाल गर्ल्स जूनियर कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम कॉम्फिएस्टा –2025 कॉलेज के तत्व–ावधान में दिनांक 25 फरवरी 2025 को ऑन स्पॉट डांस, व्हिस्पर चैलेंज, एक्सटेंपोर प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें विभिन्न कॉलेज के 170 विद्यार्थियों ने भाग लिया और कॉम्फिएस्टा –2025 का समापन समारोह हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समिति के चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड डॉ0 श्याम सुंदर अग्रवाल ।समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यार्थियों के वंदे मातरम गीत व अतिथियों के दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। कॉलेज की विद्यार्थियों ने मंचासीन गणमान्यों का पुष्पगुच्छ द्वारा स्वागत किया।कॉलेज के व्याख्याता श्रीमती विजयलक्ष्मी ने मुख्य अतिथि डॉ. श्याम सुंदर का परिचय दिया। मुख्य अतिथि डॉ0 श्याम सुंदर ने हृदय से सभी प्रतिभागियों की प्रशंसा करते हुए सभी विजेताओं को बधाई दी।उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेना महत्वपूर्ण है जितना न जितना दूसरी बात है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हर जगह मोती है हाथ बढ़ा कर देखो,माटी में सोना है हाथ बढ़ा कर ले लो। अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कॉम्फिएस्टा –2025 प्रतियोगिता और उत्सव का सम्मिश्रण है ।जो प्रतिभागी जीते है उनकी सराहना की और जो नही जीते है उन्हें भविष्य में और मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। समिति के मानद मंत्री सी ए नवीन कुमार अग्रवाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहाँ कि आज हमकॉम्फिएस्टा –2025 के लिए एकत्रित हुए है ।अक्सर यहां पढ़ाई पर ही जोर दिया जाता है पर हमे दूसरी क्रियाओं में भी कार्यशील होने चाहिए।कम से कम सप्ताह में एक कार्यकलाप होना चाहिए।जो विद्यार्थियों के भविष्य के लिए जरूरी है।इस कार्यकलाप से बच्चों में रचनात्मकता आ रही है और हमारी यह कोशिश आगे भी जारी रहेगी।दुर्गा प्रसाद बनवारी लाल गर्ल्स जूनियर कॉलेज के कॉरस्पॉडेंट व राधे कृष्णा वूमेंस कॉलेज के समन्वयक श्री मनीष कुमार अग्रवाल ने अपने संदेश में सभी का सत्कार करते हुए कहा कि यह उत्सव सभी प्रतिभागीयो की प्रतिभा का प्रदर्शन करने का समय है। आज का यह उत्सव आप लोगों की मेहनत का परिणाम है।राधे कृष्णा वूमेंस कॉलेज के कॉरस्पॉडेंट डॉ. महेश कुमार केडिया ने अपने संदेश में कहा कि आप सभी तारीफ के काबिल है।आप सभी के सहयोग व समर्थन से ही यह प्रतिस्पर्धा सफल हुई है।कॉलेज की प्राचार्या डॉ0 पद्मप्रिया ने समारोह की रिपोर्ट में सभी का स्वागत करते हुए करते हुए व्यवस्थापकों को कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि बच्चों ने इस उत्सव में कई नवीन प्रकार की प्रतियोगिताओं की जानकारी प्राप्त की।इस उत्सव में 11 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई,और आगे भी यह प्रतियोगिताएं चलती रहेगी। कॉरस्पॉन्डेंट महेश कुमार केडिया ने मुख्य अतिथि डॉ 0 श्याम सुंदर अग्रवाल को व कॉरस्पॉन्डेंट श्री मनीष कुमार अग्रवाल ने अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया । मंचासीन गणमान्यों द्वारा प्रतियोगिता में विजित विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।कार्यक्रम के इस अवसर पर मंच पर समिति के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया, मानद मंत्री सी ए नवीन कुमार अग्रवाल,दुर्गा प्रसाद बनवारी लाल गर्ल्स जूनियर कॉलेज के कॉरस्पॉडेंट व राधे कृष्णा वूमेंस कॉलेज के समन्वयक श्री मनीष कुमार अग्रवाल व राधे कृष्णा वूमेंस कॉलेज के कॉरस्पॉडेंट डॉ 0 महेश कुमार केडिया मंचासीन रहे।अवसर पर समिति कीअकादमिक निर्देशिका डॉ0 सरोज जैन, संयुक्त अकादमिक निदेशक डॉ0 राजेश अग्रवाल, कॉलेज की प्राचार्या डॉ0 पद्मप्रिया,प्रभारी प्राचार्या श्रीमती अमतुल हबीबा अन्य संस्थाओं के प्रधानगण, शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन कॉलेज की व्याख्याता श्रीमती आकांक्षा जायसवाल, श्रीमती विजयलक्ष्मी,श्रीमती कामाक्षी बाहेती ने संयुक्त रूप से किया।सभी शिक्षकों ,कार्यालय सदस्यों और समिति के गोवर्धन ,विनोद के सहयोग व कॉलेज के 50 विद्यार्थियों ने दिन रात एक करकर कार्यक्रम को सफल बनाया।कॉलेज की प्रभारी प्राचार्या श्रीमती अमतुल हबीबा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

श्री श्याम मंदिर सेवा समिति, श्री श्याम मंदिर, काचीगुडा द्वारा निकाली गई 'श्री श्याम रथ शोभा यात्रा' के अन्तर्गत निशान कूपन का लक्की ड्रा श्री श्याम मंदिर में निकाला गया । प्रथम पुरस्कार मनीष सेन एवं द्वितीय पुरस्कार मुकेश अग्रवाल को प्राप्त हुआ । अवसर पर उपस्थित मंदिर समिति के मंत्री इन्द्रकरण अग्रवाल, सहमंत्री रामदेव अग्रवाल, पुरुषोत्तम गोयल, पुजारीगण एवं अन्य भक्तगण ।

श्री पहाड़ी श्याम मन्दिर, महेन्द्रा हिल्स, सिकन्दराबाद में एकादशी के उपलक्ष्य में सांवरे के बावरे के तत्वाधान में आयोजित 'फूलों के रंग सांवरे के संग' भजन कार्यक्रम में भजन गायक पंकज ओझा एवं दिपेश जोशी एवं सांवरे के बांवरे के सदस्यों का सम्मान करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, ट्रस्टी अक्षय डाकोतिया, राकेश गर्ग, पंकज सिंगला, अनुज सिंघल, मंजू डाकोतिया, निशा अग्रवाल, सांवरे के बांवरे के अमन सारडा, नितेश अग्रवाल, गोपाल द्विवेदी, गर्व अग्रवाल, तनिष्क अग्रवाल एवं उपस्थित भक्तगण ।

आरएसएस तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष सुंदर रेड्डी ने किया एनआईआईएमएच का दौरा

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तेलंगाना क्षेत्र के अध्यक्ष और तेलंगाना राज्य विद्युत बोर्ड के पूर्व अधीक्षक अभियंता बी. सुंदर रेड्डी ने गड्डीअन्नाराम में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान का दौरा किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. गोली पेंचल प्रसाद ने उन्हें भारतीय चिकित्सा प्रणाली, इस संस्थान और भारत सरकार के तहत अन्य आयुष संस्थानों के कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। तत्पश्चात उन्होंने संस्थान के पुस्तकालय में प्राचीन ग्रंथों और संग्रहालय में ताड़पत्र पांडुलिपि, चिकित्सा उपचार, इतिहास की एक प्रदर्शनी और संस्थान के परिसर में औषधीय पौधों को देखा।

उक्त कार्यक्रम में डॉ. साकेत राम अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) और डॉ. संतोष एस माने अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) और डॉ. बिसवोरंजन दास, अनुसंधान अधिकारी (हेमिोपैथी), पी. मुरली मनोहर (क्यूरेटर), के. प्रियवर्त रेड्डी, सहायक एवं श्री के. श्रीनिवास राव लाइब्रेरियन ने भाग लिया। अंततः प्रभारी सहायक निदेशक जी ने उन्हें ऋतु चर्या, दिन चर्या , नियमित मधुमेह, स्मृति भ्रमसम , आहार सेवन , आयुर्वेदिक ब्रोचर्स भेंट किया । बी. सुंदर रेड्डी ने संस्थान के प्रयासों और गतिविधियों की सराहना की।

श्री श्याम मंदिर, काचीगुडा हैदराबाद में ॐ जय श्री श्याम मित्र मण्डल, गोशामहल के तत्वावधान में एकादशी के उपलक्ष्य में आयोजित 'ग्यारस की रात बाबा श्याम के साथ' में भजन प्रस्तुत करते हुए नागपुर की कृष्णा प्रिया एवं हैदराबाद के सागर व्यास । अवसर पर उपस्थित मंदिर समिति के मंत्र इन्द्रकरण अग्रवाल, सहमंत्री रामदेव अग्रवाल, पुरुषोत्तमदास गोयल, पुरुषोत्तम पारीक, मुख्य पुजारी रामशरण महाराज एवं उपस्थित भक्तगण ।

2के वॉकथॉन का आयोजन

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 24 से 28 फरवरी तक निर्धारित वित्तीय साक्षरता सप्ताह के हिस्से के रूप में, आरबीआई हैदराबाद ने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), तेलंगाना के साथ समन्वय में 25.02.2025 को सुबह 6.30 बजे से उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर, हैदराबाद में 2के वॉकथॉन का आयोजन किया है। वॉकथॉन में विश्वविद्यालय के छात्रों के अलावा लगभग 400 गणमान्य व्यक्तियों, अधिकारियों, आरबीआई और विभिन्न अन्य बैंकों के अधिकारियों ने भाग लिया। वॉकथॉन के बाद सभा को संबोधित करते हुए, भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद के उप महाप्रबंधक श्री टी जगदीश कुमार ने वित्तीय साक्षरता सप्ताह 2025 की थीम, यानी महिला समृद्धि को दो–हराया। इस वर्ष ऋङ्थ का लक्ष्य वर्ग महिलाएँ हैं, जिसके तीन उप–विषय निम्नलिखित हैं– 1) गृहणियों को लक्षित करते हुए वित्तीय नियोजन, (2)कामकाजी महिलाओं को लक्षित करते हुए बचत और जोखिम प्रबंधन, (3) महिला उद्यमियों को लक्षित करते हुए विकास के लिए ऋण प्राप्त करना शामिल हैं।

जगदीश कुमार ने इस बात पर भी जोर दिया कि बैंकरों को अपनी महिला ग्राहकों के बीच अधिक जागरूकता पैदा करनी चाहिए और उन्हें वित्तीय निर्णय लेने के लिए उचित अपडेट से सुसज्जित करना चाहिए ताकि वे वित्तीय रूप से स्मार्ट बन सकें और अपने सभी प्रयासों में समृद्ध हो सकें।

एसबीआई, हैदराबाद सर्कल के सीजीएम श्री राजेश कुमार ने अपने संदेश में वित्तीय सा–क्षरता सप्ताह में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सभी बैंकों की सराहना की। उन्होंने महिलाओं के सर्वोपरि महत्व और सतत आर्थिक विकास के लिए उनके योगदान पर भी जोर दिया। एसबीआई स्त्री शक्ति योजना, एसएचजी–बैंक लिंकेज आदि जैसी योजनाओं के माध्यम से महिला उद्यमियों पर एसबीआई के विशेष फोकस के बारे में बताते हुए उन्होंने अन्य बैंकों से महिला सशक्तिकरण के प्रति केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। उन्होंने प्रभावी जागरूकता पैदा करने के लिए विशेष रूप से महिलाओं के लिए वित्तीय साक्षरता सप्ताह के विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अधिक संख्या में वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

एसबीआई के महाप्रबंधक एवं एसएलबीसी तेलंगाना के संयोजक श्री प्रकाश चंद्र बरोर ने इस आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए आरबीआई और सभी सदस्य बैंकों को धन्यवाद दिया तथा आश्वासन दिया कि बैंकों की सक्रिय भागीदारी से वित्तीय साक्षरता सप्ताह के उद्देश्यों को प्राप्त किया जाएगा।

कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं : नए राशन कार्ड के लिए कौन पात्र है?

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में जीएचएमसी कर्मचारियों और नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने पात्र लाभार्थियों की पहचान करने के लिए सर्वेक्षण किया । हालांकि, अभी भी राशन कार्ड जारी करने के मानदंडों को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है। जब आवेदक पूछते हैं कि राशन कार्ड किस आधार पर वितरित किए जाएंगे, तो अधिकारियों ने कथित तौर पर दावा किया कि वे केवल सर्वेक्षण करने के लिए जिम्मेदार हैं और उनके पास इसके अलावा कोई जानकारी नहीं है। कई आ-वेदक अनिश्चितता में हैं, यह सोचकर कि उन्हें राशन कार्ड मिलेगा या नहीं।

जबकि सरकार ने लोगों को राशन कार्ड के लिए आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया है और उनके जारी होने का आश्वासन दिया है, स्पष्ट दिशा-निर्देश अभी तक जारी नहीं किए गए हैं। न तो सरकार और न ही अधिकारियों को पात्रता मानदंडों पर स्पष्टता है। मंत्रियों और यहां तक कि मुख्यमंत्री ने बार-बार घोषणा की है कि जल्द ही राशन कार्ड वितरित किए जाएंगे। सीएम ने अधिकारियों को एमएलसी चुनाव संहिता के हटते ही वितरण प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश भी दिया है। हालांकि, इस बारे में उचित

दिशा-निर्देशों के बिना कि कौन पात्र है और प्रक्रिया कैसे काम करेगी, अधिकारी खुद को मुश्किल स्थिति में पाते हैं।

आवेदक असमंजस में हैं कि उन्हें यकीन नहीं है कि उन्हें राशन कार्ड मिलेगा या नहीं। कई लोगों ने एक साल के भीतर कई बार आवेदन किया है, जिससे निराशा हुई है और सरकार पर उनका भरोसा खत्म हो गया है।

आवेदन जमा करने के लिए कहे जाने के बावजूद, वे इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि कार्ड वास्तव में जारी किए जाएंगे या नहीं। कुछ लोग अपने आवेदन की स्थिति की जांच करने के लिए अक्सर मीसेवा केंद्रों पर जाते हैं, लेकिन उन्हें कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिलता है। जब वे सर्वेक्षण के दौरान अधिकारियों से पूछते हैं, तो उन्हें बताया जाता है कि अधिकारी खुद अगले चरणों के बारे में नहीं जानते हैं। राशन कार्ड न होने के कारण कई पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाते हैं, जिससे नागरिकों में असंतोष बढ़ रहा है।

मीसेवा के ज़रिए पहले आवेदन जमा करने वाले कई आवेदक तकनीकी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। कई आवेदनों में पेंडिंग, अलॉटेड या स्वीकृत जैसी स्थितियाँ दिखाई देती हैं, जिससे आवेदकों को यह पता नहीं चल पाता कि उन्हें राशन कार्ड मिलेगा या नहीं। मीसेवा के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें यह स्पष्ट नहीं है कि किस स्थिति के तहत राशन कार्ड की गारंटी दी जाती है। आ-वेदक सरकार से प्रत्येक आवेदन स्थिति का अर्थ स्पष्ट करने का अनुरोध कर रहे हैं। पेंडिंग स्थिति वाले लोग इस बात को लेकर विशेष रूप से अनिश्चित हैं कि उन्हें फिर से आवेदन करने की आवश्यकता है या नहीं। जब तक सरकार स्पष्ट निर्देश नहीं देती, तब तक नागरिकों के बीच भ्रम की स्थिति बनी रहेगी।

सत्ता में आने के बाद से, कांग्रेस सरकार ने सभी पात्र व्यक्तियों को नए राशन कार्ड जारी करने का वादा किया था। हालाँकि, इस वादे को पूरा करने के बजाय, इसने लोगों को कई बार आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया है। पिछले एक साल में, आवेदकों ने सार्वजनिक शासन आवेदन, गाँव और वार्ड मीटिंग, प्रजावाणी कार्यक्रम और मीसेवा केंद्रों सहित विभिन्न चैनलों के माध्यम से अपना विवरण प्रस्तुत किया है। फिर भी, सरकार ने राशन कार्ड वितरित करने के लिए ठोस कदम उठाए बिना केवल घोषणाएँ की हैं।

नागरिक अब सरकार से आग्रह कर रहे हैं कि वह सभी अनिश्चितताओं को दूर करे तथा उनकी कठिनाइयों को कम करने के लिए राशन कार्ड जारी करने में तेजी लाए।

तेलंगाना में एसएलबीसी सुरंग में फंसे आठ श्रमिकों के लिए बचाव अभियान जारी

हैदराबाद , 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में नागरकुरनूल जिले के डोमलपेंटा में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग ढहने में फंसे दो इंजीनियरों और छह मजदूरों को बचाने के लिए बचाव अभियान मंगलवार को चौथे दिन भी जारी रहा।

श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग का एक हिस्सा ढहने के 72 घंटे से अधिक समय बाद भी आठ लोगों का पता नहीं चल पाया है। भारतीय सेना और नौसेना के साथ-साथ एनडीआरएफ, एसडीआरएफ सहित विभिन्न आपदा प्रबंधन एजेंसियों के लगभग 600 कर्मियों ने लापता लोगों का पता लगाने के लिए प्रयास जारी रखा है। कई बचावकर्मियों ने सुरंग से पानी निकालने और गाद निकालने की कोशिश में लगे हैं , ताकि उस स्थान तक पहुंचा जा सके जहां छत का एक हिस्सा ढह गया था। गहन प्रयासों के बावजूद, टीमें सुरंग बोरिंग मशीन के अगले हिस्से तक नहीं पहुंच सकीं क्योंकि सुरंग कीचड़ से भरी हुई थी।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने श्रमिकों के बचाव अभियान में खोजी कुत्तों को तैनात किया। प्रशिक्षित बचाव कुत्ते फंसे श्रमिकों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमों के साथ सुरंग में घुसे। इससे पहले, तेलंगाना सरकार ने बचाव के संबंध में आगे का रास्ता सुझाने के लिए सुरंगों और बचाव कार्यों में व्यापक अनुभव रखने वाले एलएंडटी के ऑस्ट्रेलियाई हिस्से के अलावा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और राष्ट्रीय भौगोलिक अनुसंधान संस्थान के विशेषज्ञों को शामिल किया था। जल निकासी जारी है: नागरकुरनूल कलेक्टर जल निकासी प्रक्रिया जारी रहने के बावजूद, नागरकुरनूल जिला कलेक्टर बी संतोष ने कहा कि बचाव अभियान में कोई भी कदम उठाने से पहले सुरंग की स्थिरता को ध्यान में रखा जाता है। अभी तक, हम उनसे (फंसे श्रमिकों) से संवाद करने में सक्षम नहीं हैं। हम भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और अन्य लोगों की सलाह ले रहे हैं। जल निकासी की प्रक्रिया जारी है। हालांकि, हम अंतिम 40 या 50 मीटर तक आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। फिलहाल, हम जीएसआई और एनजीआरआई की सलाह ले रहे हैं। एलएंडटी के विशेषज्ञ भी यहां आ चुके हैं, कलेक्टर ने पीटीआई को बताया। उन्होंने कहा कि टीमें अंतिम पचास मीटर तक पहुंचने में सफल रहीं, जहां मलबे और कीचड़ के जमा होने के कारण आठ लोग फंस गए थे। सूत्रों ने बताया कि बचाव अभियान की निगरानी करने और महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और राज्य के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी मंगलवार को दुर्घटनास्थल पर पहुंचेंगे।

भारतीय सेना, नौसेना, एनडीआरएफ और अन्य एजेंसियों के अथक प्रयासों के बावजूद, बचाव अभियान में अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है क्योंकि टीमों को तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) परियोजना में आंशिक रूप से ढह गई सुरंग से लोगों को निकालने के लिए सुरंग में दुर्घटनास्थल तक पहुंचने के लिए मोटी कीचड़, उलझी हुई लोहे की छड़ों और सीमेंट के ब्लॉकों से गुजरना पड़ा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सेना, नौसेना, सिंगरेनी कोलियरीज और अन्य एजेंसियों के साथ-साथ केंद्रीय और राज्य आपदा प्रतिक्रिया टीमों के 584 कुशल कर्मियों की एक टीम ने सात बार सुरंग का निरीक्षण किया है।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत मंगलवार को स्व. हरिप्रसाद गुप्ता की जन्मजयंती पर हरि प्रसार सुरेशकुमार गुप्ता परिवार (ज्योति विष्णु फार्मा प्र.लि) द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर रामप्रकाश अग्रवाल , सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, राजेश योगा सरजी, ई. जगन (चंपापेट), प्रभाकर जी, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, अशोक गुप्ता एस.जे, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, राजेश नैथानी, अनिता नैथानी, प्रीतिका अग्रवाल, सुरेश गुप्ता, रेणुका गुप्ता, नितिन गुप्ता, निधि गुप्ता, नेहा गुप्ता, मन्नान गुप्ता एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

जन सेवा संघ गाँधी नगर की क्षेत्रीय बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के गाँधी नगर क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष बबलू ओझा की अध्यक्षता में गाँधी नगर क्षेत्रीय बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें एरिया को मजबूत करना एवं सदस्यता अभियान बढ़ाने पर जोर दिया गया । जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उक्त बैठक में क्षेत्र में आ रहे विभिन्न समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया और क्षेत्रीय समिति का गठन किया गया, जिसमें क्षेत्रीय अध्यक्ष के रूप में श्री बबलू ओझा, उपाध्यक्ष श्री संजय यादव, महासचिव पप्पू सिंह, संयुक्त सचिव सरवन राजभर, कोषाध्यक्ष सोनू राजभर, कार्यकारिणी समिति सदस्यों के रूप में अनिल राज, उपेंद्र पासवान, अजीत साह, अरिगे प्रसाद, संतोष कुमार, मंटू कुमार को मनोनीत किया गया ।

तेलंगाना बिहार सहयोग समिति का अखंड अष्टयाम आज

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाशिवरात्रि के अवसर पर तेलंगाना बिहार सहयोग समीती द्वारा हर साल की भांति इस साल भी अंखड अष्टयाम हरि कीर्तन का आयोजन दुर्गा माता मंदिर इंदिरा नेहरु नगर मल्काजगिरी में बुधवार दि, 26 फरवरी को सायं 4.00 बजे शुरू होगा और 27 फरवरी को सायं 4.00 बजे समाप्त होगा। तत्पश्चात सायं 6.00 बजे से राम विवाह कराया जाएगा।

काचीगुडा स्टेशन रोड पर ट्वीलीशीयस के उद्घाटन अवसर पर रश्मी डीम्पल सतरा, हर्ष व फेनील सतरा का अभिनंदन करते हुए कच्छी जैन संघ के पूर्व अध्यक्ष विजय जागीरदार, साथ मे नूतन छेडा, भावना गीरीश मोमाया, ममता हितेश धरमशी, तोरल रिद्धीश लोडाया एवं अन्य ।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 89,460/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 98,570/-
(प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 74,602.12
+147.71 +0.20% ↑
एनएसई :22,547.55
-5.80 (-0.03%) ↓

सूत्रधार संस्था की गोष्ठी में मातृभाषा के महत्व पर हुई गहन परिचर्चा

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद, भारत द्वारा 62 वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। संस्थापिका सरिता सुराणा ने सभी सम्मानित सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया और वरिष्ठ साहित्यकार श्री चन्द्र प्रकाश दायमा को गोष्ठी की अध्यक्षता करने हेतु मंच पर आमंत्रित किया। श्रीमती शुभ्रा मोहन्तो ने बहुत ही मधुर स्वर में सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की- जय-जय हे भगवती सुर भारती/तव चरणाम् प्रणमामि। यह गोष्ठी दो सत्रों में आयोजित की गई थी। प्रथम सत्र में विषय प्रवर्तन करते हुए सरिता सुराणा ने कहा कि हमारा देश बहुभाषी देश है। जनगणना विश्लेषण के अनुसार हमारे देश में लगभग 121 भाषाएं और 19500 से अधिक बोलियां बोली जाती हैं। हमारे संविधान में 22 भाषाओं को संवैधानिक दर्जा दिया गया है। यूनेस्को ने 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की घोषणा इसलिए की है, जिससे विलुप्त होती सभी भाषाओं को बचाया जा सके।

दर्शन सिंह ने कहा कि बांग्लादेश में बांग्ला भाषा को मान्यता देने हेतु आंदोलन किया गया था और उसी आंदोलन में शहीद हुए लोगों की याद में यह दिन मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है। अमिता श्रीवास्तव ने कहा कि हमें अब हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए सरकार पर दबाव डालना चाहिए। हैदराबाद वासी अच्छी हिन्दी बोलते हैं लेकिन हम उतनी अच्छी तेलुगू नहीं सीख पाए। अगर हम स्थानीय भाषा सीखते हैं तभी यहां की संस्कृति को समझ पाएंगे। वरिष्ठ पत्रकार राजन्ना ने कहा कि हमें सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा भाषाएं सीखनी चाहिए। रिमझिम झा ने भगवान शिव और कवि विद्यापति से जुड़ा हुआ रोचक प्रसंग सुनाया। चंद्रप्रकाश दायमा ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हम प्रारम्भ से ही मातृभाषा की अनद-ेखी करके बच्चे को अंग्रेजी भाषा सिखाते हैं। हमारे घर पर मेहमान आने से हम बच्चे को ट्विंकल ट्विंकल लिटिल स्टार पोएम सुनाने को कहते हैं। कोई भी हिन्दी कविता सुनाने को नहीं कहते। अंग्रेजी सीखें लेकिन मातृभाषा को प्राथमिकता दें। आर्या झा ने कहा कि हमें बोलचाल में मातृभाषा का प्रयोग ज्यादा से ज्यादा करना चाहिए। प्रथम सत्र की चर्चा बहुत ही सटीक और सारगर्भित रही।

द्वितीय सत्र में उपस्थित सभी सदस्यों ने महाशिवरात्रि पर्व और अन्य विषयों से सम्बन्धित विभिन्न रचनाओं का पाठ किया। शुभ्रा मोहन्तो ने बांग्ला भाषा में रवींद्र संगीत से जुड़े शानदार गीत की प्रस्तुति दी। कटक, उड़ीसा से रिमझिम झा ने मैथिली भाषा में उघना (भगवान शिव) की कथा को बहुत ही सुन्दर ढंग से प्रस्तुत किया। दर्शन सिंह ने पंजाबी भाषा में अपनी रचना प्रस्तुत की, जिसका सन्दर्भ यह था कि हमें कभी-कभी बेवजह भी हंस लेना चाहिए। अमिता श्रीवास्तव ने सुन्दर शिव स्तुति का वाचन किया। कोलकाता से हिम्मत चौरड़िया ने राजस्थानी भाषा में है सुरंगो राजस्थान गीत को गाकर के प्रस्तुत किया। आर्या झा ने पति-पत्नी के मधुर सम्बन्धों से सज्जित मनोरम रचना प्रस्तुत की। सरिता सुराणा ने फागुन गीत प्रस्तुत किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में चन्द्र प्रकाश दायमा ने सभी सहभागियों की रचनाओं पर अपनी समीक्षात्मक टिप्पणी प्रस्तुत की और मातृभाषा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने अपनी ग़ज़ल के कुछ अशआर यूं प्रस्तुत किए - देशप्रेम की बातें भी अब बेमानी सी क्यों लगती हैं? दोनों आँखें खुली होने पर भी कानी जैसी क्यों लगती है?

तत्पश्चात् संस्था सचिव आर्या झा ने सभी सहभागियों को संस्था के आगामी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी और सभी का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम का बहुत ही कुशलतापूर्वक संचालन किया। बहुत ही उल्लासमय वातावरण में गोष्ठी सम्पन्न हुई।

ज्ञानबाग कोलनी में आयोजित प्रभात फेरी में वृंदावन से पधारे श्रीश्री 1008 त्रिदंडी भक्तिवेदांत स्वामी श्री दामोदर जी महाराज का स्वागत करते हुए गोकुल प्रसाद ओझा, शेषमहल उपाध्याय, राधेश्याम ओझा व अन्य।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

शुद्धिपत्र-1 दि. 24.02.2025
निविदा सूचना संख्या: बी-एसजी-पी-एबीएस-03-2024-25 दि. 02.02.2025

PUB/0204

संदर्भ के लिए शुद्धिपत्र का विवरण नीचे दिया गया है:

क्रम.सं	वस्तुओं का विवरण	मौजूदा	संशोधित
1	अनुमानित परियोजना लागत	243,63,26,282.00/-	239,23,13,629.00/-
2	बोली सुरक्षा	1,21,82,000.00/-	1,19,62,000.00/-
3	वित्तीय क्षमता	12,18,16,314.00/-	11,96,15,681.45/-

संशोधित/नए जोड़े गए दस्तावेज़ विवरण :

क्रम.सं.	निविदा दस्तावेज का विवरण
1	प्रस्ताव के लिए अनुरोध जीडीआर एसकेएम संशोधन-1
2	व्यवहार्यता रिपोर्ट जीडीआर एसकेएम संशोधन 1
3	ईपीसी अनुबंध का मसौदा जीडीआर एसकेएम संशोधन 1
4	प्रथम प्री-बिड के प्रश्नों का उत्तर
5	शुद्धिपत्र संख्या 1
6	संशोधित योजना योजनाएँ, रेखाचित्र और अनुलग्नक

A0264 उप मुख्य सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर, परियोजनाएँ, विजयवाड़ा

11 दिवसीय श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव के उपलक्ष में श्री श्याम निशान यात्रा के 11वें दिन सम्पन्न हुई। यात्रा बहादुरपुरा भावना स्टोर से काचीगुडा श्याम मंदिर तक निकली गई।

Daily शुभ लाभ Classifieds — FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Service No. JC 314634A Nb/Sub POONOORI KIRAN KUMAR REDDY, R/o.H.No.5-1-208/5, Shanthi Nagar Colony, Vill:Yapral, Po:J.J.Nagar, Mandal:Alwal, Dist: MedchalMalkajgiri, Telangana- 500087 hereby declare that my daughter name is to be changed from P HAMSIKA to POONOORI HAMSIKA vide affidavit dt:25-2-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, P GEETHA Spouse of Service No.JC 314634A Nb/Sub POONOORI KIRAN KUMAR REDDY, R/o. H.No.5-1-208/5, Shanthi Nagar Colony, Vill:Yapral, Po:J.J.Nagar, Mandal:Alwal, Dist:MedchalMalkajgiri, Telangana-500087 have changed my name from P GEETHA to POONOORI GEETHA vide affidavit dt:25-2-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. 7768088F Ex Nk(TS) K KRISHNA MURTHY, R/o.H.No. 30-650/5/7, Chandragiri Colony, Neredmet, MedchalMalkajgiri Dist, Telangana-500056 have changed my name and DOB from K SWARNA, DOB:01-07-1955 to KANDANURI LAKSHMI SUVARNA, DOB:17-06-1960 vide affidavit dt:25-2-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-14649519N,Rank-HAV,Name-Gopal Nanneboyina R/o Qtr No-34/6, Trishuline,Mallareddy Nagar, Alwal Road, Lothukunta, Secunderabad, Telangana,PIN-500010. I have changed my Daughter name from NANNEBOINA TEJA SRI * to *NANNEBOINA TEJASWINI and DOB is 21/04/2008 add in my service documents Affidavit dated 25/02/2025 before Notary C Samuel Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-14649519N,Rank-HAV,Name-Gopal Nanneboyina R/o Qtr No-34/6, Trishuline,Mallareddy Nagar,Alwal Road, Lothukunta, Secunderabad, Telangana,PIN-500010. I have changed my Son name from NANNEBOYINA KARTHIK to NANNEBOINA KARTHIK and DOB is 20/04/2010 add in my service documents Affidavit dated25/02/2025 before Notary C Samuel Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-14649519N,Rank-HAV,Name-Gopal Nanneboyina R/o Qtr No-34/6, Trishuline,Mallareddy Nagar,Alwal Road, Lothukunta, Secunderabad, Telangana,PIN-500010. I have changed my Son name from NANNEBOINA HEMANTH to NANNEBOINA HEMANTH KUMAR and DOB is 28/04/2012 add in my service documents Affidavit dated 25/02/2025 before Notary C Samuel Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, DHEEKONDA SRINIVASARAO, legally Father of No 19012432M, Rank SEP Name DHEEKONDA BALACHANDRUDU, R/O.Plot No. 123, 124, Vivekananda Nagar Colony, Telangana Brahmin Seva Sadanam,Vattinagulapally, Ranga Reddy Dist, Telagana - 500075, my Son Service records My name Mentioned wrongly. Changed My name from DHEEKONDA SRINIVAS RAO to DHEEKONDA SRINIVASA RAO

CHANGE OF NAME
I, Paravatha Nanthan R/o 61 MED Regt, 925761, C/o 56APO, have changed my name from PARAVATHA NANTHAN to P PARVATHA RAJAN, vide affidavit dt.25-1-2025 before Sec-Bad Court.

CHANGE OF NAME
I, SARITA is legally wedded spouse of Service No-15177244P, Rank-NK, Name-Himmat Singh, Residing at Chakdowir,PO-Doda,Teh-D.D Hat, Dist-Pithoragarh,State-Uttarakhand, PIN-262541. I have changed my name from SARITA to SARITA DEVI and DOB is-04/08/1993 Affidavit dated 25 February 2025, before Notary C Samuel Secunderabad.

एबी इनबेव ने 2032 तक बढ़ाई ओलंपिक साझेदारी

लुसाने, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने सोमवार को घोषणा की कि वैश्विक शराब निर्माता एबी इनबेव ने अपनी विश्वव्यापी ओलंपिक साझेदारी (टॉप पार्टनरशिप) को 2032 तक बढ़ा दिया है।

शुरुआत में इस साझेदारी पर जनवरी 2024 में लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए हस्ताक्षर किए गए थे। अब यह साझेदारी 2030 शीतकालीन ओलंपिक (फ्रेंच आल्प्स) और ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक तक विस्तारित कर दी गई है।

आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा, हम अपनी साझेदारी को 2032 तक बढ़ाने के लिए एबी इनबेव के साथ सहमत होकर प्रसन्न हैं। पेरिस 2024 में ओलंपिक खेलों का पहला अनुभव लेने के बाद, एबी इनबेव ने अपने कोरोना सेरो मार्केटिंग अभियानों के माध्यम से शानदार ओलंपिक जश्न मनाया, जिससे दुनियाभर के प्रशंसकों को खुशी मिली।

एबी इनबेव के सीईओ मिशेल डौकेरिस ने कहा, पेरिस 2024 ओलंपिक ने खेलों के वैश्विक महत्व और पहुंच को और मजबूत किया। हम आईओसी के साथ अपने संबंधों को 2032 तक बढ़ाने में प्रसन्न हैं और बीयर श्रेणी को सक्रिय रखते हुए खेल प्रशंसकों को जोड़ने की योजना बना रहे हैं।

पैरालंपिक खेलों के अधिकार भी शामिल

इस समझौते के तहत आईओसी-आईपीसी दीर्घकालिक सहयोग समझौते के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) और पैरालंपिक खेलों के विपणन अधिकार भी शामिल हैं।

ओलंपिक टॉप पार्टनरशिप में 15 कंपनियां

आईओसी का टॉप पार्टनरशिप कार्यक्रम ओलंपिक प्रायोजन का उच्चतम स्तर है, जिसमें सीमित संख्या में कंपनियों को ग्रीष्मकालीन, शीतकालीन और युवा ओलंपिक खेलों के लिए श्रेणी-विशेष विपणन अधिकार मिलते हैं। वर्तमान में इसमें 15 भागीदार शामिल हैं। हाल ही में चीनी टेक ब्रांड टीसीएल ने घरेलू दृश्य-श्रव्य उपकरण और घरेलू उपकरण श्रेणी में 2032 तक शीर्ष भागीदार के रूप में हस्ताक्षर किए हैं।

न्यूज ब्रीफ

चेन्नई सुपर किंग्स ने श्रीधरन को बनाया सहायक कोच

मुम्बई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम ने आईपीएल के 2025 सत्र के लिए सहायक गेंदबाजी कोच श्रीधरन श्रीराम को शामिल किया है। श्रीराम पूर्व भारतीय क्रिकेटर हैं, और उन्होंने भारतीय टीम के लिए 2000 से 2004 के बीच आठ वनडे मैच खेले थे। हालांकि उन्हें भारतीय टीम में ज्यादा मौके नहीं मिले, लेकिन घरेलू क्रिकेट में उनका प्रभाव था और वे एक शानदार ऑलराउंडर रहे हैं। श्रीराम की नियुक्ति सीएसके के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है, क्योंकि उनकी गेंदबाजी समझ और अनुभव सीएसके के बॉलर को और भी बेहतर बना सकता है। सीएसके पास महेन्द्र सिंह धोनी के अलावा रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना जैसे अहम खिलाड़ी हैं। सीएसके के प्रशंसकों में इस बार काफी उत्साह है सीएसके ने इस बार के मेगा नीमी में कई बड़े खिलाड़ी खरीदे हैं, जिनमें दिग्गज स्पिन गेंदबाज आर अश्विन का नाम प्रमुख है। अश्विन के होने से गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी। टीम के पास नए खिलाड़ी जैसे नूर अहमद, खलील अहमद, और राहुल त्रिपाठी भी हैं जिससे उसे काफी उम्मीदें हैं। सीएसके की टीम में कई अनुभवी और युवा खिलाड़ी हैं जिससे वह अलग-अलग परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम होगी। सीएसके के प्रशंसकों के लिए यह सत्र खास होने वाला है, क्योंकि टीम ने इस बार अपनी रणनीति को और भी मजबूत किया है। टीम का लक्ष्य 2025 आईपीएल में एक और खिताब जीतना है। टीम इस प्रकार है : रुतुराज गायकवाड़, पथिराना, शिवम दुबे, नूर अहमद, रविन्द्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, खलील अहमद, रचिन रवींद्र, एमएस धोनी, राहुल त्रिपाठी, अंशुल कंबोज, सैम करन।

वसीम अकरम ने कहा पाक टीम में बड़े बदलावों की जरुरत, चयन समिति पर भी सवाल उठाये

दुबई। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे वसीम अकरम ने चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत के खिलाफ मिली हार के बाद अपनी टीम की जमकर आलोचना की है। अकरम ने कहा कि अब टीम में कई बड़े बदलाव करने होंगे। साथ ही कहा कि अगर ऐसा नहीं होता है तो टीम हारती रहेगी। इसलिए 2026 विश्वकप की तैयारी अभी से करनी होगी। अकरम ने तेज गेंदबाजों को भी फटकार लगायी और कहा कि उनका प्रदर्शन काफी खराब था। अकरम ने ड्रेसिंग रूम शो में कहा, कठोर कदम उठाने की जरूरत है। हम सदियों से सफेद गेंद से पुरानी क्रिकेट खेल रहे हैं। इसमें बदलाव की जरूरत है। निडर क्रिकेटरों, युवा खिलाड़ियों को टीम में शामिल करें। अगर आपको पांच-छह बदलाव करने हैं। तो वह भी करें। उन्होंने आगे कहा, आप अगले छह महीने तक हारते रहेंगे। यह ठीक है, लेकिन अभी से 2026 विश्व टी20 के लिए टीम बनाना शुरू कर दीजिए। अकरम ने पाकिस्तान की गेंदबाजी की भी आलोचना करते हुए कहा कि उनका एकदिवसीय क्रिकेट में दूसरा सबसे खराब औसत है। उन्होंने कहा, बस बहुत हो गया। आपने उन्हें स्टार बना दिया है। पिछले पांच एकदिवसीय मैचों में पाक गेंदबाज 60 की औसत से केवल 24 विकेट लेने में सफल रहे हैं। इस प्रकार प्रति विकेट 60 रन उन्होंने कहा, हमारा औसत ओमान और अमेरिका से भी खराब है। एकदिवसीय खेलने वाली 14 टीमों में पाकिस्तान का गेंदबाजी औसत दूसरा सबसे खराब है।

सिद्धू ने विराट की जमकर प्रशंसा की

दुबई। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले समय में 10 से 15 शतक और लगा सकते हैं। सिद्धू ने कहा कि विराट ने जिस प्रकार चैंपियंस ट्रॉफी के अहम मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाया उससे पता चलता है कि उनमें अभी काफी क्रिकेट बचा है। भारत के पावरप्ले में एक विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी करने आए विराट कोहली ने दबाव के हालातों में भी शतक लगा दिया। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, चरित्र संकट में नहीं बनता बल्कि दिखता है। विराट जोश और जुनून से भरा हुआ है और इस शतक के बाद मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि यह व्यक्ति अगले 2 या 3 साल तक खेलेगा और वह 10 या 15 शतक और लगाएगा। किसी के लिए भी सबसे बड़ा परीक्षण यह है कि वह कठिन समय से कैसे गुजरता है और वह कैसे कठिनाइयों को अपनाता है। सिद्धू ने कहा, पिछले छह महीनों में इतना कुछ हुआ है कि उसने अपना पल चुन लिया।

सोफिया में 76वें स्ट्रैंड्जा बॉक्सिंग टूर्नामेंट का आगाज, भारत ने नहीं लिया हिस्सा

सोफिया, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

यूरोप के सबसे पुराने अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट स्ट्रैंड्जा मेमोरियल के 76वें संस्करण की शुरुआत सोमवार को सोफिया स्पोर्ट्स हॉल में हुई। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में 22 देशों और क्षेत्रों के 222 मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं, जिनका लक्ष्य रविवार को होने वाले फाइनल में जगह बनाना है। बल्गारिया के युवा और खेल उप मंत्री पेटार म्लादेनोव ने टूर्नामेंट का उद्घाटन करते हुए कहा, स्ट्रैंड्जा सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि खेल भावना और परंपरा का प्रतीक है। यह दर्शाता है कि मुक्केबाजी में विश्वास करना क्या होता है।

बल्गेरियाई बॉक्सिंग फेडरेशन के अध्यक्ष कसीमिर इनिंस्की ने उम्मीद जताई कि यह टूर्नामेंट उच्च स्तर का रहेगा और सभी मुक्केबाजों के लिए एक शानदार अनुभव होगा। उन्होंने सभी एथलीटों और उनके कोचों को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि टूर्नामेंट के दौरान कोई भी खिलाड़ी चोटिल न हो।

भारत ने नहीं भेजी टीम, चीन के 9 मुक्केबाज मैदान में

इस बार भारत के मुक्केबाजों ने टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया है, जबकि चीन की ओर से छह पुरुष और तीन महिला मुक्केबाज मुकाबले में उतरेंगे। सोमवार को चीन के वु युनबदारी ने पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग में बुल्गारिया के टिंको बानाबाकोव के खिलाफ मुकाबला किया, लेकिन उन्हें 3-2 से हार का सामना करना पड़ा।

टूर्नामेंट में अगले कुछ दिनों तक रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे, जहां शीर्ष मुक्केबाज खिताब के लिए जोर आजमाइश करेंगे।

भारत, न्यूजीलैंड आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में, पाकिस्तान और बांग्लादेश बाहर

नई दिल्ली। रावलपिंडी में न्यूजीलैंड की बांग्लादेश पर पांच विकेट से जीत के साथ ही भारत ने सोमवार को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है, भारत के साथ ही न्यूजीलैंड भी अंतिम चार में पहुंच गया है, जबकि मेजबान पाकिस्तान और बांग्लादेश बाहर हो गए हैं। 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का आखिरी ग्रुप-स्टेज गेम यह निर्धारित करेगा कि कौन सी टीम ग्रुप ए में शीर्ष पर होगी। मैच का विजेता सेमीफाइनल में ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से खेलेगा। यह छठा संस्करण है जहां मेन इन ब्लू ने सेमीफाइनल में जगह बनाई है। वे 1998, 2000, 2002, 2013 और 2017 में अंतिम चार में पहुंचे। न्यूजीलैंड के लिए, यह चौथा सेमीफाइनल होगा और 2009 के बाद यह पहला होगा।

द इंडियन पोलो अवार्ड्स में 22 श्रेणियों में दिए पुरस्कार

हैदराबाद पोलो एंड राईडिंग क्लब ने जीता द एरीना पोलो क्लब ऑफ द सीजन पुरस्कार

जयपुर, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। द इंडियन पोलो अवार्ड्स (टीआईपीए) का चौथा सीजन जयपुर के प्रतिष्ठित सिटी पैलेस में आयोजित किया गया। इसमें पोलो खेल के चमकते सितारों को सम्मानित किया गया। ला पोलो की ओर से आयोजित इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में 22 पुरस्कार श्रेणियों में खेल के प्रति उत्कृष्ट योगदान को सराहा गया और पोलो के खिलाड़ियों, टीमों, संरक्षकों और समर्थकों के समर्पण और उपलब्धियों का जश्न मनाया गया। सवाई पद्मनाभ सिंह और ला पोलो के एडीटर इन चीफ मनिंदर एस. सेठी ने इस आयोजन की संयुक्त मेजबानी की। इस अवसर पर शहर के जाने-माने लोगों के साथ-साथ खेल समर्थक, संरक्षक और प्रतिष्ठित पोलो खिलाड़ी भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम का संचालन पोलो कमेंटेटर शरद सक्सेना और मॉडल और अभिनेत्री दीप्ति गुजराल ने किया।

भारत का सबसे बड़ा एरिना पोलो क्लब, जिसने प्रतिभाओं को विकसित करके और पूरे देश में खेल की पहुँच बढ़ाकर इस विकास का मार्ग प्रशस्त किया है, को इस पुरस्कार श्रेणी में सम्मानित किया गया है। हैदराबाद पोलो एंड राइडिंग क्लब या एचपीआरसी को इस सीजन का एरिना पोलो क्लब घोषित किया गया और यह इस पुरस्कार श्रेणी का पहला विजेता था। एचपीआरसी और अध्यक्ष चैतन्य कुमार ने पुरस्कार से सम्मानित होकर, भारतीय एरिना पोलो के अग्रणी, को सही मायने में देश का सर्वश्रेष्ठ एरिना पोलो क्लब घोषित किया है।

चैंपियंस ट्रॉफी: साउथ अफ्रीका-ऑस्ट्रेलिया मैच रद्द

दोनों ग्रुप-बी में टॉप पर, बचे हुए एक-एक मैच जीतीं तो सेमीफाइनल पक्का

रावलपिंडी, 25 फरवरी (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच का मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया है। मंगलवार को रावलपिंडी स्टेडियम में दिन भर रुक-रुककर बारिश होती रही। ऐसे में मुकाबले का रद्द करने का फैसला लिया गया है। दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले हैं।ग्रुप-बी की पॉइंट्स टेबल में साउथ अफ्रीका नंबर-1 और ऑस्ट्रेलिया नंबर-2 पर हैं। दोनों के पास 3-3 अंक हैं। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड तो साउथ अफ्रीका ने अफगानिस्तान को हराया था। इंग्लैंड और अफगानिस्तान को अब भी पहली जीत की तलाश है।

चैंपियंस ट्रॉफी-2025
ग्रुप-बी की पॉइंट्स टेबल

टीमें	मैच	जीते	हारे	बेनतीजा	पॉइंट्स	NRR
सा.अफ्रीका	2	1	0	1	3	2.14
ऑस्ट्रेलिया	2	1	0	1	3	0.475
इंग्लैंड	1	0	1	0	0	-0.475
अफगानिस्तान	1	0	1	0	0	-2.14

4 पॉइंट्स में ग्रुप-बी के समीकरण

साउथ अफ्रीका : टेबल के टॉप पर है। टीम के पास 3 अंक हैं। टीम ने 2 मैच खेले हैं। इनमें एक जीत मिली। जबकि दूसरा बेनतीजा रहा। अफ्रीकी टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए एक मार्च को इंग्लैंड से जीतना होगा।

ऑस्ट्रेलिया: टेबल में दूसरे नंबर पर है। टीम के पास भी 3 अंक हैं, लेकिन टीम का नेट रन रेट 0.475 साउथ अफ्रीका (2.140) से कम है। ऑस्ट्रेलियन टीम को 28 फरवरी को अफगानिस्तान से खेलना है। इस मैच को जीतकर ऑस्ट्रेलियाई टीम सेमीफाइनल में पहुंच सकती है।इंग्लैंड: इंग्लिश टीम ने सिर्फ एक मैच खेला है। टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट की हार झेलनी पड़ी थी। अंग्रेजों को अफगानिस्तान और साउथ अफ्रीका से एक-एक मैच खेलने हैं।

संशोधित-एटीपी रैंकिंग में नौवें स्थान पर पहुंचे आंद्रे रुबलेव

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

दोहा में खेले गए कतर ओपन के फाइनल में आंद्रे रुबलेव ने ब्रिटेन के जैक ड्रेपर को 7-5, 5-7, 6-1 से हराकर अपना दूसरा कतर ओपन खिताब जीता। इस जीत के साथ ही नवीनतम एटीपी रैंकिंग में रुबलेव को एक स्थान का फायदा हुआ और वह नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। हालांकि, फाइनल में हारने के बावजूद, 23 वर्षीय ड्रेपर ने एटीपी रैंकिंग में चार स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 12वीं रैंकिंग हासिल की।

लेहेका, बेज और अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में बढ़ोतरी

चेकिया के जिरी लेहेका, जिन्होंने क्वार्टर फाइनल में विश्व नंबर 3 कार्लोस अलकराज को हराया था, तीन स्थान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस बीच, अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बेज ने रियो ओपन का सफलतापूर्वक बचाव किया और 31वें स्थान पर बने हुए हैं। उनके हमवतन कैमिलो उगो काराबेली और फ्रांसिस्को कोमेसाना, जो सेमीफाइनल में हार गए थे, ने लंबी छलांग लगाकर क्रमश: 69वें और 67वें स्थान पर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की।

शीर्ष 100 में अन्य उल्लेखनीय बढ़त

फ्रांस: गियोवन्नी म्पेत्शी पेरिकार्ड (29वें) और एलेक्जेंडर मुलर (41वें)

स्पेन: पेड्रो मार्टिनेज (36वें)

बेल्जियम: ज़िज़ौ बर्ग्स (56वें) और राफेल कोलिग्नन (98वें)

सर्बिया: हमाद मेदजेदोविक (71वें)

पुर्तगाल: जेमी फारिया (87वें)

शीर्ष 5 एटीपी रैंकिंग (अंक सहित)

- 1. जननिक सिनर (इटली) – 11,330
- 2. अलेक्जेंडर ज्वेरेव (जर्मनी) – 8,135
- 3. कार्लोस अलकराज (स्पेन) – 7,510
- 4. टेलर फ्रिट्ज (यूएसए) – 4,900
- 5. कैस्पर रूड (नॉर्वे) – 4,325

टेनिस जगत में इस हफ्ते की एटीपी रैंकिंग में कई बड़े बदलाव देखने को मिले, जहां अनुभवी खिलाड़ियों के साथ नए सि तारों ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया।

रोहित और शमी अगले मैच में खेलेंगे : श्रेयस अय्यर

मुम्बई, 25 फरवरी (एजेंसियां)।

बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा और तेज मोहम्मद शमी फिट है और अगले मैच खेलेंगे। श्रेयस ने कहा कि कप्तान रोहित शर्मा की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव की बातें सही नहीं हैं।वहीं मोहम्मद शमी की पिंडली में दर्द ठीक है। इन दोनों खिलाड़ियों की चोट के बाद प्रशंसकों की चिंताएं बढ़ गई थीं। पाकिस्तान की पारी के अंतिम ओवरों में जब रोहित गेंद पकड़ने के लिए दौड़ रहे थे, तो उन्हें असहज देखा गया था। तभी से ये आशंका हुई कि कप्तान को हैमस्ट्रिंग से जुड़ी समस्या हो सकती है। इस दौरान रोहित काफी देर तक मैदान से बाहर रहे पर अय्यर ने कहा कि यह कोई बड़ी समस्या नहीं है। उन्होंने बताया कि रोहित ने अपनी चोट के बारे में चिंता जताई थी, लेकिन वे सहज थे और इसे ज्यादा गंभीर नहीं मानते थे।

वहीं शमी को पिंडली में दर्द महसूस हुआ, जिसके कारण उन्हें उपचार के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। शमी अब बेहतर महसूस कर रहे थे और उनकी स्थिति स्थिर थी।

मैच के बाद श्रेयस अय्यर से इन दोनों खिलाड़ियों की चोट पर सवाल पूछा गया। उन्होंने दोनों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त करने के बजाय यह कहा कि उनकी चोटों को लेकर कोई गंभीर चिंता की बात नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि दोनों खिलाड़ी ठीक हैं और कोई समस्या नहीं है। मैंने उनसे बात की थी और वे दोनों ही इस बारे में बहुत सहज थे। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने बांग्लादेश भारतीय टीम का अगला मुकाबला 2 मार्च को न्यूजीलैंड से होने वाला है।

कुलदीप को आने वाले मैचों में और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

दुबई। भारतीय टीम के स्पिनर कुलदीप यादव पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच में अच्छी गेंदबाज करने से उत्साहित हैं। कुलदीप ने इस मैच में तीन विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। कुलदीप ने पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ भी प्रभावी गेंदबाजी की थी हालांकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। कुलदीप ने अपनी लय हासिल कर ली है और उन्हें उम्मीद है कि अब वह इस टूर्नामेंट के बाकि मैचों में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। कुलदीप पिछले साल स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी के बाद से ही तीन महीने से अधिक समय तक खेल से दूर रहे थे। इस कारण उनकी फार्म को लेकर संदेह जताया जा रहा था। कुलदीप ने कहा, ' सर्जर के बाद फिट होने में तकरीबन छह महीने लगते हैं। मैंने इंग्लैंड के खिलाफ दो मैच खेले। उनमें मेरी लय अच्छी थी। बांग्लादेश के खिलाफ भी मेरी लय अच्छी थी। कुलदीप पहले मैच में विकेट हासिल नहीं कर पाए थे। उन्होंने कहा, 'लेकिन स्वाभाविक है कि आप हमेशा विकेट हासिल करने की तलाश में रहते हैं। पाक के खिलाफ जब मैंने अपना पहला ओवर डाला, तो मुझे लगा कि मैं बेहतर लय में हूं। मैं आरामदायक स्थिति में हूं। कुलदीप ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं इससे भी बेहतर गेंदबाजी कर सकता हूं। मैंने चोट से वापसी करने के बाद अभी तक तीन-चार मैच खेले हैं।

तेलंगाना सरकार जल्द ही जीवन विज्ञान नीति शुरू करेगी : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार जीवन विज्ञान नीति शुरू करेगी, जो नए क्षेत्रों में प्रवेश करने, राज्य को वैश्विक फार्मा हब बनाने और इस क्षेत्र में अधिक निवेश आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। नीति इस क्षेत्र के लिए एक नई विकास योजना तैयार करेगी। यह राज्य को सेल और जीन थेरेपी, जीनोमिक्स, बायोलॉजिक्स और सटीक चिकित्सा, पेप्टाइड्स, डिजिटल नवाचार, उन्नत अनुसंधान और विकास और जटिल विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में प्रवेश करने में भी सक्षम बनाएगी। मंगलवार को यहां दो दिवसीय जीवन विज्ञान उद्योग कार्यक्रम बायोएशिया 2025 का उद्घाटन करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना ने ग्रैन्यूल्स, ऑर्बिक्युलर, ऐजेंट, बायोलॉजिकल ई, विरचो, विरुपाक्ष, जुबिलेंट, विम्टा, एरागेन, भारत बायोटेक और साई लाइफ साइंसेज सहित 11 फार्मा कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन में 5,445 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है और प्रस्तावित ग्रीन फार्मा सिटी में 9,800 नए रोजगार सृजित होंगे। छह कंपनियों ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पहल में 11 और कंपनियों के शामिल होने से इन सभी कंपनियों द्वारा प्रस्तावित कुल निवेश 11,100 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा और 22,300 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। हैदराबाद की क्षमताओं को प्रदर्शित करने वाला बायोएशिया एक वैश्विक जीवन विज्ञान कार्यक्रम में तब्दील हो गया है जो स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को आकार देने में भारत को एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर रहा है।

भाजपा शासित राज्यों में 29 अल्पसंख्यक समुदायों को पिछड़ा वर्ग कोटा मिल रहा

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार, 24 फरवरी को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों में 29 मुस्लिम समुदायों को पिछड़ा वर्ग के तहत आरक्षण मिल रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और बिहार में मुस्लिम समुदायों को पिछड़ा वर्ग में शामिल किया जा रहा है। रेड्डी की यह टिप्पणी तेलंगाना में जाति सर्वेक्षण में मुसलमानों को शामिल किए जाने पर भाजपा की आपत्ति के जवाब में आई है।केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार द्वारा जाति सर्वेक्षण में मुसलमानों को शामिल करने के लिए तेलंगाना सरकार की आलोचना करने के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा, 1979 में मंडल आयोग ने 29 पिछड़ी मुस्लिम जातियों को बीसी श्रेणी में शामिल किया था। परिणामस्वरूप, समुदाय को विभिन्न राज्यों में एमबीसी और बीसी के रूप में आरक्षण मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्वीकार्य नहीं है।

करीनगर में एक बैठक को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो 25 वर्षों से गुजरात की सत्ता पर काबिज हैं, ने कहा था कि उन्होंने गुजरात में 70 मुस्लिम जातियों को बीसी श्रेणी में शामिल किया है। रेवंत ने यह भी आरोप लगाया कि कुमार और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी तेलंगाना में जाति सर्वेक्षण के बारे में गलत सूचना फैला रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मंजूरी न देकर हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना और क्षेत्रीय रिंग रोड में बाधा डाल रही है।

आंध्र प्रदेश में हाथियों के झुंड के हमले में तीन श्रद्धालुओं मौत

कडप्पा, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले के वाई कोटा गांव में मंगलवार तड़के हाथियों के झुंड के हमले में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गयी और दो अन्य घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना तड़के तब हुयी, जब वाई-कोडा गांव के कन्नेगुंटा कॉलोनी के करीब 30 श्रद्धालु महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा करने के लिये प्रसिद्ध सिद्धेश्वर स्वामी मंदिर जा रहे थे और सभी श्रद्धालु जंगल के इलाके से गुजर रहे थे। उसी दौरान, हाथियों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। इसमें तीन लोगों की मौत हो गयी और दो लोग घायल हो गये। दोनों घायलों को रेलवे कोडुर के जीजीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बतायी गयी है और श्रद्धालुओं के शवों को पोस्टमार्टम के लिये रेलवे कोडुरु के जीजीएच ले जाये गये।

तेलंगाना में खाद के लिए कतारों में खड़े किसान आम दृश्य बने

करीमनगर, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। खाद की दुकानों के सामने कतार में जूते और पट्टादार पासबुक रखने का पुराना नजारा हाल के दिनों में राज्य के ग्रामीण इलाकों में काफी आम हो गया है। बीआरएस शासन के 10 वर्षों के अधिकांश समय में राज्य में यह नजारा नहीं देखा गया था। किसान प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पीएसीएस) के सामने जूते और पासबुक रख रहे हैं और अपनी बारी के लिए घंटों कतार में खड़े होकर इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, पर्याप्त यूरिया की आपूर्ति नहीं होने के कारण अधिकांश किसान बिना खाद के समितियों से लौट रहे हैं। जबकि कृषि विभाग के अधिकारियों का दावा है कि यूरिया की कोई कमी नहीं है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, किसान पूरे राज्य में इसके लिए संघर्ष कर रहे हैं। आमतौर पर, कृषि अधिकारी फसल बुवाई के अनुमान तैयार करते समय उर्वरक की आवश्यकता का अनुमान

लगाते हैं और यूरिया, पोटाश और कॉम्प्लेक्स और अन्य उर्वरकों के लिए सरकार को मांगपत्र भेजते हैं।

अनुमान लगाया गया था कि करीमनगर जिले के लिए 42,416 मीट्रिक टन यूरिया की आवश्यकता थी और महीनेवार आवश्यकता का विवरण भी सरकार को भेजा गया था। इसमें से 38,255 मीट्रिक टन का वितरण हो चुका है, जबकि 1,534 टन डीलरों के पास उपलब्ध है। जिला कृषि अधिकारी भाग्यलक्ष्मी के अनुसार पिछले कुछ दिनों से मांग को पूरा करने के लिए हर दिन 1,500 मीट्रिक टन यूरिया दूसरे जिलों से मंगाया जा रहा है। हालांकि इसके अलग-अलग कारण हैं, लेकिन असामान्य मौसम की स्थिति यूरिया की मांग में तेजी का एक कारण बताई जा रही है। जिले में चालू सीजन में 2.40 लाख एकड़ में बोई गई धान की फसल की वृद्धि में यूरिया की अहम भूमिका होती है। सीजन की शुरुआत में बोई गई फसल में पर्याप्त वृद्धि नहीं हुई। ठंड के मौसम की स्थिति भी फसल की धीमी वृद्धि का मुख्य कारण बताई जा रही है। स्थिति से चिंतित किसानों ने अतिरिक्त यूरिया डालना शुरू कर दिया है। अगर एक एकड़ धान के लिए एक बोरी यूरिया पर्याप्त है, तो किसान एक और बोरी का इस्तेमाल कर रहे हैं। कृषि अधिकारियों ने दावा किया कि इस उद्देश्य के लिए किसान यूरिया के अतिरिक्त बैग खरीद रहे थे, जिससे कमी की स्थिति पैदा हो गई। करीमनगर ग्रामीण मंडल के गोपालपुर के किसान राजमल्लैया ने 'तेलंगाना टुडे' से बात करते हुए कहा कि शुरुआत में उन्हें अपने मंडल में यूरिया के लिए समस्याओं का सामना करना पड़ा था। अधिकारियों से बार-बार अनुरोध करने के बाद पर्याप्त यूरिया की आपूर्ति की गई। उन्होंने कहा कि फिर भी अन्य क्षेत्रों में समस्या बनी हुई है।

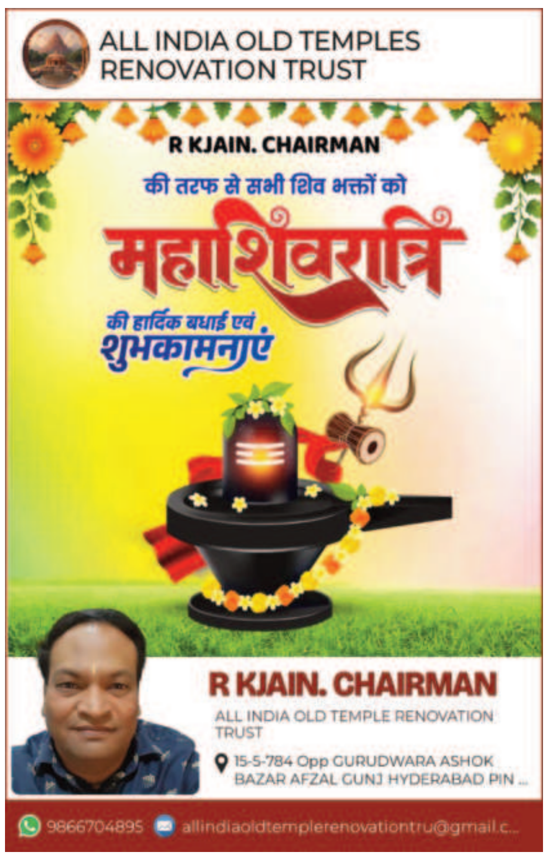

बेगमपेट रेलवे स्टेशन जल्द ही भव्य रूप में दिखेगा

हैदराबाद, 25 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद और नामपल्ली सहित प्रमुख रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प के साथ, बेगमपेट रेलवे स्टेशन भी कतार में है, जिसमें बड़े पैमाने पर बदलाव हो रहा है और अगले महीने तक काम पूरा होने की उम्मीद है। अमृत भारत स्टेशन योजना के दूसरे चरण के तहत, स्टेशन के बड़े बदलाव की योजना बनाई गई है। बेगमपेट रेलवे स्टेशन मुंबई और पुणे से आने वाली महत्वपूर्ण और सुपरफास्ट ट्रेनों का स्टॉपओवर है और यहां से करीब 122 ट्रेनें चलती हैं। यहां प्रतिदिन औसतन 16,648 यात्री आते-जाते हैं।

एक बार जब स्टेशनों का नवीनीकरण हो जाएगा, तो प्रतिदिन यात्रियों को संभालने की क्षमता बढ़ जाएगी। फिलहाल, 75 फीसदी काम पूरा हो चुका है। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार, आने वाले दिनों में यात्रियों की संख्या में वृद्धि की उम्मीद के साथ, भारतीय रेलवे ने स्टेशन के बड़े बदलाव की योजना बनाई है और पुनर्विकास की प्रमुख विशेषताओं में शामिल हैं - आगमन/प्रस्थान यात्री आंदोलनों को यथासंभव अलग करना; रेलवे स्टेशन तक त्वरित और आसान पहुंच के लिए शहर के साथ बेहतर सड़क संपर्क; और स्टेशन परिसर के भीतर पर्याप्त पार्किंग। स्टेशन पर दो प्लेटफार्म हैं, लेकिन वहां एस्केलेटर या लिफ्ट की सुविधा नहीं थी।योजना के तहत दो लिफ्ट और दो एस्केलेटर बनाए गए हैं। पहले स्टेशन पर कोई प्रतीक्षालय नहीं था और 750 वर्ग मीटर का निर्माण किया गया है और पुराने स्टेशन भवन के 288 वर्ग मीटर का नवीनीकरण किया गया है। इसके साथ ही प्रस्थान के साथ एक नई टिकट बुकिंग खिड़की की योजना बनाई जा रही है और परियोजना के विकास के लिए लगभग 26.55 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालते हुए, एस-सीआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, स्टेशन का काम पिछले साल शुरू हुआ था और अगले महीने तक पूरा होने की उम्मीद है।कार्यों को चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है ताकि यात्रियों की आवाजाही में कोई बाधा न आए। प्रवेश रैंप, 12 मीटर फुट ओवर ब्रिज और लिफ्ट और एस्केलेटर सहित लगभग 75 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और स्टेशन भवन का काम भी प्रगति पर है, जो अंतिम चरण में है, साथ ही सर्कुलेटिंग एरिया और एप्रोच रोड और प्लेटफॉर्म रीसर्फेसिंग भी अंतिम चरण में है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.